शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 03 सितंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-7 | अंक-243

धर्मस्थल में भाजपा के विरोध प्रदर्शन के लिए पैसा कहां से आ रहा है? @ नम्मा बेंगलूरु

अमेरिका के दो-दो पूर्व सुरक्षा सलाहकारों ने खोली डोनाल्ड ट्रंप की पोल

पाकिस्तान में क्रिप्टो धंधे से अरबों कमा रहा ट्रंप परिवार

भारत को नकारने और पाकिस्तान को पुचकारने का राज उजागर

वॉशिंगटन, 02 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान में फैले क्रिप्टो कारोबार का धंधा चमकाए रखने के लिए भारत के नजदीकी संबधों को ताक पर रख दिया। पाकिस्तान में क्रिप्टो कारोबार के जरिए अरबों रुपए का मुनाफा लूटने वाले डोनाल्ड ट्रंप के परिवार के लोग हैं। यानि, पाकिस्तान में फैला क्रिप्टो कारोबार ट्रंप परिवार का है। इसके लिए ट्रंप ने पाकिस्तान को अपने सिर पर बैठाया और भारत की उपेक्षा की। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन ने ट्रंप के टैरिफ-ट्रिक का पर्दाफाश किया और भारत के साथ संबंधों में खटास को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर करारा हमला किया। सुलिवन ने साफ-साफ कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ने अपने परिवार के क्रिप्टो कारोबार के लिए भारत जैसे रणनीतिक साझेदार को दरकिनार कर दिया।

अमेरिका के पूर्व एनएसए जेक सुलिवन ने तो डोनाल्ड ट्रंप के पाकिस्तान में फैले पारिवारिक धंधे की जानकारी देकर पूरे प्रकरण की अंतरकथा ही खोल कर रख दी। जेक सुलिवन ने कहा, भारत के साथ हमें तकनीक, टैलेंट, अर्थव्यवस्था और कई अन्य क्षेत्रों में साथ

काम करना चाहिए था, खासकर चीन से रणनीतिक खतरे का मुकाबला करने के लिए यह अत्यंत जरूरी था। लेकिन ट्रंप ने पाकिस्तान के साथ अपने फैमिली बिजनेस को बढ़ाने के लिए भारत के साथ रिश्तों को दरकिनार कर दिया। सुलिवन ने इसे अमेरिका के लिए बड़ा रणनीतिक नुकसान बताया।

डोनाल्ड ट्रंप के साथ काम कर चुके अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने भी ट्रंप को भारत से रिश्ते खराब करने और भारत पर लगाए गए टैरिफ को लेकर कठघरे में खड़ा किया। बोल्टन ने कहा कि अमेरिका की टैरिफ नीति ने भारत को रूस से दूर करने और चीन से बढ़ते खतरे से निपटने के प्रयासों को ध्वस्त कर दिया है। जॉन बोल्टन ने डोनाल्ट ट्रंप की टैरिफ नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि इससे भारत के साथ रणनीतिक संबंधों को गहरा करने के अमेरिका के दशकों के प्रयासों को झटका लगा है जबकि चीन को एशिया में अपना प्रभाव बढ़ाने का अवसर मिल गया है। जॉन बोल्टन ने कहा कि अमेरिका की टैरिफ नीति ने भारत को रूस से दूर करने और चीन से बढ़ते खतरे से निपटने के पश्चिमी प्रयासों को ध्वस्त कर दिया है। साथ ही चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को पूर्व में भू-राजनीतिक परिदृश्य को नया रूप देने का अवसर दिया है।

▶10पर

पीएम मोदी के भावुक भाषण ने गाली-पॉलिटिक्स की बाजी पलट दी

मेरी मां को गाली, पूरे देश की मां-बहन-बेटी का अपमान है

नई दिल्ली/पटना, 02 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के लिए विकास योजनाओं की घोषणा करते हुए अपनी दिवंगत माता जी को लेकर जो भावुक भाषण दिया, उसने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव का बदतमीजी से भरा नैरेटिव पलट कर रख दिया है। अब बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस-राजद की गाली-पॉलिटिक्स चुनावी मुद्दा बनेगी, यह तय हो गया है। राहुल गांधी की अधिकार यात्रा के दौरान कांग्रेस द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां स्व. हीराबेन मोदी पर की गई अपमानजनक टिप्पणियों के खिलाफ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने 4 सितंबर को पांच घंटे के लिए बिहार बंद का आह्वान किया है। सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक बिहार बंद रहेगा। बिहार बंद की घोषणा पीएम मोदी के भावुक भाषण के बाद ही की गई। दिवंगत मां को गाली और राहुल-तेजस्वी की 16 दिन की अराजक

राहुल गांधी के सामने कांग्रेस के मंच से दी गई थी गाली

गाली-पॉलिटिक्स के खिलाफ चार को बिहार बंद : एनडीए

उछलकूद को पीएम मोदी ने 29 मिनट में पलट दिया। पीएम मोदी के भाषण ने राहुल-तेजस्वी के अरमान पर कुल्हाड़ी चलाने का काम कर दिया है।

बिहार चुनाव 2025 की एक तरह से आज से ही असली शुरुआत हुई है। अपनी दिवंगत मां के सम्मान में पीएम मोदी मैदान में उतर आए हैं। मां की गाली पर पीएम मोदी के आंसू राहुल-तेजस्वी की राजनीति पर भारी पड़ गए। बिहार चुनाव का पूरा नैरेटिव, जिसे 16 दिन की जद्दोजहद से राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने सेट किया था, पीएम मोदी के 29 मिनट के भाषण ने उसे बदलकर रख दिया। अब बिहार चुनाव 2025 में गाली पॉलिटिक्स की ही गूंज सुनाई देगी, यह तय हो गया है। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की गहमा-गहमी के बीच राजनीति का रंगमंच गर्म हो उठा। इस बार कहानी के केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां को दी गई गाली पर दिए बयान ने विपक्ष को हिला कर रख दिया है। बिहार चुनाव से पहले पीएम मोदी के आंसुओं ने बिहार की जनता के दिलों को छू लिया।

पीएम मोदी ने बिहार चुनाव को भावनात्मक मोड़ दे दिया है। 29 मिनट के भाषण में, उन्होंने बिहार के विकास की बात की

▶10पर

पीएम मोदी ने किया सेमीकॉन इंडिया 2025 का उद्घाटन

तेल है काला सोना तो सेमी कंडक्टर चिप है हीरा : मोदी

नई दिल्ली, 02 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दिल्ली के यशोभूमि में सेमीकॉन इंडिया-2025 का उद्घाटन करते हुए कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच अप्रैल-जून में भारतीय अर्थव्यवस्था ने सभी उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन किया और 7.8 प्रतिशत की दर से वृद्धि की। प्रधानमंत्री ने कहा कि तेल काला सोना था, लेकिन अब सेमीकंडक्टर चिप हीरे के समान हैं। इस मौके पर भारत का पहला स्वदेशी स्पेस प्रोसेसर विक्रम 32-बिट लॉन्च हुआ। इससे अंतरिक्ष को लेकर हो रहे अध्ययनों और प्रयोगों को मजबूती मिलेगी।

सेमीकॉन इंडिया 2025 के सम्मेलन में दुनियाभर के सेमीकंडक्टर क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ शामिल हुए। कार्यक्रम में अपने भाषण की शुरुआत में पीएम मोदी ने कुछ ऐसा कहा कि पूरा सभागार ठहाकों से गूंज उठा। पीएम मोदी ने अपना संबोधन शुरू करते हुए कहा, कल रात ही मैं जापान और चीन की यात्रा से वापस लौटा हूं। इस पर सभागार में मौजूद लोगों ने तालियां बजाकर उनका स्वागत किया। इस पर पीएम मोदी ने हास के अंदाज में कहा, मैं गया था, इसलिए तालियां बजा रहे हैं या वापस लौटा हूं इसलिए तालियां बजा रहे हैं। प्रधानमंत्री के इतना कहते ही सभागार में मौजूद सभी लोग ठहाका मारकर हंस पड़े।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यहां दुनिया भर के

भारत का पहला स्वदेशी स्पेस प्रोसेसर विक्रम 32-बिट लॉन्च

सेमीकंडक्टर विशेषज्ञ मौजूद हैं। 40-50 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि हैं और भारत की युवा शक्ति भी यहां नजर आ रही है। यह जो संयोजन बना है, इसका संदेश है कि दुनिया भारत पर विश्वास करती है। दुनिया अब भारत के साथ मिलकर सेमीकंडक्टर का भविष्य बनाने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज जितनी तेजी से विकास हो रहा है, उससे हम सभी, उद्योगों में नई ऊर्जा का संचार हो रहा है।

▶10पर

सरकार ने विदेशियों की आमद के नियम सख्त किए

भारत नहीं आ पाएंगे अवैध गतिविधियों वाले विदेशी

नई दिल्ली, 02 सितंबर (एजेंसियां)। भारत सरकार ने देश में आने वाले विदेशियों के लिए नियम सख्त कर दिए हैं। इसके तहत गैरकानूनी गतिविधियों में लिप्त विदेशियों के भारत आने पर रोक लगा दी गई है। इसके साथ ही राज्यों को भी निर्देश दिया गया है कि वे ऐसे लोगों को रखने के लिए डिटेंशन कैंप बनाएं।भारत सरकार ने विदेशी नागरिकों के प्रवेश और ठहरने को लेकर सख्त प्रावधान लागू कर दिए हैं। गृह मंत्रालय ने आदेश जारी कर कहा है कि अब ऐसे विदेशी नागरिक जिन्हें राष्ट्रविरोधी गतिविधियों, जासूसी, दुष्कर्म, हत्या, आतंकवादी कृत्यों, बाल तस्करी या किसी प्रतिबंधित संगठन की सदस्यता जैसे गंभीर अपराधों में दोषी पाया गया है, उन्हें भारत में प्रवेश या ठहरने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

▶10पर

सुप्रीम कोर्ट ने जाहिर किया महत्वपूर्ण मंतव्य

अल्पसंख्यक संस्थाओं पर भी लागू होगा आरटीई

नई दिल्ली, 02 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार देने वाला कानून (आरटीई एक्ट, 2009) सभी अल्पसंख्यक संस्थानों पर लागू होना चाहिए, चाहे वे सरकारी सहायता प्राप्त हों या न हों। सुप्रीम कोर्ट ने 2014 के संविधान पीठ के उस फैसले पर दोबारा विचार करने की जरूरत बताई, जिसमें ऐसे संस्थानों को इस कानून से पूरी तरह छूट दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अब इस पर पुनर्विचार लगभग टाला नहीं जा सकता।

साल 2014 में प्रमाती एजुकेशनल एंड कल्चरल ट्रस्ट बनाम भारत संघ मामले में सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की पीठ ने कहा था कि आरटीई एक्ट को अल्पसंख्यक स्कूलों

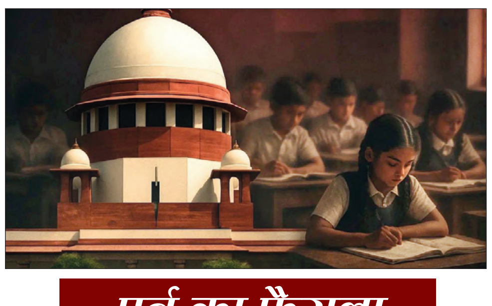

पूर्व का फैसला बदलेगा सुप्रीम कोर्ट

(जो अनुच्छेद 30 (1) के तहत आते हैं और जिन्हें धार्मिक तथा भाषाई अल्पसंख्यकों को अपनी पसंद के शैक्षणिक संस्थान स्थापित और चलाने का अधिकार देता है), चाहे वे सहायता प्राप्त हों या न हों, पर लागू करना संविधान के खिलाफ है। सोमवार को जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने 2014 के फैसले पर विचार किया। यह मामला कई अपीलों से जुड़ा था, जिनमें सवाल उठाया गया था कि क्या टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (टीईटी) अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों पर लागू होता है या नहीं। बेंच ने कहा, हमें इस पर गंभीर संदेह है कि क्या प्रमाती एजुकेशनल एंड कल्चरल ट्रस्ट (फैसला) सही था, जिसने अनुच्छेद 30 (1) के तहत आने वाले अल्पसंख्यक संस्थानों को आरटीई एक्ट से पूरी तरह छूट दे दी थी? बेंच ने निर्देश दिया कि इस मामले को मुख्य न्यायाधीश के पास भेजा जाए ताकि वे

▶10पर

बीआरएस की अनुशासन समिति का फैसला

एमएलसी के कविता बीआरएस से निलंबित

हैदराबाद, 02 सितंबर (एजेंसियां)। बीआरएस (भारत राष्ट्र समिति) की एमएलसी और तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता को मंगलवार दोपहर को पार्टी से निलंबित कर दिया गया। यह फैसला के. कविता द्वारा तेलंगाना के पूर्व मंत्री टी. हरीश राव और बीआरएस राज्यसभा सांसद संतोष कुमार के खिलाफ आपत्तिजनक बयान दिए जाने के बाद लिया गया। कुछ अर्सा पहले के कविता ने बिना नाम लिए अपने भाई केटीआर पर भी निशाना साधा था। बीआरएस की अनुशासन समिति (जिसके अध्यक्ष सोमा भारत कुमार और टी. रविंदर राव हैं) की ओर से जारी नोटिस में कहा गया है कि हाल के दिनों में कविता के आचरण और पार्टी-विरोधी गतिविधियों से पार्टी को नुकसान हुआ है। नोटिस में लिखा है, पार्टी नेतृत्व ने इस मुद्दे को गंभीरता से लिया है।

▶10पर

शिक्षकों के नौकरी में बने रहने के लिए टीईटी जरूरी

नई दिल्ली, 02 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश जारी किया कि जिन शिक्षकों की सेवा अवधि पांच वर्ष से कम शेष है, उन्हें टीईटी उत्तीर्ण किए बिना सेवा जारी रखने की अनुमति दी जाएगी। हालांकि, प्रोन्नति के लिए उन्हें टीईटी उत्तीर्ण करना होगा। इसमें विफल रहने पर सेवा छोड़नी होगी या अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त होना होगा व सेवांत लाभ का भुगतान करना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि शिक्षण सेवा में बने रहने या पदोन्नति पाने के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य है। शीर्ष कोर्ट ने टीईटी की अनिवार्यता से जुड़े कानून के लागू होने

▶10पर

अमेरिकी टैरिफ और दबाव का भारत पर कोई असर नहीं

रूस से कच्चा तेल खरीद कर हुई 1,05,000 करोड़ की बचत

नई दिल्ली, 02 सितंबर (एजेंसियां)। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में रूस से कच्चा तेल खरीदना काफी बढ़ा दिया है और इसका सीधा फायदा भारतीय रिफाइनरियों और देश की तेल खरीद पर पड़ा है। 2022-23 से लेकर अब तक भारत ने रूसी तेल से कम से कम 12.6 बिलियन डॉलर (1.046 लाख करोड़ रुपए) की बचत की है। यह बचत केवल रूसी तेल की कीमतों में मिलने वाली छूट से ही नहीं, बल्कि इस बात से भी जुड़ी है कि अगर भारत ने रूस से तेल नहीं खरीदा होता, तो वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें और अधिक बढ़ जातीं और देश का तेल आयात बिल और भारी हो जाता।

शुरू में रूसी तेल पर मिलने वाली छूट काफी अधिक थी, जो 2022-23 में लगभग 13.6 प्रतिशत थी और इसने भारत को 4.87 अरब डॉलर (40,421 करोड़ रुपए) की बचत करने में मदद की। हालांकि समय के साथ यह छूट कम हुई और वित्त वर्ष 2024-25 में यह केवल 2.8 प्रतिशत रह गई। इसके बावजूद यह भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित

रिफाइनरियों को मिला फायदा और तेल कीमतें रहीं काबू में

हुई। रूसी तेल की खरीद का भारत में सबसे बड़ा फायदा रिफाइनरी कंपनियों को हुआ, जिसे सस्ते कच्चे तेल मिले। 2023-24 में रूस से तेल की मात्रा 373 मिलियन बैरल (59.3 बिलियन लीटर) से बढ़कर 609 मिलियन बैरल (96.83 बिलियन लीटर) हो गई, जिससे बचत भी बढ़ी और कुल 5.41 अरब डॉलर (44,903 करोड़ रुपए) की बचत दर्ज हुई।

इस दौरान रूसी तेल की औसत पहुंच मूल्य 76.39 डॉलर (6,340 रुपए) प्रति बैरल रही, जबकि अन्य आपूर्तिकर्ताओं से तेल की औसत पहुंच मूल्य 8.89 डॉलर (738 रुपए) अधिक थी। 2024-25 में छूट घटने के बावजूद, भारत की रिफाइनरियों ने रूसी तेल खरीदना जारी रखा, क्योंकि यह आर्थिक दृष्टि से फायदेमंद था। वास्तविक लाभ केवल कीमत में छूट तक सीमित नहीं है, भारत की तेजी से बढ़ती मांग ने वैश्विक तेल की कीमतों को नियंत्रण में रखने में मदद की, जिससे तेल पर देश का कुल खर्च कम हुआ।

इस पूरे मुद्दे में अमेरिकी दबाव भी एक अहम पहलू है। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने रूस से तेल आयात पर भारत को दबाव में लाने के लिए अतिरिक्त टैरिफ लगाए। अगस्त में ट्रंप ने भारतीय आयात पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ की घोषणा की, जिससे कुल टैरिफ 50 प्रतिशत तक पहुंच गया।

▶10पर

एसआईआर पर आपत्तियां नामांकन तक जारी रहेंगी

नई दिल्ली, 02 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) मामले में सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा है कि मतदाता सूची को लेकर दावे और आपत्तियां तय समय सीमा (एक सितंबर) के बाद भी दाखिल की जा सकती हैं। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने स्पष्ट किया कि समय सीमा को औपचारिक रूप से बढ़ाने का आदेश पारित नहीं होगा, लेकिन नामांकन की अंतिम तिथि तक दाखिल आपत्तियों पर विचार किया जा सकता है।

▶10पर

चम्पाश्रीजी की 38वीं पुण्यतिथि मनाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में पूज्य गुरुदेव मलयप्रभ सागर जी एवं पूज्य साध्वी जी हर्षपूर्णा श्री जी की निश्रा में जिनशासन की महान् साध्वी जी चम्पा श्री जी की 38वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस निमित्त गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया। पूज्य गुरुदेव मलयप्रभ सागर जी ने साध्वी वर्याओं से गुरुवर्या श्री जी के जीवन पर एक ग्रंथ के निर्माण करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि उनकी वाणी में एक महान विशेषता थी कि सरल एवं मधूर भाषा में जो कुछ कहती वह वाणी सामने वाले व्यक्ति के हृदय को छू जाती, सबके दिल पर जादूसा असर कर देती थी, इनका कारण यही था कि करणी और कथनी में अन्तर नही था। पूज्य साध्वी हर्षपूर्णा श्री जी ने संस्मरण सुनाते हुए कहा कि दर्शनार्थ आने वाले दर्शकों के साथ धर्म चर्चा एवं त्याग की ही बात करते,

मांगलिक सुनाते समय भी मानों सिंह गर्जना कर रहा हो। सागर से गंभीर होते हुए भी उनके चेहरे पर मंद मंद मुस्कान झलकती। सम्पन्न गोल प्रफुल्ल चेहरा, तपत्याग संयम की अनूठी प्रभा, सरलता व ज्ञान की गरिमा युक्त तेजस्वी नयन थे। ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आप एक महान प्रतिभाशाली आत्मा थी। जिनके अप्रमत्त जीवन में अलौकिक तेज था। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने कहा कि प्रतिदिन आपका जीवन अरिहंत जाप में ही बीतता, न कभी समय को फिजुल बर्बाद किया, वाणी भी इतनी मधूर एवं जोशिली थी मानों मेघ गर्ज रहा हो। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने संचालन करते हुए कहा कि यह उनकी वाणी थी सत्य में ही सौरभ है। आलस, प्रमाद, मोह उन्हें देखकर दूर से ही नौ दो ग्यारह हो जाते। दिन में कभी सोए नहीं, न कभी खुल्ले मुंह बोले, हमेशा जयणा का पालन करते। कार्यक्रम के प्रारम्भ में अध्यक्ष तेजराज मालानी, महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष रनजीत ललवानी, पूर्व अध्यक्ष महैन्द्र कुमार रांका, राजेन्द्र गुलेच्छा, गौतम बाफना ने गुरुवर्या जी के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन किया। मनीष धारीवाल, पवनी बाफना, यशोदा गुलेच्छा ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि जो उनकी जिह्वा पर था वही उनका जीवन था इसलिए उनके उद्गार श्रोता के हृदय पर अमिट प्रभाव छोड देते, विशाल भक्तों एवं शिष्याओं के बीच रहती हुई व्यवहार को पूर्ण रूप से निभाती हुई सबसे अलग ही थी। जैसा इनका नाम था वैसे ही गुण थे। जन्मनाम चंदाबाई था। चंदा याने शशि चंद्र आदि। चंद्र में दो गुण होते हैं शीतलता एवं प्रकाश। चन्द्र जगत् वासियों को शीतलता एवं प्रकाश देता है वैसे ही आपने अपने अलौकिक जीवन का प्रकाश विश्व में फैलाया। आपने पुण्यश्री जी महाराज साहब के पास दीक्षा ग्रहण की और 85 वर्ष का सुधीर्घ दीक्षा पर्याय पाला। इन 85 वर्षों में गुरुवर्या जी ने 12 दीक्षाएं प्रदान की। बसवनगुडी में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी हर्षपूर्णा जी को भी आपने ही दीक्षा प्रदान की। 38वीं पुण्यतिथि के अवसर पर गुरुवर्या जी ने 38 सदस्यों को उपहार प्रदान करके 38 दिनों के नियम प्रदान किए।

ग्रीनेज गौ सेवा समिति द्वारा गौ सेवा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पहले हमारे प्राचीन संस्कारों के अनुरूप अपने घरों से गौ माता के लिए रोटियां दी जाती थी। परंतु समय के साथ हर जगह गायों का मिलना बंद हो गया। जिसके चलते हमारे घरों की महिलाएं चाहते हुए भी गौ माता को रोटियां देकर भी सेवा नहीं कर पाती। इसलिए गौमाता को रोटियां खिलाने के हमारे प्राचीन संस्कार लुप्त होते जा रहे हैं। सतवा ग्रीनेज गौ सेवा समिति बोम्मनाहली द्वारा लुप्त होते संस्कार को बचाने और गौ माता की सेवा के लिए एक बहुत ही बड़ा और प्रसंसनीय कदम उठाया हुआ है। इस संस्था के सदस्य मनीष मेहनसरिया, देवेंद्र जायसवाल, ओमप्रकाश वर्मा, प्रकाश झुनझुनवाला, सुरेश कावंटीया ने बताया कि हमारे कार्यकर्ता सोसायटी के घर-घर जा कर रोज एक रोटी गौ माता के नाम पर लेते हैं। ग्रीनेज

सोसायटी के अलावा टेंपल ट्री सोसायटी से भी रोटियां एकत्रित की जा रही है। प्रतिदिन 350 से 400 रोटियां गौशाला में गौमाता को खिला के सेवा कार्य किया जा रहा है। प्रत्येक रविवार को कुछ गौभक्त, नारी शक्ति, युवा शक्ति और बच्चे भी गौ सेवा के लिए हम लोगों के साथ गौशाला में गौ सेवा कर रहे हैं। अपने परिवार के विशेष अवसर जैसे जन्मदिन, सालगिरह, पूर्वजों की पुण्यतिथि आदि पर भी गौसेवा करने के प्रति उत्सुकता दिख रही है। इस कार्यक्रम से लोगों का गौ माता के प्रति लगाव और हमारे प्राचीन संस्कार के प्रति जागरूकता बढ़ रही हैं। रोज एक रोटी गौ माता के लिए कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए ग्रीनेज सोसायटी एवं टेंपल ट्री सोसायटी के सभी सदस्य, नारी शक्ति, युवा शक्ति, बच्चे और सभी कार्यकर्ताओं का सहयोग मिल रहा है।

जीतो जेवर एक्सपो एवं द ब्राइडल स्टोरी के लिए राज्यसभा सदस्य को किया आमंत्रित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर, जीतो एपेक्स-महिला विंग एवं जीतो-केकेजी जोन के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 5, 6 और 7 सितम्बर को त्रिपुरा वासिनी, पैलेस ग्राउंड्स, बेंगलूरु में जीतो जेवर एक्सपो और द ब्राइडल स्टोरी का भव्य आयोजन होने जा रहा है।

इस आयोजन में गौरव मय उपस्थिति हेतु जीतो के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यसभा सदस्य लहर सिंह सिरोया से भेंट कर उन्हें आमंत्रित किया। लहर सिंह ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जीतो का यह प्रयास समाज और उद्योग जगत दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। ज्वेलरी और विवाह उद्योग से जुड़ा यह एक्सपो उद्यमियों के लिए नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करेगा और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य करेगा। ऐसे आयोजनों से कर्नाटक की पहचान और भी

मजबूत होगी और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के अध्यक्ष विमल कटारिया ने कहा कि लहरसिंह सिरोया जैसे अनुभवी और समाजसेवी व्यक्तित्व का आशीर्वाद व मार्गदर्शन हमारे लिए गौरव का विषय है। उनकी उपस्थिति इस एक्सपो को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएगी और हमें समाज व व्यापार जगत के लिए और अधिक प्रभावशाली कार्य करने की प्रेरणा देगी। इस आमंत्रण प्रक्रिया में जीतो बेंगलूरु नॉर्थ की टीम से प्रितेश जैन (सचिव), सुरेश गन्ना (कन्वीनर), संजीव गन्ना (सह-कन्वीनर), राकेश पोखरना (मैनेजिंग कमेटी सदस्य), प्रवीण गन्ना, प्रमोद भंडारी (सदस्य) एवं अन्य पदाधिकारियों ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

संसार में कुछ भी नित्य नहीं दिखाई देता सभी पदार्थ क्षणभंगुर: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने बारह भावना अंतर्गत प्रथम अनित्य भावना का महत्व समझाते हुए कहा कि संसार में कुछ भी नित्य नहीं दिखाई देता सभी पदार्थ क्षणभंगुर हैं। जिस शरीर के साथ हम चल रहे हैं, जो भी हम देख रहे हैं, कोई भी पद या प्रतिष्ठा हमें प्राप्त होती है, ये कभी भी हमेशा रहने वाले नहीं।

अनित्य भावना जैन धर्म की बारह भावनाओं (चिंतन) में से पहली भावना है, जिसका अर्थ है 'अस्थायी' या 'क्षणभंगुर। इस भावना के द्वारा संसार की सभी वस्तुओं, रिश्तों, शरीर, और सुख-दुख को अस्थायी और नश्वर मानकर उनके प्रति अनासक्ति विकसित की जाती है। इसका

अभ्यास आत्मा की शाश्वतता और संसार की अनित्यता को समझने में मदद करता है, जिससे व्यक्ति वैराग्य की ओर बढ़ता है और कर्म बंधनों से मुक्त होकर मोक्ष की ओर अग्रसर होता है। अनित्य का अर्थ है अस्थायी जो स्थिर न हो जो बदलता रहे भावना का अर्थ है चिंतन या ध्यान। यह चिंतन हमें सिखाता है कि संसार में कुछ भी स्थायी नहीं है। जीवन, शरीर, धन, परिवार, रिश्ते, और यहाँ तक कि पद-प्रतिष्ठा भी एक दिन समाप्त हो जाएँगे। इस नश्वरता को स्वीकार करके भौतिक वस्तुओं से आसक्ति अटैचमेंट कम करना, राग-द्वेष से बचना और आत्मा की वास्तविक प्रकृति को समझना। साध्वी भव्यगुणा ने कहा कि संसार की अस्थिरता का ज्ञान व्यक्ति को मोह माया से दूर रहने और सांसारिक सुखों से वैराग्य अपनाने में मदद करता है। यह भावना हमें सिखाती है कि जिन वस्तुओं और रिश्तों के प्रति हम लगाव रखते हैं, वे एक दिन हमारा साथ छोड़ ही देंगे, इसलिए उनमें अत्यधिक मोह नहीं रखना चाहिए। संसार की अनित्य प्रकृति के चिंतन से आत्मा की शाश्वतता और उसके वास्तविक स्वरूप का ज्ञान होता है। आसक्ति कर्म बंधन का एक प्रमुख कारण है, और अनित्य भावना का अभ्यास आसक्ति को कम करके मोक्ष के मार्ग पर आगे बढ़ने में सहायक होता है। अपने शरीर, धन, परिवार आदि को नश्वर और क्षणभंगुर मानकर बार-बार चिंतन करना। तात्कालिक समस्याओं या घटनाओं को उनके भावनात्मक संदर्भ से अलग करके देखना, जिससे उनका प्रभाव कम महसूस हो और जीवन के व्यापक परिप्रेक्ष्य का एहसास हो। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि जीवन की क्षणभंगुरता और अस्थिरता पर एक गहरा दार्शनिक विचार है, जिसे अनित्य भावना कहते हैं। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ सचिव महावीर संघवी ने बताया कि साध्वीवृंद श्रीसंघ सहित बुधवार को सुबह नव बजे पगलिया करने देवीचंद ओटमल परिवार के विजयलक्ष्मी रोड स्थित दुकान शंखेश्वर सिल्वर पर पधारेंगे।

कर्मों की निर्जरा करने का सबसे अच्छा माध्यम है संयम: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि अहिंसा, संयम और तप करने वालों को देवता भी पूजते हैं। जहां यह तीन कर्तव्य होता है वहीं धर्म होता है। संयमी के समान संसार में कोई सुखी नहीं है। संयम बहुत सुखकारी है इसको पाल सको तो पाल लो। यह कर्मों के बंध को तत्काल खत्म कर देता है। संयम से मनुष्य का कल्याण संभव है। जिन आज्ञा के अनुसार संयम बहुत सुखकारी है। जिसके जीवन में संयम है उसके जीवन से मोह माया अपने आप ही दूर हो जाता है। संयम से बड़ा सुखकारी कुछ भी नहीं होता है। एक बार मनुष्य के

जीवन में अगर संयम आ जाए तो उसका जीवन अपने आप ही कल्याण के मार्ग पर बढ़ने लगता हैं। कर्मों की निर्जरा करने का सबसे अच्छा माध्यम संयम हैं। जिस मनुष्य के जीवन में संयम नहीं होता है उसका धर्म ध्यान करना बेकार है। संत कितना ही भूखा हो, कितना ही यात्रा किया हो, लेकिन कभी किसी के सामने रोता नहीं है। जब भी लेता है अपने तरीके से ही लेता है। राजा हो या कोई और हो संतों के सामने प्रणाम करता है। संत बहुत ही सहनशील होता है। कोई बोले तो राजी कोई न बोले तो भी राजी। संत हर माहौल में शांत रहता है। जब एक बार संयम के मार्ग पर बढ़ जाओगे तो किसी से कोई मतलब ही नहीं होगा। सांसारिक मोह माया से भी दूर हो जाओगे। लोग आयेंगे और जाएंगे। दुनिया आनी जानी है। थोड़े दिन की ही जिंदगी है।

इसलिए अभिमान में नहीं जीना चाहिए। संसार से एक दिन चले जाना है। संसार के संत हो या भगवंत हो सभी को एक दिन चले जाना है। इससे मनुष्य को प्रेरणा लेनी चाहिए। संसार के सभी जीव दुखी हैं। सभी को कोई न कोई समस्या जरूर है। लेकिन सच्चा संत सदा सुखी होता है। मिला तो भी राजी नहीं मिला तो भी राजी होता है। यह सिर्फ संयम के माध्यम से ही संभव है। निज पर शासन फिर अनुशासन करो। पहले मनुष्य को अपनी इंद्रियों पर नियंत्रण करना चाहिए। इंद्रियों पर नियंत्रण के बाद सभी रास्ते आसान हो जाते हैं। भगवान ने शरीर दिया है तो इसका सही उपयोग कर लेना चाहिए। हाथ मिला है तो दान करो, पैर मिला है तो धर्म कार्यों में लगो। इस अनमोल भव में आकर गलत काम करने के बजाय तीर्थ, दान, धर्म ध्यान करके जीवन को सफल कर लेना चाहिए। जो मानव इन मार्गों पर चलेगा उसका जीवन सफल हो जाएगा। श्री संस्कार महिला मंडल अशोक नगर की रसीला बाई मरलेचा समेत अन्य महिला पदाधिकारियों ने गुरुदर्शन किए। इस मौके पर सोहनराज पालरेचा और गौतमचंद संचेती समेत अन्य लोग भी मौजूद रहे। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।

सिंघी एसडीएम डेंटल कॉलेज की अकादमिक गवर्निंग कमेटी में मनोनीत

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

धर्माधिकारी डॉ. डी. वीरेंद्र हेगड़े के नेतृत्व में संचालित एशिया के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में से एक एसडीएम डेंटल और साइंस कॉलेज की अकादमिक गवर्निंग कमेटी में समाजसेवी एवं संस्कार सीबीएसई स्कूल के संस्थापक अध्यक्ष महेन्द्र सिंघी को सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है। सिंघी की यह नियुक्ति शिक्षा के क्षेत्र में उनके दीर्घकालिक योगदान, प्रभावशाली नेतृत्व क्षमता तथा समाज में

सकारात्मक बदलाव के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को मान्यता प्रदान करती है। वे वर्षों से शिक्षा, समाजसेवा और नीति निर्माण से जुड़े कई सरकारी व गैर-सरकारी संस्थानों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। अपने मनोनयन पर प्रतिक्रिया देते हुए महेन्द्र सिंघी ने धर्माधिकारी डॉ. डी. वीरेंद्र हेगड़े, वाईस चांसलर डॉ. निरंजन कुमार और कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. बलराम नायक सहित एसडीएम संस्था के सभी पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा यह मेरे लिए सम्मान और जिम्मेदारी दोनों है। मैं संस्था के शैक्षणिक उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव योगदान देने के लिए तत्पर हूं।

राग और द्वेष दोनों ही बंधन हैं: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि राग और द्वेष दोनों ही बंधन है। राग को सोने की जंजीर कह सकते हैं तो द्वेष को रस्सी का फंदा कह सकते हैं। इन बंधनों से मुक्त हुए बिना शाश्वत सुख की अनुभूति नहीं हो सकती है। संसार की सुख सुविधाएं भी बंधन हैं। क्योंकि ये सुविधाएं भौतिक आकर्षण बन जाती हैं और आत्मा की प्रगति की बाधा बन जाती है। संसार के विषय विकार बहुत ही आकर्षक होते हैं। इसके बावजूद कुछ आत्माएं अपने को समय पर संभाल लेती हैं और तप आदि से विकारों पर नियंत्रण कर लेती हैं। घर में विपुल मात्रा में सुख सुविधा होने के बावजूद तप मार्ग को वे ही अपनाते हैं जिन्हें भव भ्रमण सीमित करना होता है। इस से पूर्व प्रवचन प्रारंभ करते हुए साध्वी श्री निपुणप्रभा जी ने कहा कि जीवन में सत्संग का बहुत महत्व है। सत्संग में जीव प्रभु की वाणी सुनता है और फिर चिंतन करता है कि मेरा उद्देश्य और मंजिल क्या है। बिना लक्ष्य के सारी भागदौड़ निरर्थक है। इस संसार पर कषायों का साम्राज्य है। कषाय की जाल में उलझ कर हम अपनी मंजिल को ही भूल जाते हैं। मनुष्य जन्म एक अवसर होता है। सुनहरा अवसर पाकर भी हम सही पुरुषार्थ नही कर रहे हैं। यह जिनवाणी हमे बार बार नहीं मिलने वाली है। प्रवचन सभा में सज्जन बाई लोढ़ा ने 8 और आशा बाई गुलेच्छा ने 26 उपवास के प्रत्याख्यान लिए। संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया।

आदर्श आकर्षण नामक अंतर-विद्यालय प्रतियोगिता आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एसआरएन आदर्श पीयू कॉलेज में मंगलवार को आदर्श आकर्षण नामक अंतर-विद्यालय प्रतियोगिता आयोजित की गई। एजीआई की समन्वयक मालती ने औपचारिक समारोह की अध्यक्षता की। प्रधानाचार्य डॉ. एस. प्रशांत उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलित कर किया गया। मालती ने प्रतिभागियों को संबोधित किया और उनका

उत्साहवर्धन किया। उन्होंने उन्हें विभिन्न पुरस्कारों और उपहार कूपनों के बारे में बताया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ दीं। प्रधानाचार्य डॉ. एस. प्रशांत ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया। उन्होंने सभा को संबोधित किया और 'आदर्श आकर्षण' जैसे उत्सवों में भाग लेने के लाभों के बारे में बताया। उन्होंने उनके प्रयासों में अपार सफलता की कामना भी की। दिव्या ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए सभी का आभार जताया। सभी कर्मचारी, प्रतिभागी और स्वयंसेवक उपस्थित थे। हाई स्कूल के छात्रों के लिए कई सांस्कृतिक और खेलकूद कार्यक्रम आयोजित किए गए। लगभग 450 छात्रों ने उत्साहपूर्वक इस उत्सव में भाग लिया और कई पुरस्कार जीते। प्राचार्य डॉ. एस. प्रशांत के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में यह उत्सव सफल हुई।

धर्मस्थल में भाजपा के विरोध प्रदर्शन के लिए पैसा कहां से आ रहा है? : सीएम

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गंभीर आरोप लगाया है कि धर्मस्थल यात्रा समेत भाजपा द्वारा की जा रही सभी गतिविधियों को बाहर से धन मिल रहा है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने सवाल किया कि इन सभी गतिविधियों के लिए भाजपा को धन कौन दे रहा है? पैसा कहाँ से आ रहा है? हर चीज का राजनीतिकरण करना ठीक नहीं है।

विपक्षी दलों द्वारा हर चीज की आलोचना करना और उसका राजनीतिक इस्तेमाल करना ठीक नहीं है। उन्होंने इस बात पर असंतोष व्यक्त किया कि भाजपा राजनीति के लिए ऐसा कर रही है। क्या आपको नहीं पता कि सौजन्या मामले में किसे आरोपी बनाया जा रहा है? भाजपा किसके पक्ष में है? एक तरफ वे कहते हैं कि वे धर्मस्थल के वीरेंद्र हेगड़े के साथ हैं, दूसरी तरफ वे कहते हैं कि सौजन्या मामले की जाँच होनी चाहिए। सीबीआई केंद्र सरकार के अधीन है। मैंने सीबीआई की रिपोर्ट के आधार पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिया गया फैसला नहीं देखा है। सौजन्या की माँ को फैसले को चुनौती देने के लिए याचिका दायर करनी चाहिए। एक तरफ भाजपा वीरेंद्र हेगड़े का समर्थन कर रही है, वहीं दूसरी तरफ सौजन्या मामले को भी उठा रही है। वह महिला, जो अब गवाही दे रही है कि उसने 12 साल पहले सौजन्या के अपहरण को देखा था, उसने सीबीआई जाँच के दौरान इस मामले का खुलासा क्यों नहीं किया? सिद्धरामैया ने कहा कि सबूत छिपाना भी एक अपराध है। भाजपा द्वारा धर्मस्थल तक आयोजित की जा रही रैली कोई धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि एक राजनीतिक यात्रा है। एसआईटी जाँच पहले से ही चल रही है। भाजपा को हमारी पुलिस पर भरोसा नहीं है। वे एनआईए जाँच की माँग कर रहे हैं। क्या हमारी पुलिस को जाँच नहीं करनी चाहिए? शुरुआत में, भाजपा ने जाँच की माँग नहीं की थी। धर्मस्थल में शव न मिलने के बाद वे जाँच की माँग कर रहे हैं। धर्मस्थल के धर्माधिकारी वीरेंद्र हेगड़े ने स्वयं जाँच का स्वागत किया है। जिस व्यक्ति के खिलाफ शिकायत की गई है, उसकी जाँच होनी चाहिए ताकि लोगों को सच्चाई पता चले। वे कह रहे हैं कि हमारे खिलाफ संदेह दूर होने चाहिए। जाँच उसी के अनुसार चल रही है। हम हस्तक्षेप नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जाँच स्वतंत्र रूप से चल रही है। सच सामने आने दीजिए। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और विपक्ष के नेता आर. अशोक, जिन्होंने कहा कि चिन्नैया को कांग्रेस ने लाया था, गंभीर बयान नहीं हैं। अशोक और वी. सुनील कुमार ने विधानसभा में हुई बहस में जो कहा, उसके रिकॉर्ड मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि अगर वे असत्य पर बहस करेंगे, तो उनका इसी तरह मजाक उड़ाया जाएगा। मुझे नहीं पता कि बानू मुस्ताक ने हल्दी और केसर के बारे में कुछ कहा या नहीं। वह अलग बात है। अगर उन्हें कन्नड़ से प्यार नहीं है, तो क्या वे उस भाषा में लिख सकती हैं? क्या उनकी लिखी किताब को बुकर पुरस्कार नहीं मिला? बानू मुस्ताक एक मुस्लिम महिला हैं। दशहरा एक त्योहार है। भगवा लगाने की परंपरा उनके धर्म में नहीं है। सिद्धरामैया ने कहा कि धार्मिक नेताओं ने स्पष्ट कर दिया है कि बानू मुस्ताक के खिलाफ कोई बयान जारी नहीं किया जाएगा।

धर्मस्थल खोपड़ी मामले में एसआईटी ने जांच तेज की, चिन्नैया से जुड़े होटल रिकॉर्ड जब्त किए

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विशेष जाँच दल (एसआईटी) ने धर्मस्थल खोपड़ी मामले में अपनी दूसरे चरण की जाँच तेज कर दी है, और मुख्य आरोपी चिन्नैया की गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित किया है। सोमवार की शाम, एसआईटी ने उजीरे से लगभग 1.5 किलोमीटर दूर एक होटल पर छापा मारा, जहाँ माना जाता है कि चिन्नैया छह महीने पहले रुके थे।

अधिकारियों ने कमरे के रजिस्टर की जाँच की और सीसीटीवी फुटेज जब्त किए। रिकॉर्ड से पता चलता है कि चिन्नैया ने होटल में एक दिन बिताया था और मट्टनवर, जयंत टी और विट्ठल गौड़ा के साथ बातचीत की थी। एसआईटी ने आगे की जाँच के लिए होटल के रिकॉर्ड सील कर दिए हैं और उस दौरान चिन्नैया की गतिविधियों का क्रमवार पता लगा रही है, जिसमें महेश शेट्टी के आवास पर उनका बाद में रुकना भी शामिल है। सूत्रों का कहना है कि चिन्नैया होटल में बने रहने पर पोल खुलने के डर से वहाँ चले गए थे। एसआईटी पहले ही बेंगलूरु में महेश शेट्टी, उनके भाई और जयंत टी के घरों की तलाशी ले चुकी है और कई दस्तावेज जब्त किए हैं। जाँचकर्ता अब मामले की पूरी जानकारी जुटाने के लिए इन अभिलेखों को जोड़ रहे हैं। चूँकि चिन्नैया की पुलिस हिरासत 3 सितंबर को समाप्त हो रही है, इसलिए उसे अदालत में पेश किया जाएगा। एसआईटी द्वारा अब तक की प्रगति का विवरण प्रस्तुत करने की उम्मीद है और आगे की पूछताछ के लिए हिरासत अवधि बढ़ाने की माँग की जा सकती है। एसआईटी यह भी जाँच कर रही है कि क्या आरोपियों ने लगभग एक साल पहले अपराध के लिए स्थानों की पहचान कर ली थी। महेश शेट्टी, गिरीश मट्टनवर और जयंत टी के स्वीकारोक्ति के आधार पर, जाँचकर्ताओं को संदेह है कि चिन्नैया को रात में जंगल में दफनाने के लिए जगह तलाशने के लिए लाया गया था। माना जा रहा है कि आरोपियों ने उन जगहों को याद रखने के लिए पेड़ों और अन्य चिन्हों का इस्तेमाल किया था। पूछताछ के दौरान, एसआईटी टीमों ने चिन्नैया से इन स्थानों के बारे में बार-बार पूछताछ की।

पवित्रा गौड़ा की जमानत याचिका खारिज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

चित्रदुर्ग के रेणुकास्वामी हत्याकांड की मुख्य आरोपी पवित्रा गौड़ा द्वारा अपनी बेटी की देखभाल के लिए दायर जमानत याचिका को 57वें सत्र न्यायालय ने खारिज कर दिया है। पवित्रा गौड़ा ने अपनी पढ़ाई कर रही बेटी की देखभाल के लिए मानवीय आधार पर जमानत की मांग करते हुए अदालत का रुख किया था। न्यायाधीश आईपी नायक ने याचिका पर सुनवाई की और उसे खारिज कर दिया। हालाँकि, पवित्रा गौड़ा के पास चौदह दिनों के बाद फिर से जमानत याचिका दायर करने का अवसर है। रेणुकास्वामी हत्याकांड में सुप्रीम कोर्ट द्वारा सात आरोपियों की जमानत खारिज किए जाने के बाद, दर्शन और पवित्रा गौड़ा सहित सात आरोपी बेंगलूरु की परप्पना अग्रहारा जेल में न्यायिक हिरासत में हैं। मामले में नंबर एक आरोपी पवित्रा गौड़ा ने हाल ही में जमानत के लिए एक याचिका दायर की थी।

ईडी ने धर्मस्थल के खिलाफ षड्यंत्र का मामला दर्ज किया!

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन संदेहों के बीच दखल दिया है कि गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) को श्रीक्षेत्र धर्मस्थल के खिलाफ साजिश रचने के लिए विदेशों से धन प्राप्त हुआ है, जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में रहा है।

ईडी ने पाया है कि कर्नाटक सहित देश के कुछ प्रमुख एनजीओ को धर्मस्थल के खिलाफ साजिश रचने के लिए विदेशों से भारी मात्रा में धन प्राप्त हुआ है। अब पता चला है कि ईडी राज्य के कुछ एनजीओ, जिनमें मानवाधिकार और महिलाओं के लिए लड़ने वाले एनजीओ भी शामिल हैं, के धन लेनदेन के संबंध में नोटिस जारी करने की तैयारी में है। धर्मस्थल के खिलाफ एनजीओ में धन जमा होने की स्पष्ट जानकारी के मद्देनजर, निदेशालय ने सच्चाई का पता लगाने के लिए राज्य के चार से अधिक एनजीओ को नोटिस जारी करने का फैसला किया है। ऐसा कहा जा रहा है कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई), आईसीआईसीआई सहित कुछ प्रतिष्ठित बैंकों के खातों में विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) का उल्लंघन करते हुए दान के रूप में धन प्राप्त हुआ था। एक निजी यूट्यूबर ने धर्मस्थल मामले को अल जजीरा और बीबीसी उर्दू चैनलों को मोटी रकम में बेच दिया था। ये दोनों अंतरराष्ट्रीय चैनल समाचार चैनल थे और धर्मस्थल की छवि धूमिल हुई थी। पता चला है कि मामले का मुख्य आरोपी चिन्नैया, जो वर्तमान में विशेष जाँच दल (एसआईटी) की हिरासत में है, ने पूछताछ के दौरान खुलासा किया है कि उसे किसने पैसों का लालच दिया था, जैसा कि उसने बताया था। उसने दक्षिण कन्नड़ पुलिस अधीक्षक के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उसने पिछले कई वर्षों में धर्मस्थल के आसपास सैकड़ों शवों को दफनाया है। शिकायत के आधार पर, धर्मस्थल के आसपास कई दिनों तक खुदाई की गई, लेकिन कोई शव नहीं मिला। एसआईटी ने यह पता चलने के बाद गिरफ्तारियाँ कीं कि यह धार्मिक स्थल के खिलाफ एक साजिश थी। चूँकि गिरफ्तारियों के बाद कई विस्फोटक जानकारियाँ सामने आ रही हैं, इसलिए ईडी मामले की जाँच के लिए मैदान में उतर आया है। अगर यह पाया जाता है कि फेमा अधिनियम का उल्लंघन करके दान प्राप्त किया गया था, तो एनजीओ को कानूनी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। इसके अलावा, इस संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि इस मामले में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए आगे आए कुछ लोगों को भी जांच का सामना करना पड़ेगा।

कांग्रेस विधायक वीरेंद्र के घर पर ईडी का फिर छापा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

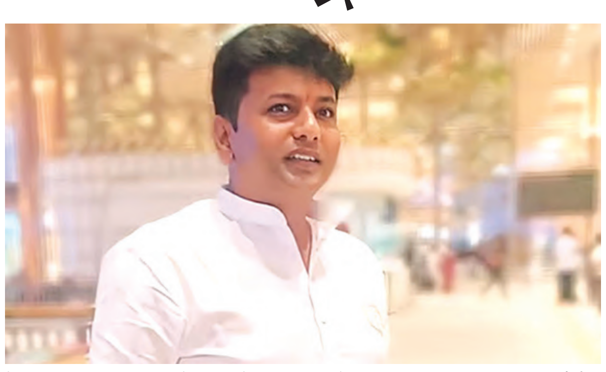

ऑनलाइन सट्टेबाजी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में मौजूद कांग्रेस विधायक वीरेंद्र पप्पी के घरों पर फिर से छापेमारी हुई है।

चित्रदुर्ग और चल्लकेरे स्थित दोनों भाइयों के आवासों और कार्यालयों पर छापेमारी करने वाले ईडी अधिकारियों ने मामले से जुड़े कुछ दस्तावेज जब्त किए हैं। पता चला है कि पिछली छापेमारी के दौरान वीरेंद्र पप्पी की चार महंगी लग्जरी कारों के बारे में जानकारी मिली थी। सीआईएसएफ सुरक्षा के साथ एक साथ दो जगहों पर छापेमारी करने वाले अधिकारियों ने बताया कि करोड़ों रुपये की ये कारें कहाँ से आईं?

इन्हें किस साल खरीदा गया? क्या इन पर टैक्स चुकाया गया? उन्हें इसकी जानकारी मिल गई है। सूत्रों के अनुसार, ईडी की हिरासत में मौजूद इन चार कारों को किसी भी समय जब्त किया जा सकता है। 22 अगस्त को चित्रदुर्ग, चल्लकेरे, बेंगलूरु, गोवा, जोधपुर समेत 30 से ज्यादा जगहों पर वीरेंद्र पप्पी के कार्यालयों और आवासों पर छापेमारी की गई थी। छापेमारी के दौरान 12 करोड़ रुपये नकद, 6 करोड़ रुपये मूल्य के सोने के आभूषण और 10 किलो चांदी जब्त की गई, जबकि के.सी. वीरेंद्र पप्पी के 17 बैंक खाते और 2 बैंक लॉकर जब्त कर लिए गए।

छापे के दौरान, वीरेंद्र पप्पी सिक्किम की राजधानी गंगटोक के लिए रवाना हो गए थे। कोलकाता से ईडी अधिकारियों की एक टीम वहाँ गई, उन्हें गिरफ्तार किया और बेंगलूरु ले आई। वह फिलहाल ईडी की हिरासत में हैं। वीरेंद्र पप्पी के भाई के.सी. नागराज और उनके बेटे पृथ्वी एन. राज के घरों से संपत्ति से जुड़े कई दस्तावेज जब्त किए गए।

उनके अन्य सहयोगियों, भाई के.सी. थिप्पेस्वामी और पृथ्वी एन. राज पर दुबई से ऑनलाइन गेमिंग का कारोबार चलाने का आरोप है।

छापे के दौरान बरामद भारी मात्रा में नकदी और आभूषण मामले की गंभीरता को दर्शाते हैं। सट्टेबाजी रैकेट की आय का पता लगाने के लिए वीरेंद्र को गिरफ्तार किया गया था।

धर्मस्थल मामले को एनआईए को सौंपने की जरूरत नहीं: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि धर्मस्थल मामले की चल रही एसआईटी जाँच में कोई कमी नहीं है। इसलिए, मामले को एनआईए को सौंपने की कोई जरूरत नहीं है।

ऐसा लगता है कि भाजपा की मंशा एसआईटी जाँच में बाधा डालने की है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने कई मौकों पर स्पष्ट किया है कि धर्मस्थल मामले को एनआईए जाँच के लिए सौंपने की कोई जरूरत नहीं है।

उन्होंने भाजपा पर कई तरह से दबाव डालकर मामले का स्वरूप बदलने की कोशिश करने का आरोप लगाया। अगर प्रवर्तन निदेशालय फेमा और अन्य कानूनों के तहत जाँच शुरू करता है और धर्मस्थल के खिलाफ साजिश में एनजीओ के पैसे के इस्तेमाल की जाँच करता है, तो हमें कोई आपत्ति नहीं है। वे वित्तीय मामलों की जाँच करेंगे। एसआईटी अपनी जिम्मेदारी संभालेगी। जाँच नियम 164 के तहत न्यायाधीश के समक्ष दिए गए बयान तक सीमित है। धर्मस्थल के खिलाफ भाजपा की साजिश के बारे में उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के बयान के बारे में मुझे जानकारी नहीं है। उनके पास अलग जानकारी हो सकती है। एक जिम्मेदार मंत्री होने के नाते, मैं जाँच के दौरान कोई और बयान नहीं देना चाहता। ऐसा लगता है कि भाजपा जाँच में बाधा डालने की तरह-तरह की कोशिशें कर रही है। मैं सौजन्या मामले पर भाजपा के रुख पर कोई टिप्पणी नहीं करूँगा। उन्होंने कहा कि एसआईटी उस महिला के बयान पर भी गौर करेगी कि उसने सौजन्या के अपहरण को देखा था। एसआईटी प्रमुख प्रणब मोहंती ने उनसे मुलाकात की। लेकिन वह सिर्फ एसआईटी मामले पर चर्चा करने नहीं आएँगे। आंतरिक सुरक्षा के डीजीपी होने के नाते, सरकार ने उन्हें अलग-अलग जिम्मेदारियाँ दी हैं। उन्होंने कहा कि प्रणब मोहंती इसी पर चर्चा करने आए थे।

राजन्ना ने भाजपा में शामिल होने के लिए आवेदन किया है: विधायक बालकृष्ण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मगदी विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक एच.सी. बालकृष्ण ने कहा कि पूर्व मंत्री के.एन. राजन्ना ने भाजपा में शामिल होने के लिए आवेदन कर दिया है।

अगर उनकी जाँच की जाए, तो पता चल जाएगा कि उनकी किससे बातचीत चल रही है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर राज्य में कांग्रेस की सरकार नहीं होती, तो राजन्ना अब तक किसी और पार्टी में चले गए होते। राजन्ना कांग्रेस से एक कदम बाहर निकल चुके हैं। पार्टी छोड़ने से पहले, वे डी.के. शिवकुमार पर उल्लू बनाने की कोशिश कर रहे थे। राजन्ना को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने के पीछे डी.के. शिवकुमार की कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने कहा कि आलाकमान ने सीधी कार्रवाई की है। मंत्री रहते हुए राजन्ना का व्यवहार कैसा था? उनके शब्द और व्यवहार सबने देखा है। शब्दों ने घर को बर्बाद कर दिया। राजन्ना सत्ता से ऐसे गए जैसे चूल्हा लीक हो गया हो। उन्होंने कहा कि इसके लिए हमारे नेताओं को दोष देना ठीक नहीं है। राजन्ना पहले ही प्रभावशाली भाजपा नेताओं से बातचीत कर चुके हैं। दिल्ली स्तर पर भी चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि अगर जाँच की जाए, तो पता चल जाएगा कि वह किन लोगों के संपर्क में हैं। के.एन. राजन्ना ने सोमवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा था कि मैं किसी भी पार्टी में शामिल नहीं होऊँगा और कांग्रेस में ही रहूँगा। हालाँकि फिलहाल झूठ की जीत हुई है, लेकिन अंत में सच्चाई की ही जीत होगी। उन्होंने पहले कहा था कि तीन उपमुख्यमंत्री पदों के सृजन और हनी ट्रैप जैसे कई मुद्दों ने उनके खिलाफ काम किया है। इसके बाद, एच.सी. बालकृष्ण के इस बयान ने कि राजन्ना दलबदल के लिए तैयार हैं, लोगों में उत्सुकता पैदा कर दी है।

धर्मस्थल मामला: मोहंती ने गृह मंत्री से मुलाकात कर विभिन्न मुद्दों पर की चर्चा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। धर्मस्थल मामलों की जाँच कर रहे एसआईटी प्रमुख प्रणब मोहंती ने मंगलवार को गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर से मुलाकात की और उन्हें जानकारी दी। सुबह सदाशिवनगर स्थित उनके घर पहुँचे प्रणब मोहंती ने गृह मंत्री के साथ अब तक की जाँच का ब्यौरा साझा किया। गिरफ्तार आरोपी चिन्नैया से मिलने वाले लोगों और उनके बीच किस तरह की बातचीत हुई, इसकी जानकारी ली। आरोपी चिन्नैया कहाँ-कहाँ गया, उसे रिसॉर्ट और होटलों में किसने आर्थिक मदद की? वह अपने दैनिक खर्चों का प्रबंधन कैसे कर रहा है? एसआईटी ने सारी जानकारी एकत्र कर ली है।

बताया जा रहा है कि एसआईटी ने मामले की जड़ से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ जुटाई हैं और उन्हें गृह मंत्री के साथ साझा किया है। सूत्रों के अनुसार, आरोपी को आने वाले दिनों में केरल, तमिलनाडु, दिल्ली और अन्य जगहों पर ले जाया जाएगा और एसआईटी प्रमुख ने गृह मंत्री से इस संबंध में सहयोग करने का अनुरोध किया है। धर्मस्थल मामले में खुदाई के जरिए शवों की जाँच शुरू करने वाली एसआईटी ने अपना रुख बदल दिया है, क्योंकि आरोपियों के दावे के अनुसार वहाँ कंकाल नहीं मिले। धर्मस्थल के खिलाफ साजिश रचने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और जाँच जारी है। जाँच दिन-ब-दिन नए रूप ले रही है, एक तरफ अप्राकृतिक मौतों की भी जाँच चल रही है। दूसरी तरफ, धर्मस्थल के खिलाफ साजिशों की भी जाँच हो रही है। सूत्रों ने बताया कि प्रणब मोहंती ने गृह मंत्री से मुलाकात के दौरान इन सभी मुद्दों पर जानकारी साझा की।

हेलीकॉप्टर खरीद को लेकर अशोक का कांग्रेस सरकार पर गुस्सा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने सरकार के खुद हेलीकॉप्टर और जेट खरीदने के फैसले की आलोचना करते हुए इसे हास्यास्पद और शर्मनाक बताया है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए, उन्होंने हेलीकॉप्टर खरीदने और ठेके लेने के सरकार के फैसले की आलोचना की। सरकार का यह कदम ऐसा है जैसे यह कहना कि यह एक मजाक है। कांग्रेस सरकार के पास बीच सड़क पर खराब हो चुकी सरकारी बसों की मरम्मत के लिए पैसे नहीं हैं। नई बसें खरीदने के लिए पैसे नहीं हैं। परिवहन कर्मचारियों का करोड़ों रुपये का बकाया वेतन देने के लिए पैसे नहीं हैं। परिवहन निगमों को बर्बाद करने और बस स्टैंडों को नीलाम करने वाली दिवालिया कांग्रेस का यह कदम हास्यास्पद और शर्मनाक है कि वह अब खुद हेलीकॉप्टर और जेट खरीदने जा रही है। उन्होंने इस कांग्रेस सरकार के बेशर्म रवैये के लिए निशाना साधा है, जो जनता को न्यूनतम सुविधाएं प्रदान करने की बजाय मुख्यमंत्री और मंत्रियों के शानदार मनोरंजन को प्राथमिकता देती है।

तिरुनेलवेली-शिवमोग्गा टाउन के बीच त्योहार विशेष ट्रेनें 7 सितंबर से

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ त्योहारों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, दक्षिण रेलवे ने तिरुनेलवेली और शिवमोग्गा टाउन के बीच प्रत्येक दिशा में आठ फेरों के लिए त्यौहार विशेष ट्रेनें चलाने की अधिसूचना जारी की है। इसके तहत ट्रेन संख्या 06103 तिरुनेलवेली-शिवमोग्गा टाउन त्यौहार विशेष ट्रेन 7 सितंबर से 26 अक्टूबर तक प्रत्येक रविवार को 15:40 बजे तिरुनेलवेली से प्रस्थान करेगी और सोमवार को 13.00 बजे शिवमोग्गा टाउन पहुँचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 06104 शिवमोग्गा टाउन - तिरुनेलवेली फेस्टिवल स्पेशल 8 सितंबर से 27 अक्टूबर तक प्रत्येक सोमवार को 14:20 बजे शिवमोग्गा टाउन से प्रस्थान करेगी और मंगलवार को 10:45 बजे तिरुनेलवेली पहुँचेगी। ट्रेन चेरनमहादेवी, कल्लिदाई कुरिचि, अंबासमुद्रम, किला कदैयम, पावुर्चत्रम, तेनकासी, कदयानल्लूर, शंकरनकोविल, राजपलायम, श्रीविल्लीपुत्तूर, शिवकाशी, तिरुत्तंगल, विरुद्धनगर, मदुरै, कोडैकनाल, डिंडीगुल, करूर, नमक्कल, सेलम, कुप्पम, बंगारपेट, कृष्णराजपुरम, एसएमवीटी बेंगलूरु, चिकबनावर, तुमकुरु, अर्सिकेरे, बिरूर, तारिकेरे और भद्रावती स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में रुकेगी। ट्रेन में 1 एसी-2 टियर, 2 एसी-3 टियर, 9 स्लीपर क्लास, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी सिटिंग कोच और 2 सामान- सह-ब्रेक वैन सहित 18 कोच होंगे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चन्नसंद्रा रेलवे स्टेशन पर चल रहे प्लेटफॉर्म और फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) कार्य के कारण, चन्नसंद्रा स्टेशन पर ट्रेन संख्या 66559/66560 केएसआर बेंगलूरु अनंतपुर केएसआर बेंगलूरु मेमू और ट्रेन संख्या 66591/66592 केएसआर बेंगलूरु कोलार केएसआर बेंगलूरु डेमू सेवाओं के लिए अस्थायी रूप से ठहराव समाप्त करने की अवधि 30 नवंबर तक बढ़ा दी गई है।

त्योहारी सीजन के दौरान विशेष ट्रेनों का संचालन रहेगा जारी

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। आगामी त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने और जनता की सुविधा के लिए विशेष ट्रेनें अपने मौजूदा समय और ठहराव के साथ चलती रहेंगी। जिसमें ट्रेन संख्या 03241 दानापुर - एसएमवीटी बेंगलूरु द्वि-साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल 19 सितंबर से 27 दिसंबर तक चलती रहेगी। ट्रेन संख्या 03242 एसएमवीटी बेंगलूरु- दानापुर द्वि-साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल 21 सितंबर से 29 दिसंबर तक चलती रहेगी। ट्रेन संख्या 03247 दानापुर - एसएमवीटी बेंगलूरु साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल 18 सितंबर से 25 दिसंबर तक चलती रहेगी। ट्रेन संख्या 03248 एसएमवीटी बेंगलूरु - दानापुर साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल 20 सितंबर से 27 दिसंबर तक चलती रहेगी। ट्रेन संख्या 06539 एसएमवीटी बेंगलूरु-बीदर द्वि-साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल 3 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक चलती रहेगी। ट्रेन संख्या 06540 बीदर-एसएमवीटी बेंगलूरु द्वि-साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल 4 अक्टूबर से 1 नवंबर तक चलती रहेगी। ट्रेन संख्या 06529 एसएमवीटी बेंगलूरु-गोमती नगर साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल 10 नवंबर से 22 दिसंबर तक चलती रहेगी। ट्रेन संख्या 06530 गोमती नगर-एसएमवीटी बेंगलूरु साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल 14 नवंबर से 26 दिसंबर तक चलती रहेगी।

राज्य के सरकारी अस्पतालों में पौष्टिक भोजन की शुरुआत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने इस्कॉन बेंगलूरु के सहयोग से, सोमवार से बेंगलूरु के तीन प्रमुख सरकारी सामान्य अस्पतालों में मरीजों को पौष्टिक और संतुलित आहार उपलब्ध कराने के लिए एक नई पहल शुरू की है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मंगलवार को सी.वी. रमन सामान्य अस्पताल में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण आयुक्त एस. रघु और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया। वहीं जयनगर सामान्य अस्पताल में इसका शुभारंभ विधायक सी.के. राममूर्ति और अस्पताल के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किया गया। के.सी. सामान्य अस्पताल, मल्लेश्वरम, सी.वी. रमन सामान्य अस्पताल और जयनगर सामान्य अस्पताल में भर्ती मरीजों को दिन में पाँच बार पौष्टिक भोजन वितरित किया जाएगा। शुभारंभ के अवसर पर बोलते हुए, दिनेश गुंडू राव ने जोर देकर कहा सरकार द्वारा की गई यह पहल अच्छे पोषण को सुनिश्चित करती है जो तेजी से ठीक होने और बेहतर स्वास्थ्य सेवा परिणाम प्राप्त करने के लिए आवश्यक है। यह रोगी देखभाल, मातृ स्वास्थ्य और बाल पोषण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस्कॉन बेंगलूरु को अपनी पहल, अक्षय पात्र फाउंडेशन के माध्यम से सरकारी स्कूली बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने का 25 वर्षों से भी अधिक का व्यापक अनुभव है। उन्हें सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण में बड़े पैमाने पर भोजन तैयार करने में विशेषज्ञता प्राप्त है और वे खाना पकाने और वितरण का ध्यान रखकर रोगियों की विशिष्ट आहार संबंधी जरूरतों को पूरा करने में सक्षम होंगे। इन अस्पतालों में प्राप्त प्रतिक्रियाओं के आधार पर, सरकार आने वाले दिनों में उन अन्य जिला अस्पतालों में भी इस सुविधा का विस्तार करेगी जहाँ इस्कॉन इस पहल को अपना सकता है।

एमडीएमए बेचने के आरोप में दो गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उल्लाल पुलिस ने उल्लाल थाना क्षेत्र के अंतर्गत तलापडी गाँव के तच्चानी ग्राउंड में प्रतिबंधित मादक पदार्थ एमडीएमए बेचने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान फजल हुसैन (33) और नौशाद (32) के रूप में हुई है। तच्चानी ग्राउंड में मादक पदार्थों की तस्करी की सूचना मिलने पर पुलिस ने छापा मारकर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से पुलिस ने 15 ग्राम एमडीएमए, दो मोबाइल फोन, एक पोर्टेबल डिजिटल वजन मापने की मशीन और कुल 95,500 रुपये मूल्य का अन्य सामान जब्त किया। उल्लाल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *विनायक सामूहिक गणेश शोभा यात्रा एवं विसर्जन समिति चिकपेट द्वारा रविवार को विशाल शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें 30 से भी ज्यादा संगठन गणेश प्रतिमाओं को लेकर पहुंचे। बरसात के बावजूद भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। कार्यक्रम में सांसद पी.सी मोहन, महेंद्र मुणोत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। समिति के प्रमुख पूर्व पार्षद ए.एल. शिवकुमार ने अतिथियों का स्वागत किया।*

दक्षिणांचल दायित्व बोध सम्मेलन आरोहण का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के तत्वावधान में तेरापंथ युवक परिषद् बेंगलूरु द्वारा दक्षिणांचल दायित्व बोध सम्मेलन आरोहण शिखर की ओर का सफल आयोजन ज्ञान ज्योति ऑडिटोरियम, गांधीनगर में युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य डॉ मुनिश्री पुलकित कुमारजी के सान्निध्य में संपन्न हुआ। सम्मेलन का शुभारंभ मुनि ने मंगल मंत्रोच्चार के द्वारा किया। परिषद् की भजन मंडली प्रज्ञा संगीत सुधा ने विजय गीत का संगान किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा ने श्रावक निष्ठा पत्र के वाचन के पश्चात कार्यक्रम के विधिवत शुभारंभ की घोषणा की। स्थानीय सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने दक्षिण की युवा शक्ति का स्वागत किया। तेयुप अध्यक्ष प्रसन्न धोका ने स्वागत वक्तव्य के साथ परिषद् के कृत कार्यों की झलक एवं आगामी कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की। उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने सम्मेलन के विविध सत्रों की जानकारी देते हुए सभी का अभिनन्दन किया। प्रेरणा सत्र में मुनि पुलिकत कुमार जी ने उद्बोधन देते हुए कहा युवकों के भीतर जैनत्व के संस्कार पुष्ट होने चाहिए। जैनिज्म में इतनी शक्ति है जिससे युवकों को दुःख मुक्ति का उपाय मिल सकता है। शिखर की ओर आरोहण करने के लिए मुनिश्री ने युवकों को चन्द्रमा जैसी शीतलता, सूर्य जैसी तेजस्विता की भावना से भावित करने की उत्प्रेरणा दी। मुनि ने आगे कहा कि युवा यहाँ आत्म चिंतन के लिए उपस्थित हुए हैं, वे अपने विल पावर को बढ़ाने का प्रयास करें।

प्रज्ञा संगीत सुधा द्वारा आरोहण थीम सांग का ओजस्वी संगान किया गया। कार्यक्रम की सफलता के लिए कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा प्रदत्त शुभकामना सन्देश का वाचन सहमंत्री प्रणय पोकरणा ने किया। तेरापंथ किशोर मंडल के सदस्यों ने भिक्षु दृष्टान्त पर नाटिका का मंचन किया। युवा गौरव मूल चंद नाहर ने शुभकामनाएं सम्प्रेषित की। संकल्प सत्र में हीरालाल मालू ने नेतृत्व विकास पर मार्गदर्शन दिया। वहीं विमल कटारिया ने समाज सेवा को सौभाग्य बताया।

मादक पदार्थ रखने और बेचने के आरोप में दो गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़े अभियान में, पनाम्बुर पुलिस ने मेंगलूरु शहर के पनाम्बुर थाना क्षेत्र में मादक पदार्थ रखने और बेचने की कोशिश करने के आरोप में बिहार के दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एक गुप्त सूचना के आधार पर, पनाम्बुर के पुलिस उपनिरीक्षक ज्ञानशेखर और उनकी टीम ने, सहायक पुलिस आयुक्त (उत्तर उप-मंडल) श्रीकांत के.आर. के निर्देशन और निरीक्षक मोहम्मद सलीम अब्बास के नेतृत्व में, 1 सितंबर को शाम लगभग 4:40 बजे थोकुरु रेलवे स्टेशन रोड के पास छापा मारा। दो युवकों के पास से कथित तौर पर बिक्री के लिए रखा गया गांजा बरामद किया गया। आरोपियों की पहचान बिहार के नालंदा जिले के अरनौत गाँव निवासी हर्ष कुमार (22) और बिहार के वैशाली जिले के शापुर गाँव निवासी अमर कुमार (28) के रूप में हुई है। पुलिस ने हर्ष कुमार से 1.23 किलोग्राम और अमर कुमार से 80 ग्राम गांजा जब्त किया, जिसकी कुल कीमत लगभग 75,000 रुपये है। इसके अलावा, कथित तौर पर बिक्री के समन्वय के लिए इस्तेमाल किए गए दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। प्रारंभिक जाँच से पता चला है कि हर्ष कुमार पटना में मीशो और फ्लिपकार्ट हब में काम करता था, जबकि अमर कुमार दिल्ली में एक सब्जी की दुकान पर काम करता था। दोनों पर मेंगलूरु में लोगों को निशाना बनाकर नशीले पदार्थ बेचने का आरोप है। पनाम्बूर पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। आगे की जाँच जारी है।

विकास महोत्सव, सामूहिक क्षमा याचना एवं तपोभिनंदन समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा ट्रस्ट राजाजी नगर द्वारा तीन कार्यक्रमों का एक साथ आयोजन तेरापंथ सभा भवन राजाजी नगर में किया गया। युग प्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य डॉ पुलकित कुमार जी एवं नचिकेता आदित्य कुमार जी के पावन प्रेरणा एवं सानिध्य में 32वां विकास महोत्सव एवं सामूहिक क्षमायाचना और तपोभिनंदन समारोह का सफल आयोजन किया गया।

मुनि श्री के मुखारविंद से नमस्कार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। महिला मंडल टीम ने गीतिका द्वारा मंगलाचरण कीया। मुनि श्री ने अपने मंगल उद्बोधन में बताया दीर्घदृष्टा आचार्य श्री तुलसी के पट्टत्सव के इस दिन को विकास महोत्सव के रूप में मनाया जाता है। आचार्य श्री तुलसी ने तेरापंथ धर्म संघ को विकास के शिखर पर चढ़ाया, उनमें अदम्य साहस था, व प्राणी मात्र के प्रति आध्यात्मिक सहयोग की भावना थी।

मुनिश्री ने फरमाया मेरा सौभाग्य रहा की जीवन के अंतिम पड़ाव में ढाई वर्षो तक मुझे आचार्य श्री तुलसी के सानिध्य में शिक्षा दीक्षा एवं संस्कार अर्जित करने का शुअवसर मिला।

आचार्य तुलसी युगीन चिंतन रखने वाले महान आचार्य थे, उनकी साधना का तेज व आकर्षण विशेष था। मुनि श्री आदित्य कुमार जी ने विकास की व्याख्या का विश्लेषण करते हुए बताया विवेक कार्य कुशलता एवं संतुलन के गुणों से युक्त आचार्य श्री तुलसी के समय से विकास महोत्सव का आयोजन होते आ रहा है। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में श्रावक समाज की ओर से सभा परामर्शक जुगराज श्रीश्रीमाल ने गुरुदेव के प्रति, मुख्य मुनि-साध्वी प्रमुखा-साध्वी वर्या एवं सभी चरित्र आत्माओं के प्रति खमतखामणा करवाया। तत्पश्चात सभी तपस्वियों का सम्मान किया गया। तेरापंथ सभा अध्यक्ष अशोक चौधरी ने अपने स्वागत वक्तव्य में मुनि श्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कर श्रावक समाज से अपने और अपनी टीम की ओर से क्षमा याचना की। महिला मंडल मंत्री अरूणा कोठारी-तेयुप अध्यक्ष जितेश दक एवं गांधीनगर सभा मंत्री विनोद छाजेड़ ने अपने भाव व्यक्त किये। कार्यक्रम का कुशल संचालन सतीश पोरवाड़ ने किया। आभार मीडिया प्रभारी रनीत कोठारी ने दिया।

दोषी की पत्नी ने अपने बच्चे की हत्या कर खुद को लगाई फांसी

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। ब्रह्मवार थाना क्षेत्र के कुंजालु हेरांजे क्रॉस के पास एक महिला और उसका छोटा बच्चा अपने घर में फंदे से लटके पाए गए। मृतकों की पहचान सुष्मिता (35) और उनकी बेटी श्रेष्ठा (1 वर्ष और 6 महीने) के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है कि यह घटना उस समय हुई जब सुष्मिता के पति अदालती काम से बेंगलूरु गए थे।

उडुपी के पुलिस अधीक्षक हरिराम शंकर, जिन्होंने घटनास्थल का दौरा किया, ने संवाददाताओं को बताया 1 सितंबर की दोपहर ब्रह्मवार में एक महिला और उसका बच्चा फंदे से लटके पाए गए। मृतकों की पहचान सुष्मिता और उनकी डेढ़ साल की बेटी के रूप में हुई है।

प्रारंभिक जाँच से पता चलता है कि माँ ने पहले बच्चे की जान लेने के बाद यह आत्मघाती कदम उठाया।

एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिसमें उसने घटना की पूरी जिम्मेदारी ली है। यह भी पता चला है कि उसके पति को 2009 में धारा 307 (हत्या का प्रयास) के एक मामले में उच्च न्यायालय द्वारा दोषी ठहराया गया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

सुख और दुख हमारे अपने कर्मों के फल: साध्वी नंदिनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर में मेरी भावना आठवाँ पद का विवेचन करते हुए साध्वी निर्मला के सानिध्य में साध्वी नंदिनी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में सुख और दुख का अनुभव होता है। लेकिन उसका मूल कारण बाहरी परिस्थितियाँ नहीं, बल्कि हमारे संचित कर्म हैं।

जब जीवन में अनुकूल परिस्थितियाँ आती हैं, तो हम प्रसन्न हो जाते हैं, और जब प्रतिकूल परिस्थितियाँ आती हैं, तो दुखी हो जाते हैं। वास्तव में सुख और दुख का आधार हमारी दृष्टि और हमारे भाव हैं। हर व्यक्ति की सुख की परिभाषा अलग होती है।

किसी को व्यापार में, किसी को धन-संपत्ति में, किसी को संतान में तो किसी को वैभव में सुख दिखता है। किंतु वास्तविक सुख केवल धर्म और आत्मा में निहित है। साध्वी ने कहा कि जीवन को आनंदमय बनाने के लिए समय का सदुपयोग धर्म-साधना में करना आवश्यक है। जब हमें जिनवाणी श्रवण, जिनदर्शन या प्रभु-भक्ति का अवसर मिलता है, वही समय वास्तव में हमारे लिए सबसे आनंदमय समय होता है। यदि संतों के दर्शन से भाव जाग्रति न हो तो वह समय व्यर्थ चला जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि धार्मिक वही कहलाता है जो निमित्त को दोष नहीं देता और अपने जीवन को आत्म-संयम तथा पुण्य कर्मों की ओर मोड़ता है। सम्यक दृष्टि वाला व्यक्ति विषम परिस्थितियों में भी समभाव बनाए रखता है। उन्होंने कहा कि मेरी भावना केवल गीत नहीं है, यह जीवन की गीता है। बाहरी क्रियाओं से जागरण संभव नहीं, सच्चा जागरण भीतर उतरने से ही होता है। सुख-दुख की वास्तविक कुंजी हमारे अपने हाथ में है। जो समभाव से जीवन जीता है, वही सच्चा आनंद पाता है। साध्वी ऋषिता ने स्तवन की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर जैन कांफ्रेंस वैयावच्च योजना के राष्ट्रीय महामंत्री रतनचंद सिंघी व अन्य उपस्थित रहे। ममता बागरेचा ने 26 उपवास, विशाल गांधी ने 15 उपवास और रेखा सामरा ने 11 उपवास के पच्चखान लिए। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

जम्मू कश्मीर पर अभी भी दो दिन भारी, सघन बारिश की चेतावनी

15 तक रेल रद्द, वैष्णो देवी यात्रा 8 दिन से बंद, अधिकतर सड़कें बह गईं

जम्मू, 02 सितंबर (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर की दशा अभी भी नाजुक बनी हुई है। आज भी भारी बारिश के कारण नदी नाले उफान पर थे तो अगले दो दिना खतरे भरे बताए जा रहे हैं। भारी बारिश क चेतावनी जारी की गई है। रेलें फिलहाल 15 सितम्बर तक बंद रहने की आधिकारिक घोषणा की गई है। वैष्णो देवी यात्रा 8वें दिन भी स्थगित रही क्योंकि प्रदेश में अधिकतर सड़कें बह चुकी हैं।

प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है कहीं भूस्खलन तो कहीं नदियों का रौद्र रूप लोगों को भय के साये में डाल दिया है। इतना ही नहीं राजौरी और सांबा जिलों में जमीन धंसने की घटना भी सामने आई। सोमवार को जमीन धंसने की घटनाओं के बाद प्रशासन ने 19 परिवारों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। इसमें राजौरी के 11 और सांबा के 8 घर शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि इन इलाकों को जोखिम क्षेत्र घोषित कर दिया गया है ताकि किसी बड़ी त्रासदी को टाला जा सके।

भारी बारिश से सांबा जिले का एक छोटा गांव भी गंभीर खतरे में आ गया है। यहां जमीन धंसने से कई घर ढहने की कगार पर हैं। अधिकारियों ने समय रहते आठ परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश हो रही है, जिसके चलते जमीन कमजोर हो गई है।

कई घर दरारों के चलते रहने लायक नहीं बचे। प्रभावित परिवारों को राहत शिविरों में रखा गया। प्रशासन ने आपदा प्रबंधन दल को सतर्क मोड पर रखा है। जबकि अर्धकुंवारी मंदिर क्षेत्र में भीषण हादसे के बाद वैष्णो देवी मंदिर की यात्रा लगातार 8 दिन से स्थगित है। यात्रा के जल्द सुचारू होने की उम्मीद में आधार शिविर कटड़ा में लगभग 700 श्रद्धालु रुके हुए हैं। श्रद्धालु श्राइन बोर्ड के पंजीकरण और सूचना केंद्रों पर यात्रा शुरू होने की जानकारी ले रहे हैं। कई श्रद्धालु दिनभर प्रवेश द्वार दर्शनी ड्योढ़ी परिसर में भी बैठे हैं, ताकि यात्रा शुरू होने पर वे तुरंत भवन की ओर प्रस्थान कर सकें। वैष्णो देवी भवन मार्ग पर गत मंगलवार को भीषण हादसे में 35 श्रद्धालुओं की जान चली गई थी, जबकि 22 श्रद्धालु घायल हुए हैं। घायलों का इलाज श्राइन बोर्ड के नारायणा अस्पताल में जारी है। मार्ग से मलबा हटाने का कार्य युद्धस्तर परभूस्खलन के बाद मलबा, पत्थर और चट्टानें हटाने का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। अधिकारियों का कहना है कि मार्ग को पूरी तरह साफ करने में अभी दो दिन लग सकते हैं। यात्रा मार्ग को सुचारु बनाने के लिए आपदा प्रबंधन दल के साथ श्राइन बोर्ड के कर्मचारी दिन-रात जुटे हैं। मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बनाए गए टिन शेडों को भी काफी नुकसान पहुंचा है, जिनकी मरम्मत की जा रही है।

इस बीच जम्मू कश्मीर में बाढ़-भूस्खलन से लोक निर्माण विभाग को भारी नुकसान पहुंचा है। 2500 सड़कें प्रभावित हुई हैं। इनमें से 60 फीसदी को बहाल कर दिया गया है। करीब एक हजार सड़कें अभी बंद हैं। ज्यादातर सड़कें ग्रामीण इलाकों में हैं। पीडब्ल्यूडी के अनुसार 200 करोड़ रुपए से ज्यादा के नुकसान का अनुमान है। हालांकि विभाग अभी आकलन कर रहा है।

भयानक मौसम में भी कश्मीर को मटन की चिंता

जम्मू, 02 सितंबर (ब्यूरो)। भयानक मौसम में भी कश्मीरियों को मटन की चिंता सतान रही है। कश्मीर मटन डीलर्स एसोसिएशन ने श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग के बार-बार बंद होने के बाद घाटी में मटन की बाधित आपूर्ति पर चिंता व्यक्त की है और आने वाले दिनों में इसकी भारी कमी की चेतावनी दी है। एसोसिएशन के महासचिव मेहराजुद्दीन गनई ने बताया कि राजमार्ग लगभग एक सप्ताह से बंद था और यातायात के लिए केवल आंशिक रूप से ही बहाल किया गया था, जिससे पशुओं की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई है।

मेहराज ने बताया कि अगस्त के अंत, सितंबर और अक्टूबर के ये महीने कश्मीर में शादी के चरम सीजन होते हैं। कई वाहन समय पर नहीं पहुंच पाए और अगर यही स्थिति बनी रही तो घाटी में मटन की भारी कमी हो सकती है।

वे कहते हैं कि डीलर आपूर्ति का आंशिक प्रबंधन कर रहे हैं, लेकिन व्यवधान का मतलब है कि लोगों को कभी भी अचानक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी पशुपालकों के वाहनों को एक घंटे के लिए आने देते हैं और फिर उसे दो घंटे कर देते हैं। यहां पूरी तरह से कुप्रबंधन है और कभी-कभी ट्रकों को पुंछ, नौशहरा और अन्य जगहों पर रोक दिया जाता है।

मेहराज ने सरकार से फलों से लदे और पशुपालकों के ट्रकों को बिना किसी बाधा के आने-जाने की अनुमति देने का भी आग्रह किया और उन्हें आवश्यक आपूर्ति बताया।

झारखंड में वामपंथी आतंकवाद की टूट रही कमर

23 लाख से ज्यादा के इनामी 9 नक्सलियों ने डाले हथियार

लातेहार, 02 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड के लातेहार जिले में सुरक्षाबलों को एक बड़ी सफलता मिली है। प्रतिबंधित नक्सली संगठन झारखंड जनमुक्ति परिषद के 9 नक्सलियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। इनमें से 5 पर सरकार ने कुल 23 लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा था।

आत्मसमर्पण करने वालों में जोनल कमांडर रवींद्र यादव भी शामिल है, जिस पर 5 लाख का इनाम था। रवींद्र यादव 14 मामलों में वांछित था और उसने पुलिस को दो एके-47 राइफल, तीन अन्य राइफल और 1241 जिंदा कारतूस सौंपे। उसके अलावा, 4 सब-जोनल कमांडर और 4 एरिया कमांडर भी शामिल थे। इन पर भी 3-3 लाख रुपए का इनाम घोषित था।

पुलिस का कहना है कि इस आत्मसमर्पण से लातेहार में नक्सलियों का नेटवर्क कमजोर हो जाएगा। पुलिस ने इस कार्रवाई को केवल एक जीत नहीं, बल्कि शांति की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है। सुरक्षा बलों ने इससे पहले भी कई नक्सलियों को गिरफ्तार किया है और लगातार इस क्षेत्र में शांति लाने की कोशिश कर रहे हैं।

कांग्रेसी नेता पवन खेड़ा के पास दो वोटर आईडी : भाजपा

नई दिल्ली, 02 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को कांग्रेसी नेता पवन खेड़ा के पास दो मतदाता पहचान पत्र होने का आरोप लगाया। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री खेड़ा के पास दो मतदाता पहचान पत्र हैं, जबकि कानून के मुताबिक देश के किसी भी नागरिक के पास सिर्फ एक वोटर आईडी होनी चाहिए।

श्री भंडारी ने कहा कि ऐसे में जब श्री खेड़ा का सच सामने आ चुका है तो क्या देश भर में घूमकर आम मतदाताओं के वोटों को फर्जी बताने और वोट चोरी का आरोप लगाने वाले कांग्रेसी नेता राहुल गांधी अपने पार्टी के नेता के खिलाफ कुछ कार्रवाई करेंगे या कुछ बोलेंगे।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस मीडिया प्रमुख खेड़ा के पास दो वोटर आईडी .. एक-सएचसी 1992338 और एसजेई 0755967 हैं। यह दोनों वोटर कार्ड, दो अलग अलग विधानसभाओं के हैं। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि तो क्या यह मान लें कि श्री गांधी के करीबी नेता वोट धांधली में संलिप्त हैं। वोट चोरी का सच अब सामने रख दिया गया है।

श्री भंडारी ने कहा कि श्री गांधी हर छह महीने में मुद्दे बदलकर देश की जनता को गुमराह करने का काम करते हैं, यह उनका पैटर्न भी है। श्री गांधी को देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं को बदनाम करने के लिए आरोप लगाना छोड़ देना चाहिए।

डॉ. मित्तल संयुक्त अरब अमीरात में भारत के नये राजदूत नियुक्त

नई दिल्ली, 02 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी डॉ. दीपक मित्तल को संयुक्त अरब अमीरात में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है।

विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को यहां बताया कि डा.मित्तल विदेश सेवा के 1998 बैच के अधिकारी हैं और उनके शीघ्र ही कार्यभार ग्रहण करने की संभावना है।

वह कतर में भारत के राजदूत रह चुके हैं। डॉ. मित्तल श्री संजय सुधीर की जगह लेंगे जो अब तक संयुक्त अरब अमीरात में भारत के राजदूत थे। वर्ष 2021 में अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी के बाद उन्होंने भारत और तालिबान शासन के बीच औपचारिक संपर्क शुरू कराने में अहम भूमिका निभायी थी।

भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच राजनयिक संबंध 1972 में स्थापित हुए थे। दोनों देशों के बीच पिछले छह-सात वर्षों में संबंध काफी मजबूत हुए हैं। विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संयुक्त अरब अमीरात यात्रा के बाद इनमें नयी ऊर्जा आयी है। अमीरात के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ-साथ वहां के कुछ उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडलों ने भी भारत की यात्रा की है।

दिल्ली में यमुना खतरे के निशान से आधा मीटर ऊपर, निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा

नई दिल्ली, 02 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर मंगलवार सुबह खतरे के निशान से करीब आधा मीटर ऊपर पहुंच गया निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है।

केंद्रीय जल आयोग के अनुसार आज सुबह आठ बजे दिल्ली के पुराने रेलवे ब्रिज पर यमुना का जलस्तर 205.80 मीटर दर्ज किया गया और यह लगाता बढ़ रहा है। यहां खतरे का निशान 205.33 मीटर पर है। दिल्ली और आसपास के इलाकों में सोमवार को हुई भारी बारिश और हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से लगातार बड़ी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण राष्ट्रीय राजधानी में यह स्थिति बनी है। पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही मूसलाधार बारिश के कारण यमुनानगर जिला स्थित हथिनीकुंड बैराज से लाखों क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है।

यमुना के बढ़ते जलस्तर के बीच दिल्ली में प्रशासन ने बचाव दल एवं अन्य संबंधित एजेंसियां को स्टैंड-बाय मोड में रखा है। लोगों से अपील की जा रही है कि वे यमुना किनारे न जाएं और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। डूब क्षेत्र में और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को इन इलाकों को खाली करने की चेतावनी दी जा रही है।

उल्लेखनीय है कि यमुना में अब तक सबसे अधिक जलस्तर 208.66 मीटर रहा है जो 13 जुलाई 2023 को दर्ज किया गया था।

बांका में अवैध बालू खनन

पुलिस और माफिया के बीच झड़प, आत्मरक्षा में चलाई गई गोली से एक जख्मी

बांका, 02 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के बांका जिले में अवैध बालू खनन की सूचना पर झाझा पुलिस और बालू माफियाओं के बीच झड़प हुई। इस दौरान पुलिस की ओर से आत्मरक्षा में चलाई गई गोली से एक बालू माफिया जख्मी के होने की सूचना है। पुलिस गोली में जख्मी बालू माफिया की पहचान पेसराहा के पिंटू यादव के रूप में हुई है। घायल पिंटू यादव का प्राथमिक उपचार कटोरिया रेफरल अस्पताल में कराया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिये उसे देवघर रेफर कर दिया गया है। घटना की जानकारी मिलने पर बेलहर एसडीपीओ स्वयं कटोरिया रेफरल अस्पताल पहुंच घटना की जानकारी ली। एसडीपीओ राजकिशोर कुमार ने बताया कि जमुई जिले के झाझा और बांका के सुईया थाना क्षेत्र के पेसराहा स्थित भूसी घाट से बालू के अवैध खनन की सूचना पर पहुंची थी, जहां बालू माफिया ने ग्रामीणों के सहयोग से पुलिस पर ही हमला कर दिया। जिसके कारण झड़प की स्थिति उत्पन्न हो गई। बाद में स्थिति बिगड़ते देखा झाझा पुलिस कर्मियों ने आत्मसुरक्षार्थ गोली चलाई। इस गोलीबारी में पिंटू यादव नामक बालू माफिया के पैर में गोली लगी।

बताया गया है कि झाझा पुलिस से झड़प के दौरान बालू माफिया भागते हुए सुईया थाना क्षेत्र आ गया था, जिससे अब सुईया थाने की पुलिस भी कार्रवाई कर रही है। इस बाबत बेलहर एसडीपीओ ने बताया कि झाझा पुलिस की ओर से लिखित शिकायत की जा रही है, जिसपर आगे की कार्रवाई होगी।

किसानों, गामीण अर्थव्यवस्था के सशक्तीकरण को विशेष प्राथमिकता दें बैंक : मुर्मू

चेन्नई, 02 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को कहा कि किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सशक्तिकरण हमारे बैंकिंग क्षेत्र की प्राथमिकता होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि कि समय पर और किफायती ऋण प्रदान करके, वित्तीय साक्षरता प्रदान करके और कृषि-तकनीक पहलों को समर्थन देकर, बैंक कृषि को टिकाऊ और लाभदायक बनाने में मदद कर सकते हैं।

श्रीमती मुर्मू यहां सिटी यूनियन बैंक के 120वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रही थी। 'स्वदेशी बैंकिंग की विरासत 120 वर्षों का उत्सव' शीर्षक के इस समारोह में तमिलनाडु के राज्यपाल एन आर रवि , केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और तमिलनाडु सरकार की समाज कल्याण एवं महिला सशक्तिकरण विभाग की मंत्री पी गीता जीवन उपस्थित थीं।

राष्ट्रपति ने कहा कि जैसे-जैसे हमारी डिजिटल और ज्ञान-संचालित अर्थव्यवस्था का विस्तार हो रहा है, डिजिटल परिवर्तन और उद्यमिता में बैंकों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होती जा रही है। स्टार्ट-अप से लेकर स्मार्ट सिटी तक, ऐसे कई क्षेत्र हैं, जहां बैंक मदद कर सकते हैं। बैंक एक विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदार बन सकते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि देश के सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम क्षेत्र (एमएसएमई क्षेत्र) को विकास के इंजन में बदलने में बैंक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा, हमारे बैंकों को वंचित और हाशिये पर पड़े वर्गों की मदद के लिए भी कदम उठाने चाहिए। दिहाड़ी मजदूरों और प्रवासी मजदूरों को बैंकिंग सेव-ाओं से बेहतर ढंग से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास किये जाने चाहिए।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और बैंकिंग उद्योग इसकी विकास गाथा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा, तेजी से विकसित हो रहे आर्थिक परिदृश्य में, लोगों की आकांक्षायें काफ़ी बढ़ी हैं। बैंकों की भूमिका वित्तीय लेन-देन से कहीं आगे बढ़ गयी है। बैंक केवल धन के संरक्षक नहीं हैं। आज वे विविध वित्तीय सेवायें प्रदान करते हैं। वे समावेशी और सतत विकास में भी सहायक हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि देश के विकास के महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक स्तम्भ 'वित्तीय समावेशन' का है, जिसका अर्थ है कि प्रत्येक नागरिक को किफायती वित्तीय सेवायें सुलभ एवं सुनिश्चित हों। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सिटी यूनियन बैंक जैसे बैंक बैंकिंग के माध्यम से वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में राष्ट्रीय लक्ष्य को पूरा करने में मदद कर रहे हैं।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि भारत जैसे विकासशील देश में, एक बड़ी आबादी अभी भी ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में रहती है, जहां औपचारिक बैंकिंग तक सीमित पहुंच है। उन्हें कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि सिटी यूनियन बैंक ने वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है।

ऑपरेशन सतर्क में मिली बड़ी सफलता

राजधानी एक्सप्रेस से 24 लाख की विदेशी इलायची की खेप बरामद

मुजफ्फरपुर, 02 सितंबर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जंक्शन पर रेल पुलिस और कस्टम विभाग की संयुक्त कार्रवाई में विदेशी इलायची की भारी खेप बरामद की गई है। राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन में तस्करी कर दिल्ली भेजी जा रही इस खेप को जब्त कर लिया गया। बरामद विदेशी इलायची की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत

लगभग 24 लाख रुपये आंकी गई है। बताया जा रहा है कि यह खेप असम के दीमापुर से बुक की गई थी और नई दिल्ली में एक सप्लाई कंपनी के नाम पर भेजी जा रही थी। जांच के दौरान राजधानी एक्सप्रेस से कुल 40 बोरा विदेशी इलायची बरामद हुआ, जिसमें लगभग 2000 किलो इलायची पाई गई। रेल एसपी मुजफ्फरपुर बीना कुमारी ने बताया कि ऑपरेशन सतर्क के तहत कार्रवाई की गई। कस्टम विभाग से मिली गुप्त सूचना के आधार पर मुजफ्फरपुर जंक्शन पर जांच की गई, जिसमें विदेशी इलायची की यह खेप बरामद हुई। मामले में रेल थाना मुजफ्फरपुर में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। बरामद खेप को कस्टम विभाग ने अपने कब्जे में ले लिया है।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

योगी कैबिनेट का बड़ा फैसला

उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम का गठन मंजूर

लखनऊ, 02 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम लिमिटेड के गठन को मंजूरी दे दी गई। बैठक में कुल 15 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश में आउटसोर्सिंग सेवाओं को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और जवाबदेह बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में हुई कैबिनेट बैठक में मंगलवार को कुल 15 प्रस्तावों को स्वीकृति दी, जिसमें कम्पनीज एक्ट-2013 के सेक्शन-8 के अंतर्गत उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम लिमिटेड के गठन को मंजूरी दे दी गई। यह एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी होगी, जिसे नॉन-प्रॉफिटेबल संस्था के रूप में संचालित किया जाएगा।

इसके माध्यम से अब आउटसोर्सिंग एजेंसियों का चयन सीधे विभाग नहीं करेंगे, बल्कि निगम जेम पोर्टल के माध्यम से निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया से एजेंसी का चयन करेगा। आउटसोर्स कर्मचारियों का चयन तीन वर्ष के लिए किया जाएगा। कर्मचारियों को 16 से 20 हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय निर्धारित किया गया है। इस निर्णय के माध्यम से सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि प्रत्येक कर्मचारी को उसका पूरा हक मिले और उसका भविष्य सुरक्षित रहे। यह निर्णय न केवल लाखों युवाओं को बेहतर अवसर देगा, बल्कि प्रदेश में रोजगार और सुशासन का नया मॉडल भी स्थापित करेगा।

प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश के विभिन्न विभागों और संस्थाओं में लंबे समय से आउटसोर्सिंग एजेंसियों के माध्यम से बड़ी संख्या में कार्मिक सेवाएं प्रदान कर रहे थे। लेकिन, लगातार यह शिकायतें सामने आ रही थीं कि उन्हें सरकार द्वारा स्वीकृत मानदेय का पूरा भुगतान नहीं मिल रहा। साथ ही ईपीएफ, ईएसआई जैसी अनिवार्य सुविधाओं का नियमित अंशदान भी कई बार एजेंसियों द्वारा नहीं किया जाता था। इन अनियमितताओं को खत्म करने और कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए यह निगम गठित किया गया है।

वित्त मंत्री ने बताया कि नई व्यवस्था में संवैधानिक प्रावधानों के तहत एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, दिव्यांगजन, भूतपूर्व सैनिक और महिलाओं को नियमानुसार आरक्षण मिलेगा। महिलाओं को मैटरनिटी लीव का भी अधिकार दिया जाएगा। कर्मचारियों की कार्यक्षमता और दक्षता बढ़ाने के लिए समय-समय पर प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा, सेवा के दौरान कर्मचारी की मृत्यु होने पर 15 हजार रुपए अंतिम संस्कार सहायता के रूप में दिए जाएंगे। मंत्री एके शर्मा के प्रस्ताव नगरीय परिवहन की सुविधा के लिए प्राइवेट ऑपरेटर को ई-चार्जिंग सहित नेट कॉस्ट बेसिक कॉन्ट्रैक्ट को मंजूरी दी गई है। कानपुर और लखनऊ के 10 दस रूटों पर ई-बसें चलेंगी। एक बस की कीमत 10 करोड़ होगी। ये बसें 12 वर्ष के लिए कॉन्ट्रैक्ट के साथ आएंगी। किराया तय करने का अधिकार सरकार के पास रहेगा। लखनऊ और कानपुर के सभी रूट फाइनल हो गए हैं। हर रूट पर अभी एक बस दी जाएगी। टेंडर से ऑपरेटर का चयन किया जाएगा। सरकार उसे लाइसेंस देगी। चार्जिंग की व्यवस्था भी करेगी।

लखनऊ और कानपुर में नेट कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट मॉडल पर होगा ई-बसों का संचालन

लखनऊ, 02 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश सरकार ने आज अपनी कैबिनेट बैठक में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए जनपद लखनऊ और जनपद कानपुर नगर के साथ-साथ उनके समीपवर्ती महत्वपूर्ण कस्बों में नेट कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट मॉडल के तहत इलेक्ट्रिक बसों (ई-बस) के संचालन को मंजूरी प्रदान की है। इस पायलट प्रोजेक्ट का उद्देश्य नगरीय परिवहन को पर्यावरण-अनुकूल, व्यवस्थित, और उपभोक्ता-केंद्रित बनाना है, साथ ही सरकारी वित्तीय बोझ को कम करते हुए निजी निवेश को प्रोत्साहित करना है।

नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री अमृत अभिजात ने इस निर्णय की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा, नेट कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट मॉडल नागरिकों के आवागमन की सुविधा सुनिश्चित करते हुए निजी ऑपरेटरों को अधिक व्यावसायिक स्वतंत्रता और प्रोत्साहन प्रदान करके परिवहन सेवाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार लाएगा। यह योजना पर्यावरण संरक्षण, तकनीकी नवाचार, और उपभोक्ता संतुष्टि को बढ़ावा देगी, जिससे नगरीय परिवहन और अधिक सुलभ और टिकाऊ बनेगा। नगरीय परिवहन निदेशालय इस परियोजना को लागू करेगा। वर्तमान में निदेशालय द्वारा प्रदेश के 15 नगर निगमों में 743 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जा रहा है, जिनमें से 700 बसें ग्रॉस कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट मॉडल के तहत संचालित हो रही हैं। पायलट प्रोजेक्ट के रूप में नेट कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट मॉडल पर जनपद लखनऊ तथा जनपद कानपुर नगर एवं उसके समीपवर्ती महत्वपूर्ण कस्बों में ई-बसों को संचालित किये जाने का निर्णय लिया गया है।

इस पायलट प्रोजेक्ट के तहत, जनपद लखनऊ और जनपद कानपुर नगर में 10-10 मार्गों (कुल 20 मार्ग) पर 9 मीटर की वातानुकूलित (एसी) इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जाएगा। प्रत्येक मार्ग पर न्यूनतम 10 बसें होंगी, जिसका अर्थ है कि दोनों जनपदों में कुल 200 ई-बसें संचालित की जाएंगी। कॉन्ट्रैक्ट की अवधि वाणिज्यिक संचालन तिथि से 12 वर्ष की होगी। साथ ही सरकार द्वारा चयनित मार्गों पर किसी अन्य निजी ऑपरेटर को संचालन की अनुमति नहीं दी जाएगी, जिससे ऑपरेटरों को व्यावसायिक स्थिरता और एकाधिकार प्राप्त होगा। प्रत्येक मार्ग पर 10 ई-बसों के संचालन के लिए अनुमानित लागत लगभग 10.30 करोड़ है, जिसमें से 9.50 करोड़ बसों की खरीद और 0.80 करोड़ चार्जर व अन्य उपकरणों पर खर्च होंगे। वित्तीय की व्यवस्था निजी ऑपरेटर द्वारा व्यवस्था को इक्विटी, वाणिज्यिक उधारी, या लीजिंग के माध्यम से की जाएगी।

प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने कहा, ई-बसों का संचालन न केवल वायु प्रदूषण को कम करेगा, बल्कि यात्रियों को आधुनिक, आरामदायक, और समयबद्ध परिवहन सेवाएं प्रदान करेगा। निजी ऑपरेटरों की प्रतिस्पर्धा से नवीनतम तकनीकों का उपयोग और सेवा में निरंतर सुधार होगा, जिसका सीधा लाभ आम जनता को मिलेगा।निजी ऑपरेटरों को दक्षता, समयबद्धता, और उपभोक्ता संतुष्टि पर ध्यान देना होगा, जिससे परिवहन सेवाएं और अधिक विश्वसनीय बनेंगी। ऑपरेटरों का चयन पारदर्शी निविदा प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा, जिससे प्रतिस्पर्धा और निष्पक्षता सुनिश्चित होगी।

गोरखा सैनिकों की वीरगाथा संजोएगी योगी सरकार

सीएम योगी और सीडीएस जनरल अनिल चौहान चार को करेंगे शिलान्यास

गोरखपुर में होगा गोरखा युद्ध स्मारक का सौंदर्यीकरण, संग्रहालय भी बनेगा

गोरखपुर, 02 सितंबर (एजेंसियां)।

मां भारती की आन, बान व शान में सर्वस्व न्योछावर करने का जज्बा रखने वाले गोरखा सैनिकों की वीरगाथा को संजोने के लिए योगी सरकार ने बड़ी पहल की है। इसके तहत प्रदेश का संस्कृति विभाग गोरखा रेजिमेंट के गोरखा भर्ती डिपो (जीआरडी) गोरखपुर में स्थित गोरखा युद्ध स्मारक का सौंदर्यीकरण कराने के साथ यहां एक भव्य संग्रहालय (म्यूजियम) बनवाने जा रहा है।

इसका शिलान्यास 4 सितंबर (गुरुवार) को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान के हाथों होने जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि आम जनता के अवलोकनार्थ बनने वाला यह गोरखा रेजिमेंट का पहला संग्रहालय होगा। इस तरह देश विदेश में अपने शौर्य से खास पहचान बनाने वाले गोरखा रणबाकुरों की कहानी से आम लोग पहली बार रूबरू हो सकेंगे। उस तरह का यह देश का पहला संग्रहालय होगा। गोरखा युद्ध स्मारक के सौंदर्यीकरण और संग्रहालय निर्माण के लिए कार्यदायी संस्था के रूप में उत्तर प्रदेश जलनिगम नगरीय की सीएंडडीएस यूनिट 42 का चयन किया गया है। स्मारक के सौंदर्यीकरण और संग्रहालय के निर्माण पर 44 करोड़ 73 लाख 37 हजार रुपए की लागत आएगी। इसके तहत संग्रहालय, टॉयलेट ब्लॉक, टिकट काउंटर, वर्तमान भवन का जीर्णोद्धार, वाटर बॉडी, चहारदीवारी, लिफ्ट आदि का निर्माण कराया जाएगा।

इसके अलावा लाइट एंड साउंड शो, सेवन डी थिएटर, म्यूरल पेंटिंग आदि की व्यवस्थाएं भी रहेंगी।

गोरखा सैनिक भारतीय सेना में अपने विशेष युद्ध कौशल के लिए विख्यात हैं। ब्रिटिश काल से लेकर अब तक भारतीय सेना में गोरखा जवानों ने 2700 से अधिक वीरता पुरस्कार प्राप्त किए हैं। गोरखा जवानों ने प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। देश के आजाद होने के बाद गोरखा सैनिकों ने युद्ध के साथ ही शांति अभियानों में अतुलनीय भूमिका का निर्वहन किया है। वर्तमान समय में करीब 40000 गोरखा सैनिक भारतीय सेना के माध्यम से राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं।

1866 में स्थापित गोरखा भर्ती डिपो गोरखपुर, सबसे पुराना भर्ती डिपो है। यहां अभी जो युद्ध स्मारक है उसकी स्थापना प्रथम विश्वयुद्ध में गोरखा जवानों के योगदान की स्मृति में 1925 में हुई थी। इस स्मारक में अब तक आठ ऐसे रणबांकुरों की कांस्य प्रतिमा स्थापित की गई है जिन्होंने युद्धकाल में अपूर्व शौर्य का परिचय दिया और उल्लेखनीय पुरस्कार प्राप्त किए। इनमें पहले फील्ड मार्शल मानेकशॉ, परमवीर चक्र विजेता कैप्टन जीएस सलारिया, लेफ्टिनेंट कर्नल धन सिंह थापा, कैप्टन मनोज पांडेय, अशोक चक्र विजेता लेफ्टिनेंट कर्नल जेआर चिटनिस, लेफ्टिनेंट पुनीत नाथ दत्त, मेजर मान बहादुर राय और नायक नर बहादुर की प्रतिमा स्थापित है।

सबसे अधिक राजस्व मामलों के निस्तारण में लखनऊ अव्वल

जनपदीय न्यायालयों में जौनपुर ने मारी बाजी

लखनऊ, 02 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रदेश में राजस्व मामलों के त्वरित निस्तारण की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्त मॉनीटरिंग का असर साफ नजर आ रहा है। सीएम योगी खुद हर माह जिलावार मामलों की समीक्षा भी करते रहते हैं। योगी सरकार की विशेष पहल के तहत तेजी से मामलों के निपटारे की रणनीति को अपनाया गया, जिससे राजस्व विवादों के मामलों में बड़ा सुधार देखने को मिला है। इसी का नतीजा है कि पिछले कुछ वर्षों में प्रदेश भर में राजस्व वादों के निस्तारण में तेजी देखी गयी है। राजस्व न्यायालय कंप्यूटरीकृत प्रबंधन प्रणाली (आरसीसीएमएस) द्वारा अगस्त माह की जारी रिपोर्ट में पूरे प्रदेश में सबसे अधिक राजधानी में मामलों को निस्तारित किया गया है जबकि जनपद स्तरीय न्यायालय में राजस्व के मामले निपटाने में एक बार फिर जौनपुर ने बाजी मारी है। बता दें कि जनपद स्तरीय न्यायालयों में राजस्व वादों के निस्तारण में पिछले दस माह से जौनपुर टॉप फाइल जिलों में बना हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्पष्ट निर्देश हैं कि राजस्व विवादों के मामलों को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाए। उनकी इस पहल का उद्देश्य न केवल जनता को त्वरित न्याय दिलाना है, बल्कि प्रशासन में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को भी बढ़ावा देना है। इसी के तहत प्रदेश के जिलाधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी पूरी तत्परता से मामलों का निस्तारण कर रहे हैं। राजस्व परिषद की आरसीसीएमएस की अगस्त माह की रिपोर्ट के अनुसार अगस्त में पूरे प्रदेश में कुल 3,69,293 राजस्व मामलों का निस्तारण किया गया। लखनऊ जिलाधिकारी विशाख जी अय्यर ने बताया कि सबसे अधिक राजधानी लखनऊ में 19,178 मामले निस्तारित किए गए, जो पूरे प्रदेश में सबसे अधिक हैं। इसके बाद प्रयागराज में कुल 10,693 मामलों को निस्तारित कर पूरे प्रदेश में दूसरे, गोरखपुर 9,560 मामलों को निस्तारित कर तीसरे स्थान पर है। इसी तरह जौनपुर ने 8,779 मामले निस्तारित कर चौथा और बाराबंकी ने 8,615 मामलों का निस्तारण कर पांचवां स्थान प्राप्त किया है।

जौनपुर के डीएम डॉ. दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुसार राजस्व मामलों को निस्तारित किया जा रहा है। बोर्ड ऑफ रेवन्यू की अगस्त माह की राजस्व न्यायालय कंप्यूटरीकृत प्रबंधन प्रणाली (आरसीसीएमएस) की रिपोर्ट के अनुसार जौनपुर की पांच राजस्व न्यायालयों ने बोर्ड के निर्धारित मानक निस्तारण से अधिक मामलों का निस्तारण किया है। जौनपुर की पांच राजस्व न्यायालयों ने बोर्ड के प्रति माह निस्तारण के मानक 250 के सापेक्ष 612 मामलों का निस्तारण किया है। इसका रेश्यो 244.80 प्रतिशत है। इसी के साथ जनपदीय न्यायालय में राजस्व मामलों के निस्तारण में प्रदेश में जौनपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है जबकि मानक 300 के सापेक्ष 379 मामलों का निस्तारण कर दूसरे स्थान पर लखीमपुर खीरी और मानक 350 के सापेक्ष 400 मामले निस्तारित कर तीसरे स्थान पर आजमगढ़ है। इसी तरह अगस्त में मऊ के जिलाधिकारी न्यायालय ने निर्धारित 30 मामलों के मानक के मुकाबले 91 मामलों का निस्तारण कर 303.33 प्रतिशत की उपलब्धि हासिल की, जो की प्रदेश भर में सबसे अधिक है और मऊ प्रदेश भर में पहले स्थान पर है। वहीं बुलंदशहर के जिलाधिकारी न्यायालय द्वारा 79 मामले निस्तारित किये गये। वहीं जौनपुर के जिलाधिकारी न्यायालय द्वारा 68 मामले निस्तारित किए गए। इसी तरह जिलाधिकारी न्यायालय द्वारा निस्तारित किये गये मामलों में बुलंदशहर दूसरे और जौनपुर तीसरे स्थान पर है।

इसी प्रकार अपर जिलाधिकारी भू-राजस्व जौनपुर निर्धारित मानक 50 के सापेक्ष कुल 208 वादों का निस्तारण कर प्रदेश में प्रथम स्थान पर हैं। वहीं अपर जिलाधिकारी भू-राजस्व गाजीपुर कुल 30 वादों का निस्तारण कर दूसरे स्थान पर हैं तथा अपर जिलाधिकारी भू-राजस्व मिर्जापुर कुल 24 वादों का निस्तारण कर तीसरे स्थान पर हैं। इसके साथ ही अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ने 50 के मानक के मुकाबले 211 मामलों का निस्तारण कर 422 प्रतिशत हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया है जबकि 105 मामले निस्तारित कर आजमगढ़ दूसरे और 80 मामले निस्तारित कर झांसी तीसरे स्थान पर है।

योगी सरकार ने दी मंजूरी

इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग का बनेगा ग्लोबल-हब

लखनऊ, 02 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश को इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग का ग्लोबल हब बनाने की दिशा में ऐतिहासिक फैसला लिया गया। कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण नीति-2025 (यूपी ईसीएमपी-2025) को मंजूरी दी, जो अगले 6 वर्षों तक प्रदेश में डिस्प्ले, कैमरा मॉड्यूल, मल्टीलेयर पीसीबी जैसे 11 महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक कॉम्पोनेन्ट्स के निर्माण को बढ़ावा देगी। योगी सरकार की इस नीति से 5,000 करोड़ रुपए के निवेश और लाखों रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

योगी कैबिनेट ने केंद्र सरकार की इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्पोनेन्ट मैनुफैक्चरिंग स्कीम के अनुरूप यूपी ईसीएमपी-2025 को लागू करने का फैसला किया, जो 6 वर्षों तक प्रभावी रहेगी। इस नीति के तहत उद्यमियों को केंद्र की योजना के समतुल्य अतिरिक्त प्रोत्साहन दिए जाएंगे, जिससे यूपी का मौजूदा इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम ग्लोबल मैनुफैक्चरिंग हब के रूप में उभरेगा। नीति का क्रियान्वयन शासन स्तर पर गठित नीति कार्यान्वयन इकाई और सशक्त समिति की देखरेख में नोडल संस्था द्वारा किया जाएगा। इसके तहत डिस्प्ले, कैमरा मॉड्यूल, मल्टीलेयर पीसीबी जैसे कॉम्पोनेन्ट्स के निर्माण को बढ़ावा मिलेगा, जिससे आपूर्ति श्रृंखला मजबूत होगी और नवाचार को प्रोत्साहन मिलेगा।

प्रमुख सचिव अनुराग यादव ने बताया कि पिछले 8 वर्षों में देश में इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। 2015 में जहां केवल 2 यूनिट मोबाइल बनाती थीं, आज 300 यूनिट्स कार्यरत हैं। इलेक्ट्रॉनिक गुड्स का उत्पादन 1.9 लाख करोड़ से बढ़कर 11 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। मोबाइल फोन का निर्यात 1,500 करोड़ से 2 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचा है।

यूपी इस क्रांति का केंद्र बन चुका है, जहां देश के आधे से ज्यादा मोबाइल फोन का उत्पादन होता है। यह नीति यूपी को आर्थिक विकास और आत्मनिर्भरता की नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी, साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेगी। यह नीति न केवल यूपी को ग्लोबल मैनुफैक्चरिंग हब बनाएगी, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर यूपी की आत्मनिर्भरता को भी मजबूत करेगी। नीति के तहत 5,000 करोड़ रुपए का अनुमानित व्यय होगा, जिससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के लाखों अवसर सृजित होंगे। यह कदम यूपी को निवेश का पसंदीदा गंतव्य बनाने और औद्योगिक विकास को गति देने में महत्वपूर्ण साबित होगा।

कैबिनेट ने पारिवारिक संपत्ति के बंटवारे के लिए विभाजन विलेख पर स्टाम्प शुल्क और रजिस्ट्रेशन फीस को अधिकतम 5,000 रुपए तक सीमित करने का ऐतिहासिक फैसला लिया। वर्तमान में विभाजन विलेख पर 4 प्रतिशत स्टाम्प शुल्क और 1 प्रतिशत रजिस्ट्रेशन फीस लागू है, जो संपत्ति के मूल्य पर आधारित है। इसकी वजह से लोग बंटवारा विलेख रजिस्टर कराने से हिचकते हैं, जिससे दीवानी और राजस्व न्यायालयों में मुकदमों की संख्या बढ़ रही है। नई व्यवस्था से पारिवारिक विवाद कम होंगे और संपत्ति का सौहार्दपूर्ण बंटवारा संभव होगा। इससे राजस्व विभाग के खतौनी/अधिकार अभिलेख अद्यतन होंगे और सम्पत्ति बाजार में आसानी से उपलब्ध होगी। हालांकि, इस छूट से अनुमानित 5.58 करोड़ रुपए का स्टाम्प शुल्क और 80.67 लाख रुपए का रजिस्ट्रेशन शुल्क राजस्व नुकसान हो सकता है, लेकिन रजिस्ट्रेशन की संख्या बढ़ने से दीर्घकाल में राजस्व में वृद्धि होगी। तमिलनाडु, कर्नाटक, राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में ऐसी व्यवस्था पहले से लागू है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

संपादकीय

पीएम का ट्रंप को संदेश

प्रधानमंत्री मोदी ने अमरीका और राष्ट्रपति ट्रंप का नाम नहीं लिया, लेकिन संरक्षणवाद, एकाधिकारवाद और वर्चस्ववाद के खिलाफ आवाज बुलंद की। उन्होंने इनके खात्मे की बात कही, क्योंकि वैश्विक, लोकतांत्रिक, कूटनीतिक व्यवस्था में ये उचित नहीं हैं। यकीनन प्रधानमंत्री मोदी का संदेश 'व्हाइट हाउस' तक पहुंच गया होगा, क्योंकि प्रधानमंत्री ने अमरीका की नीतियों पर कड़े प्रहार किए थे। इसके अलावा, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि अमरीका को शीत युद्ध वाली मानसिकता छोड़ देनी चाहिए। अमरीका दूसरे देशों को धमकाना भी छोड़ दे। विश्व के परिदृश्य और समीकरण बदल रहे हैं। सोमवार, 1 सितंबर, 2025 का सबसे महत्वपूर्ण और आकर्षक चित्र मोदी, पुतिन, जिनपिंग की अंतरंग मुलाकात का रहा, जिसे क्रेमलिन और बीजिंग ने भी जारी किया। भारत के टीवी चैनलों पर सुबह के प्रसारण में यह वीडियो छाया रहा। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन की द्विपक्षीय वार्ता भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हालांकि मोदी, पुतिन, जिनपिंग की मुलाकात संक्षिप्त थी, लेकिन 'व्हाइट हाउस' को चौंका दिया गया। बेशक भारत और रूस कई दशक पुराने 'मित्र देश' हैं, लेकिन भारत-चीन के संबंधों में कई विरोधाभास और विश्वासघात हैं। उनके बावजूद 'शंघाई सहयोग संगठन' (एससीओ) के मंच पर तीन शीर्ष नेताओं की दोस्ती के नए अध्याय ने बहुत कुछ कह दिया है। हालांकि 50-52 साल के राजनय का अनुभव रखने वाले कूटनीतिज्ञों का मानना है कि एससीओ कभी भी नाटो का विकल्प नहीं हो सकता। नाटो में कई बड़े देश शामिल हैं और उसे अमरीका जैसी महाशक्ति का समर्थन भी हासिल है। नाटो का संकल्प है कि यदि एक सदस्य-देश पर हमला हुआ, तो उसका प्रतिकार सभी नाटो देश लेंगे। सभी सदस्य-देश युद्ध में कूद पड़ेंगे। नाटो के देश आपस में कई सूचनाएं (खुफिया भी) साझा करते हैं। आर्थिक और सामाजिक रूप से भी जुड़े रहते हैं, लेकिन एससीओ में भारत, रूस, चीन के अलावा अधिकांश देश छोटे और विकासशील हैं। कुछ देश गरीब भी हैं, जिनकी जिंदगी कर्ज के भरोसे है। एससीओ में ऐसा कोई साझा संकल्प पारित नहीं किया गया है, जैसा नाटो के देशों ने पारित किया है। राजनयिकों का मानना है कि यदि भारत, रूस, चीन का एक 'ईमानदार त्रिकोण' बनता है, तो वह अमरीका के लिए वाकई गंभीर चुनौती होगा, लेकिन इन देशों को हकीकत में संबंधों को बदलते और प्रगाढ़ होते दिखाना होगा। फिलहाल कोई बड़ी उम्मीद नहीं करनी चाहिए। बहरहाल यह सबसे अधिक आश्चर्यजनक रहा, जब चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग ने आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद का विरोध किया। उन्होंने आतंकवाद का तीन बार उल्लेख किया और 5000 जवानों का 'आतंकवाद निरोधी दस्ता' तैयार करने की पेशकश की। प्रधानमंत्री मोदी ने 7 बार आतंकवाद का जिक्र किया। इसी मुद्दे पर एससीओ के रक्षा मंत्रियों की बैठक में 'साझा बयान' तैयार नहीं किया जा सका था, क्योंकि आतंकवाद का मुद्दा गायब था और हमारे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया था। अब जिनपिंग ने आतंकवाद का मुद्दा खास तौर पर रखा है, बल्कि आतंकवाद पर भारत का सहयोग करने का आश्वासन भी दिया है। दुनिया जानती है कि चीन और पाकिस्तान के संबंध कैसे हैं? 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद हमारे उप सेना प्रमुख जनरल राहुल आर. सिंह ने एक सार्वजनिक मंच से कहा था कि पाकिस्तान के साथ लड़ाई दिखावटी थी। हालांकि हमें चीन से संघर्ष करना पड़ा था और हमने चीन को भी पराजित करके दिखाया। पाकिस्तान पर चीन का अरबों डॉलर का कर्ज है। इकॉनोमिक कॉरिडोर भी बनाया जा रहा है। एससीओ में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी शामिल थे। यह दीगर है कि प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने उन्हें पूरी तरह अनदेखा किया। जिनपिंग के साथ प्रधानमंत्री मोदी की लंबी बातचीत से स्पष्ट हुआ है कि भारत 'रणनीतिक स्वायत्तता' के पक्ष में है। चीन ने अपना रवैया बदल कर सहयोगात्मक करने का वायदा किया है।

प्रधानमंत्री मोदी का संदेश 'व्हाइट हाउस' तक पहुंच गया होगा, क्योंकि प्रधानमंत्री ने अमरीका की नीतियों पर कड़े प्रहार किए थे। इसके अलावा, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि अमरीका को शीत युद्ध वाली मानसिकता छोड़ देनी चाहिए। अमरीका दूसरे देशों को धमकाना भी छोड़ दे। विश्व के परिदृश्य और समीकरण बदल रहे हैं। सोमवार, 1 सितंबर, 2025 का सबसे महत्वपूर्ण और आकर्षक चित्र मोदी, पुतिन, जिनपिंग की अंतरंग मुलाकात का रहा, जिसे क्रेमलिन और बीजिंग ने भी जारी किया। भारत के टीवी चैनलों पर सुबह के प्रसारण में यह वीडियो छाया रहा। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन की द्विपक्षीय वार्ता भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हालांकि मोदी, पुतिन, जिनपिंग की मुलाकात संक्षिप्त थी, लेकिन 'व्हाइट हाउस' को चौंका दिया गया। बेशक भारत और रूस कई दशक पुराने 'मित्र देश' हैं, लेकिन भारत-चीन के संबंधों में कई विरोधाभास और विश्वासघात हैं। उनके बावजूद 'शंघाई सहयोग संगठन' (एससीओ) के मंच पर तीन शीर्ष नेताओं की दोस्ती के नए अध्याय ने बहुत कुछ कह दिया है। हालांकि 50-52 साल के राजनय का अनुभव रखने वाले कूटनीतिज्ञों का मानना है कि एससीओ कभी भी नाटो का विकल्प नहीं हो सकता। नाटो में कई बड़े देश शामिल हैं और उसे अमरीका जैसी महाशक्ति का समर्थन भी हासिल है।

भारत की तुलना पाकिस्तान से करके न सिर्फ अमेरिका ने गलती की है बल्कि अब उन्हें पश्चाताप का अवसर भी मिलने वाला नहीं

अपने ही बुने जाल में फंसे डोनाल्ड ट्रंप

सदानन्द पाण्डेय

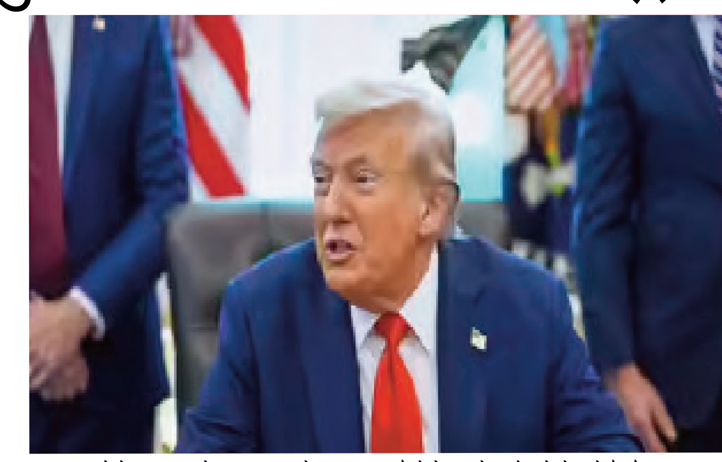

अमेरिकी अर्थशास्री प्राोपेसर रिचर्ड डेविड वूल्फ ने चूहे और हाथी की तुलना करके कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का 50 प्रातिशत टैरिफ उस चूहे की तरह है जो भारत की हाथी जैसी अर्थव्यवस्था को मुक्का मार रही है तो इसे उतना महत्व नहीं दिया गया जितना दिया जाना चाहिए था। प्राोपेसर रिचर्ड डेविड वूल्फ एक अमेरिकी अर्थशास्त्री हैं जो आर्थिक पद्धति और वर्ग विश्लेषण पर अपने काम के लिए जाने जाते हैं। वह मेसाचुसेट्स एमहस्ट विश्वविद्यालय में प्राोपेसर एमिरेट्स हैं। प्राोपेसर वूल्फ ने इस आधार पर यह उपमा दी थी कि अमेरिका विश्व आर्थिकी में अमेरिका की अगुवाई वाले ब्लाक जी-7 का योगदान 28 प्रातिशत रह गया है जबकि ब्रिक्स जिसमें भारत और चीन हैं उसका योगदान 35 प्रातिशत हो गया है।

ट्रंप टैरिफ से भारतीयों को परेशान होने की जरूरत नहीं है बल्कि इस बात के लिए गर्व करने की जरूरत है कि पैर खींचने वाला कोईं एक है तो हाथ पकड़कर आगे बढ़ने वालों की कतार लगी पड़ी है। विश्व की बदलती इस व्यवस्था की जब भी समीक्षा होगी तो भारत और प्राधानमंत्री मोदी का उल्लेख अवश्य होगा। अमेरिकी अर्थशास्री प्राोपेसर रिचर्ड डेविड वूल्फ ने चूहे और हाथी की तुलना करके कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का 50 प्रातिशत टैरिफ उस चूहे की तरह है जो भारत की हाथी जैसी अर्थव्यवस्था को मुक्का मार रही है तो इसे उतना महत्व नहीं दिया गया जितना दिया जाना चाहिए था। प्राोपेसर रिचर्ड डेविड वूल्फ एक अमेरिकी अर्थशास्त्री हैं जो आर्थिक पद्धति और वर्ग विश्लेषण पर अपने काम के लिए जाने जाते हैं। वह मेसाचुसेट्स एमहस्ट विश्वविद्यालय में प्राोपेसर एमिरेट्स हैं। प्राोपेसर वूल्फ ने इस आधार पर यह उपमा दी थी कि अमेरिका विश्व आर्थिकी में अमेरिका की अगुवाईं वाले ब्लाक जी-7 का योगदान 28 प्रातिशत रह गया है जबकि ब्रिक्स जिसमें भारत और चीन हैं उसका योगदान 35 प्रातिशत हो गया है। यही 7 प्रातिशत का अन्तर अमेरिका के लिए बहुत भारी पड़ने वाला है। क्योंकि 2026 में ब्रिक्स का नेतृत्व भारत करेगा और यदि ट्रंप का भारत, चीन, रूस और अन्य ब्रिक्स सदस्य देशों के साथ इसी तरह का असय व्यवहार रहा तो डालर में व्यापार का विकल्प खोज कर अमेरिकी बादशाहत को ठेंगा दिखा देगा ब्रिक्स। अर्थशास्त्र में अमेरिकी राष्ट्रपति कितने फिसड्डी हैं, इस बात का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि वह जिस भारतीय अर्थव्यवस्था को मृत बता चुके थे उसने 7.8 प्रातिशत की प्रात्याशित उछाल से साबित कर दिया कि भारत की तुलना पाकिस्तान से करके न सिर्प अमेरिका ने गलती की है बल्कि अब उन्हें पाताप का अवसर भी मिलने वाला नहीं है। 2025 में शंघाईं सहयोग संगठन की बैठक चीन में ऐसे वक्त में हो रही है जहां अमेरिका विरोधी आर्थिक नीतियों का विश्लेषण और निष्कर्ष निकालने पर जो विचार हो रहा है वह अमेरिका को ही वेंद्र में रखकर हो रहा है । अपने खिलाफ स्वरिय विश्व शक्तियों के साथ भारत को धकेल कर ट्रंप ने जो गलती की उसका लाभ उठाने में यदि भारत ने देर नहीं की तो यह भारतीय नेतृत्व की सूझबूझ का ही परिणाम है। भारत चाहे तो ट्रंप के टैरिफ का जवाब दे सकता है किन्तु वह मात्र इसलिए वुछ नहीं कर रहा है कि दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी है और जो लोग आज भारत के समर्थन में हैं, वे भी चाहते हैं कि भारत समय की प्रातीक्षा करे। भारत की अगुवाईं में 2026 का ब्रिक्स अमेरिका के लिए इतना घातक होगा कि ट्रंप को अमेरिकी अर्थशास्त्री उनकी ऐतिहासिक भूल के लिए सदैव स्मरण करेंगे। रूस और चीन तो ब्रिक्स मुद्रा निर्धारण के लिए पहले से ही उधेड़ बुन में लगे हुए थे किन्तु भारत, ब्राजील और दक्षिण अप्रीका के नेताओं ने ऐसा न करने के लिए सुझाव दिया था। अब डालर विमुद्रीकरण में कोईं बाधा नहीं है क्योंकि भारत खुद ही इसकी अगुवाईं करने वाला देश बन चुका है। अमेरिका भारत का शत्रु नहीं है किन्तु ट्रंप जैसा व्यवहार कर रहे हैं वह शत्रु जैसा ही है। इसलिए भारत के लिए आवश्यक है कि वह अपनी अर्थव्यवस्था के हितों के लिए फिलहाल अमेरिकी मोहपाश से निकल कर रणनीति बनाए। अमेरिका के साथ यूरोपियन यूनियन की एकजुटता उसकी सबसे बड़ी ताकत थी किन्तु भारत ने यूरोपियन यूनियन और ब्रिटेन के साथ कर मुक्त समझौता (एफटीए) करके वह बाधा भी दूर कर दी जिसका डर ट्रंप दिखा सकते थे। सच तो यह है कि आज राष्ट्रपति ट्रंप ने जो वुछ भी वूटनीतिक फरेबी जाल बुना है वह चीन के खिलाफ है! अमेरिकी राजनीति में जब डेमोव्र्रेट जीतते हैं तो वे रूस के विरोध में हो जाते हैं और चीन समर्थन करते हैं किन्तु जब रिपब्लिकन सत्ता में आते हैं तो वे रूस को अपना सहयोगी मानते हैं और चीन पर निशाना साधते हैं। एक सच्चाईं ये भी है कि भारत और चीन के बीच संबंधों में कड़वाहट का कारण पाकिस्तान है। इस समय प्राधानमंत्री मोदी ने एससीओ सम्मेलन में पाकिस्तान के सामने ही आतंकवाद के संरक्षकों की फजीहत की और पहलगाम के सूत्रधारों की फजीहत कर दी। यही नहीं जारी हुए प्रास्ताव में पहलगाम की घटना की निन्दा की गईं जिस पर चीन के भी हस्ताक्षर हैं। अमेरिका ने बड़ी चालाकी से पाकिस्तान के आमा चीफ की पीठ पर हाथ रखकर उसके देश को चीन से दूरी बनाने का संदेश दे दिया। हमेशा की तरह इस बार जब चीन ने भारत के नजदीक आना चाहा तो पाकिस्तान टांग नहीं अड़ा पाया। चीन लाइन ऑफ वंट्रोल को अंतर्राष्ट्रीय सीमा मानने को तैयार है तो इसका मतलब साफ है कि उसे इस बात का एहसास हो गया है कि ट्रंप चीन के खिलाफ किसी भी हद तक जा सकते हैं इसलिए उसे उपभोक्ता आधारित अर्थव्यवस्था वाले भारत के साथ पार्टनरशिप में काम करना फायदेमंद रहेगा। असल में ट्रंप ने बहुत बड़ी गलती यह कर दी कि जो उनके मित्र देश हैं, उन्होंने उन्हें ही टैरिफ टेरर का शिकार बनाने की सोच लिया। सबसे पहले कनाडा को डराया-धमकाया तो वह छिटक गया। फिर जापान को निशाना बनाया। आस्ट्रेलिया को भी नहीं छोड़ा। लेकिन दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ने तो ट्रंप को खूब जलील किया। इस तरह सभी मित्र देशों ने ट्रंप की धृष्टता को बर्दाश्त कर लिया किन्तु भारत ने ट्रंप को नसीहत देने की ठानी तो सारी पोल पट्टी खुलती चली गईं। अब जब जापान को लगा कि भारत ट्रंप टैरिफ के खिलाफ अभियान की अगुवाईं कर रहा है तो उसने भी जो वादा ट्रंप से किया था उससे पीछे हट गया। असल में जब ट्रंप ने जापान पर टैरिफ बढ़ाने की बात की तो जापान ने कहा कि वह अमेरिका में 5.5 लाख करोड़ डालर का निवेश करेगा। इसलिए उस पर टैरिफ न लगाएं। ट्रंप ने यहां भी चतुराईं दिखा दी। उन्होंने कहा ठीक है, किन्तु शुद्ध लाभ का 90 प्रातिशत अमेरिका का होगा। जापान तुरन्त पीछे हट गया और निवेश की बात को टाल दिया। ऐसा नहीं है कि भारत सहित अमेरिका के मित्र राष्ट्रों को उस देश से किसी तरह की कटुता है किन्तु ट्रंप के व्यवहार से सभी नाराज हैं और दूसरे विकल्पों पर विचार के लिए विवश हैं। अमेरिकी जनता से भारत को समर्थन मिल रहा है किन्तु 50 प्रातिशत टैरिफ का बोझ लेकर यदि विकल्पों की तलाश में भारत पीछे रह गया तो इतनी बड़ी जनसंख्या की आकांक्षाओं का क्या होगा! ट्रंप की नासमझी का क्या होगा! ट्रंप की नासमझी का शिकार यदि अमेरिकी नागरिक हो रहे हैं तो यह उनकी समस्या है। जिन वस्तुओं पर ट्रंप टैरिफ बढ़ा हुआ है, भारतीय निर्यातक उन्हें नहीं भेजेंगे उनके लिए भारत सरकार यूरोप, अप्रीका और खाड़ी के देशों में बाजार का विकल्प उपलब्ध करा रही है। ट्रंप टैरिफ के बाद तात्कालिक परेशानियों से इंकार तो नहीं किया जा सकता। वर्षों से स्थापित सिस्टम जब एक बार बिगड़ता है तो काफी परेशानी होती है किन्तु भारत में देखा गया है कि व्यवसायी वर्ग अत्याधिक राष्ट्र भक्त और स्वाभिमानी हो चुका है। वह देख रहा है कि उसके निर्यात के लिए सरकार दूसरे देशों में बाजार की व्यवस्था कर रही है तभी वह अपनी सरकार के खिलाफ विपक्षी पार्टियों, उनके भोंपुओं और ढिढोरचियों के भड़काने के बावजूद वुछ बोलने के बजाए ट्रंप के खिलाफ प्रादर्शन कर रहे हैं। हमारे देश के निर्यातकों ने भारत सरकार से अनुरोध किया कि वह उनकी मदद करें ताकि उन्हें अमेरिका को निर्यात करने की जरूरत ही न पड़े। भारत सरकार ने निर्यातकों को इस आशय का आश्वासन भी दिया है।

देश दुनिया से

हाथी और ड्रैगन का साथ आना जरूरी- लेकिन भरोसा बड़ी चीज है

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रवैए से त्रस्त दुनिया के कई देशों की नजरें इस बार चीन के तियानजिन शहर में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (SCO) की बैठक पर लगी हुई थी। क्योंकि इस बैठक के दौरान दुनिया के 3 ताकतवर देशों- भारत, रूस और चीन के राष्ट्राध्यक्षों की मुलाकात भी होनी थी और साथ ही अलग-अलग द्विपक्षीय बैठक भी तय थी। खासतौर से दुनियाभर की निगाहें इस बात पर टिकी हुई थी कि भारत और चीन के आपसी संबंधों में क्या बदलाव आने वाला है। चीन के तियानजिन शहर में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक भी हुई। बैठक के दौरान अलग से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात भी हुई और दोनों नेताओं के साथ पीएम मोदी ने अलग-अलग प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक भी की। पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बहुत ही अच्छे माहौल में द्विपक्षीय बैठक हुई। बैठक के दौरान दोनों देशों के साथ आने की बात कहते हुए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा, ₹दुनिया बदलाव की ओर बढ़ रही है। चीन और भारत दुनिया की दो सबसे प्राचीन सभ्यताएं हैं। हम दोनों दुनिया के सबसे ज़्यादा आबादी वाले देश हैं और ग्लोबल साउथ का हिस्सा हैं। दोस्त बने रहना, अच्छे पड़ोसी होना, ड्रैगन और हाथी का साथ आना बहुत ज़रूरी है।₹ जिनपिंग की ये तमाम बातें सुनने में भले ही बहुत अच्छी लगती हो लेकिन कड़वी हकीकत तो यही है कि दोनों देशों के बीच जारी तनाव को कम करने के लिए चीन के राष्ट्रपति ने जमीनी स्तर पर कोई ठोस कदम उठाने का ऐलान नहीं किया। जबकि पिछले महीने ही भारत की यात्रा पर आए चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ बातचीत में दोनों देशों के आपसी रिश्तों को सुधारने के लिए 10 सूत्रीय एजेंडे पर सहमति बनी थी। ऐसे में यह अनुमान लगाया जा रहा था कि इस 10 सूत्रीय एजेंडे के तहत चीन के राष्ट्रपति पीएम मोदी से मुलाकात के दौरान सीमा पर शांति एवं स्थिरता बनाए रखने, चीनी सेना को बॉर्डर से पीछे हटाने और विश्वास बहाली के तहत कुछ महत्वपूर्ण घोषणाएं कर सकते हैं, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। भारत के अभिन्न अंग लद्दाख में भारत-चीन सीमा पर 2020 से पहले की स्थिति अभी तक बहाल नहीं हो पाई है। सीमा पर पूरी तैयारी और साजो-सामान के साथ चीन ने 50 हजार से ज्यादा की फौज को तैनात कर रखा है। चीन ने अरुणाचल प्रदेश के कई इलाकों का मंदारिन में नामकरण करके भी अपने नापाक इरादों को जाहिर कर दिया है। इतना ही नहीं, आतंकवाद की फैक्ट्री बन चुके पाकिस्तान की पीठ पर भी चीन का हाथ बना हुआ है। भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान भी चीन पूरी तरह से पाकिस्तान के साथ ही खड़ा नजर आया। तियानजिन शहर में जिनपिंग ने भारत के साथ संबंधों को लेकर शब्दों से एक माहौल बनाने की कोशिश तो की लेकिन यह सभी जानते हैं कि जब तक वह भारत की चिंताओं पर ठोस काम नहीं करेंगे तब तक शायद ही कोई भारतीय उन पर भरोसा कर पाएगा। अमेरिका के टैरिफ आतंकवाद से त्रस्त भारत को चीन के साथ जाने से पहले पाकिस्तान के आतंकवाद और उसे चीन द्वारा दिए जा रहे समर्थन के बारे में भी ध्यान रखना होगा। इस मौके का फायदा उठाकर चीन, न केवल भारत में निवेश और व्यापार करने की खुली छूट चाहेगा बल्कि टिकटॉक सहित 50 से ज्यादा चीनी एप्स पर भारत द्वारा लगाए गए प्रतिबंध को भी हटवाने की कोशिश करेगा। भारत के सामने कई तरह की चुनौतियां हैं, इससे इनकार नहीं किया जा सकता। लेकिन चीन का रास्ता भी पूरी तरह से साफ नहीं है। चीन ने वर्ष 2013 में अपनी महत्वाकांक्षी परियोजना बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव को धमाकेदार अंदाज में शुरू किया था लेकिन यह कई तरह के संकटों में घिर गया है। तिब्बत पर चीन के अवैध कब्जे का मामला हो या तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा के उत्तराधिकारी को चुनने का मामला हो या फिर ताइवान को लगातार धमकाने का मामला हो, वास्तविकता तो यही है कि इन सभी मुद्दों का स्थायी और अंतिम समाधान भारत के बिना चीन हासिल नहीं कर सकता है। ऐसे में मोदी सरकार को हर मौके और हर मंच पर चीन को यह बताना होगा कि हाथी और ड्रैगन तभी डांस कर सकते हैं जब ड्रैगन के हाथ में किसी भी तरह का कोई खंजर नहीं होगा। क्योंकि भरोसा बड़ी चीज है, जिसे चीन ने हर बार तोड़ने का काम किया है और पाकिस्तान के रवैए से तो पूरी दुनिया ही वाकिफ है।

आप का नजरिया

वन भूमि के लिए अर्जी

आपदा से हिमाचल के रिसते जख्मों का अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि संपर्क, सडक़ और रिहाइश को अगर फिर से सामान्य बनाना है, तो हमारे हिस्से की असमर्थता सामने आ रही है। सदी की भयंकर त्रासदी ने साबित कर दिया कि कहां-कहां हमारे कदम गलत थे या अपने बचाव में कम थे। आपदा ने सैकड़ों लोगों को विस्थापित कर दिया है। अब विस्थापन की लकीरें इतनी फैल चुकी हैं कि अस्तित्व की जमीन खोजने के लिए वन भूमि का आश्रय जरूरी है। यूं तो हमने इन्हीं कालमों में हिमाचल के अस्तित्व के लिए बार-बार जंगल की मिलकीयत में प्रदेश की हस्ती खोजी है, लेकिन नकली पर्यावरण संरक्षण के नारों ने हकीकत की कब्र खोद दी। पर्यावरण संरक्षण को हमने वन भूमि के आवरण में इतना फैला दिया कि प्रदेश की कुल जमीन का लगभग 70 फीसदी हिस्सा हमारे अस्तित्व से छिटक कर जंगलों की बाड़बंदी के सख्त पहरे में चला गया। जो सराज में हुआ या जो प्रदेश के हर भाग में हो रहा है, उसके पुनर्वास के लिए प्रति परिवार एक बीघा जमीन भी दें, तो हम असमर्थ धरती पर खड़े ऐसे अनूठे पहरेदार हैं, जो अपने अस्तित्व के छिन्न-भिन्न परिदृश्य में वंचित हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में अब एफसीए में संशोधन की जरूरत की अर्जी सुप्रीम कोर्ट में लगाई जा रही है। यह अहम मोड़ है जब जंगल में फंसी बंजर एवं वेस्ट लैंड की परिभाषा को दुरुस्त करवा कर हिमाचल अपने हित की पैरवी करेगा। पर्यावरण संरक्षण के नाम पर बने अधिनियम ने हमारी सांसें इस कद्र रोक रखी हैं कि राज्य की इच्छाशक्ति भी अनुमतियों के जंगल में भटक जाती है। राज्य के राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी आपदा के भीषण पन्नों को मिटाने और पुनर्वास का मुकम्मल खाका बनाने के लिए एफसीए एक्ट की गांठों को ढीला कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट में जाने की योजना को सांझा कर रहे हैं। कांगड़ा-चंबा के सांसद डा. राजीव भारद्वाज भी इसी विषय की अहमियत का दायरा बड़ा करते हुए मामले को केंद्र सरकार के पास ले जाने का पक्ष रखते हैं। अब कहीं मालूम हुआ कि जहां दरियाई घोड़े दौड़ रहे थे, वहां सूखा पड़ा था यानी जिस जंगल को हमने तकदीर माना, वही हमारी मुसीबतों के आड़े आ गया। यहां पुनर्वास के लिए चंद बीघा जमीन की जरूरत नहीं, बल्कि सामाजिक जीवन, प्रदेश के भविष्य और आपदा चुनौतियों का रेखांकन बता रहा है कि आने वाले समय में प्रभावित लोगों, व्यापार, जीने के ढांचे और राहत की जरूरतों के लिए ऐसी नीति और रियायतों की बाट जोहनी पड़ेगी, जो वन भूमि की वर्तमान कुंडलियों को सरल व सहज बनाए। अब मालूम हुआ कि हमने विभिन्न कारणों से प्रदेश की भूमि को जाया किया। जंगल-जंगल करते हमने वेस्ट लैंड और बंजर भूमि भी पर्यावरण संरक्षण के नाम पर कुर्बान कर दी। हमारे पड़ोसी पंजाब व हरियाणा ने पांच प्रतिशत से भी कम भूमि को वनों की अमानत होने दिया, जबकि हमने तकरीबन 70 प्रतिशत जमीन का परचा जंगल के नाम लिख दिया। यही नहीं नौतोड़ भूमि के आबंटन तथा लैंड सीलिंग के परिदृश्य ने खेत, खेती और खेतिहर समाज के दर्पण में सुराख कर दिए। नतीजतन आधुनिक विकास, जीवन शैली में आए परिवर्तन, निर्माण में आई आधुनिक मशीनरी तथा बदलती परिवहन सेवाओं ने भूमि की उपयोगिता बढ़ा दी। जंगल तो कई समतल घाटियों को रोक चुके थे, जबकि सामुदायिक भूमि गायब हो गई। ऐसे में लैंड सीलिंग कानून ने जमीन और जमींदार को ऐसे मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया, जहां आपस में बंटे भूभाग की तलाश में ढलानें, चट्टानें और नदी-नालों के मुहाने नवनिर्माण में टूटने लगे। अगर सारी सुरक्षित जमीन या जमीन की सुरक्षा में वन ही पैदा करने थे, तो यह भी सोचना चाहिए था कि आम जनता के हिस्से में रहेगा क्या। हम एक तो यह सुझाव देंगे कि वन और शेष प्रदेश के बीच लैंड की पूलिंग करके इसे पचास : पचास प्रतिशत की दर में बांटा जाए। असुरक्षित जमीन जंगल में जाए, जबकि जंगलों के तहत मैदानी इलाके वापस मिल जाएं।

सदी की भयंकर त्रासदी ने साबित कर दिया कि कहां-कहां हमारे कदम गलत थे या अपने बचाव में कम थे। आपदा ने सैकड़ों लोगों को विस्थापित कर दिया है। अब विस्थापन की लकीरें इतनी फैल चुकी हैं कि अस्तित्व की जमीन खोजने के लिए वन भूमि का आश्रय जरूरी है। यूं तो हमने इन्हीं कालमों में हिमाचल के अस्तित्व के लिए बार-बार जंगल की मिलकीयत में प्रदेश की हस्ती खोजी है, लेकिन नकली पर्यावरण संरक्षण के नारों ने हकीकत की कब्र खोद दी। पर्यावरण संरक्षण को हमने वन भूमि के आवरण में इतना फैला दिया कि प्रदेश की कुल जमीन का लगभग 70 फीसदी हिस्सा हमारे अस्तित्व से छिटक कर जंगलों की बाड़बंदी के सख्त पहरे में चला गया। जो सराज में हुआ या जो प्रदेश के हर भाग में हो रहा है, उसके पुनर्वास के लिए प्रति परिवार एक बीघा जमीन भी दें, तो हम असमर्थ धरती पर खड़े ऐसे अनूठे पहरेदार हैं, जो अपने अस्तित्व के छिन्न-भिन्न परिदृश्य में वंचित हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में अब एफसीए में संशोधन की जरूरत की अर्जी सुप्रीम कोर्ट में लगाई जा रही है। यह अहम मोड़ है जब जंगल में फंसी बंजर एवं वेस्ट लैंड की परिभाषा को दुरुस्त करवा कर हिमाचल अपने हित की पैरवी करेगा।

कुछ अलग

एक कुत्ता प्रेमी से मुलाकात

मैं बस लेने के लिए बस अड्डे पर पहुंचा ही था कि मेरी नजर एक सज्जन पर पड़ी जो अपने सहयोगी के साथ एक बैनर टांगने की कोशिश कर रहे थे। जब बैनर टंग गया तो उनका संदेश साफ पढ़ा जा सकता था। उस पर कुत्तों को बचाने की अपील थी। मैं सोचने लगा कि जिस देश में आजकल आदमियों को बचाने की अपील की जानी चाहिए, वहां कुत्ते सौभाग्यशाली हैं कि श्वान प्रेमी उन्हें बचाने की अपील करते हुए सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गए। पर आम आदमी को राजनीतिक दलों या उनके आनुषंगिक संगठनों के लोग, जैसे गौरक्षक, धर्म रक्षक, भाषा रक्षक वगैरह कहीं भी लतिया या पीट सकते हैं या गौमांस लाने-ले जाने या उसकी तस्करी के शक, धर्म या भाषा के अपमान का हवाला देकर जान से भी मार सकते हैं। लेकिन कुत्ते किस्मत वाले हैं कि कुत्ता प्रेमी उनके लिए राष्ट्रीय स्तर पर संगठित हो गए। मुझे लगा कि ऐसे विकट समय में आदमी से कुत्ता होना बेहतर है, भले गली का ही क्यों न हो। फिर कहावत भी है कि हर कुत्ता अपनी गली में शेर होता है। मैं सोच रहा था कि मेरे भाग्य में किसी गली की जगह अगर बड़े घर का कुत्ता होना लिखा होता, तो मैं बस अड्डे पर बस लेने के लिए क्यों आता। किसी निजी या सरकारी गाड़ी में घूम रहा होता। सरकारी गाड़ी में घूमने पर न केवल जान की सुरक्षा की गारंटी होती, बल्कि निजता का हनन भी न होता। अगर मुख्यमंत्री की गाड़ी में घूमता और कोई शहरी मेरा वीडियो वायरल कर देता तो एसपी उसे थाने बुलाकर सूत देता और तब तक नहीं छोड़ता जब तक वह माफी मांगते हुए वीडियो डिलीट न कर देता।

दृष्टि कोण

भारत को स्वदेशी के साथ आगे बढना चाहिए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से स्पष्ट शब्दों में कहा : स्वदेशी को अपनाने का समय आ गया है। जो 'मेक इन इंडिया' से शुरू हुआ, आत्मनिर्भर भारत के आह्वान में विकसित हुआ, अब स्वदेशी के गहन और समग्र विचार की ओर बढ़ रहा है। यह केवल एक नारा नहीं है। यह एक सभ्यतागत अनिवार्यता है। यह सही है कि भारत चीन की उपेक्षा नहीं कर सकता, लेकिन उस पर भरोसा भी नहीं कर सकता। बीजिंग के साथ हमारा व्यापार घाटा हर साल 100 अरब डॉलर को पार कर जाता है। वर्तमान में, हमारे दो-तिहाई से ज्यादा सौर मॉड्यूल, हमारी 70 फीसदी से ज्यादा दवा सामग्री और अरबों डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक्स सीमा पार से आते हैं। ये सिर्फ संख्याएं नहीं हैं, ये कमजोरियां हैं। चीनी बंदरगाहों से आने वाला हर कंटेनर जहाज चीन पर हमारी निर्भरता की याद दिलाता है। इसी संदर्भ में, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री मोदी की आगामी चीन यात्रा को देखा जाना चाहिए। उनकी वहां उपस्थिति कोई रियायत नहीं, एक बयान है। भारत बातचीत करेगा, लेकिन स्पष्टता और विश्वास की स्थिति से। बातचीत का मतलब निर्भरता नहीं है। बातचीत का मतलब राष्ट्रीय हितों को कमजोर करना नहीं है। संदेश सीधा है : भारत जहां तक संभव हो, सहयोग चाहता है, लेकिन अपनी आर्थिक संप्रभुता से कभी समझौता नहीं करेगा। हाल के अध्ययन, जिनमें अंतरराष्ट्रीय आर्थिक समझ परिषद (सीआईइयू) द्वारा तैयार भारत के भू-आर्थिक ढांचे में चीन अध्ययन के लिए रणनीतिक अनिवार्यता भी शामिल है, इस खतरे को रेखांकित करते हैं। ये अध्ययन इस बात पर प्रकाश डालते हैं कि कैसे चीन का राज्य-प्रधान मॉडल- औद्योगिक अति-क्षमता, डंपिंग, सबसिडी और वित्तीय इंजीनियरिंग- बाजारों को विकृत करता है और भारत के विनिर्माण आधार के लिए खतरा पैदा करता है। ये अध्ययन फार्मास्यूटिकल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वच्छ ऊर्जा में चीनी इनपुट पर हमारी खतरनाक निर्भरता की ओर भी इशारा करते हैं, और चेतावनी देते हैं कि संकट के समय ऐसी महत्वपूर्ण वस्तुओं तक पहुंच को आसानी से हथियार बनाया जा सकता है। ये जानकारियां एक बात बिल्कुल स्पष्ट करती हैं : भारत प्रतिक्रियात्मक रुख नहीं अपना सकता, उसे स्वदेशी पर आधारित एक सक्रिय सिद्धांत अपनाना होगा। चीन के दृष्टिकोण के विपरीत, स्वदेशी साम्राज्यवादी नहीं है। यह ऋण या जबरदस्ती के माध्यम से दूसरों पर हावी होने की कोशिश नहीं करता। हमारा स्वदेशी 'वसुधैव कुटुम्बकम' (दुनिया एक परिवार है) के सिद्धांत पर आधारित है। हमारा दृष्टिकोण देश में आत्मनिर्भरता और विदेश में निष्पक्ष, सहयोगात्मक साझेदारी का है। यह भारत में न केवल अपने लिए बल्कि विश्व के लिए भी उत्पादन करने के बारे में है, जो लचीलेपन और सम्मान को मजबूत करता है। वैश्विक स्तर पर, स्थिति बदल रही है। टैरिफ का हथियारीकरण, जो ट्रम्प की पहली पारी में स्पष्ट हुआ और अब वैश्विक व्यापार का एक अभिन्न अंग बन गया है, ने सरकारों और व्यवसायों को अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर दिया है। विभिन्न क्षेत्रों में, कंपनियां चीन के विकल्प तलाश रही हैं। जहां कई लोग इसे 'चीन प्लस वन' कहते हैं, वहीं भारत को एक बड़े विचार को आगे बढ़ाना होगा : भारत प्लस अनेक। भारत के पास विनिर्माण, प्रौद्योगिकी और सेवाओं का एक विश्वसनीय केंद्र बनने के लिए पर्याप्त पैमाना, प्रतिभा और सभ्यतागत लोकाचार है। इस अवसर का लाभ उठाने के लिए, हमें घरेलू क्षमताओं को और मजबूत करना होगा। सरकार ने पहले ही महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, हाल ही में शुरू किया गया राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन, और व्यापार धोखाधड़ी को रोकने के लिए नियमों में संशोधन। ये उपाय, आसियान मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के भीतर भारत की पुनर्वार्ता और यूरोपीय संघ के साथ नए जुड़ाव के साथ, व्यापार नीति को राष्ट्रीय हित के अनुरूप बनाने की इच्छा को दर्शाते हैं। लेकिन अभी और भी बहुत कुछ करने की आवश्यकता है।

उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन विशेष बख्तरबंद ट्रेन में सवार होकर बीजिंग रवाना, विक्ट्री डे परेड में जिनपिंग व पुतिन के साथ दिखेंगे

प्योंगयांग,02 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन, भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अपनी विशेष बख्तरबंद ट्रेन में सवार होकर प्योंगयांग से चीन के लिए मंगलवार को रवाना हो गए। वे बीजिंग में बुधवार को होने वाली विक्ट्री डे परेड में हिस्सा लेंगे। चीन के इस परेड में किम जोंग उन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ एक मंच पर नजर आएंगे।

उत्तर कोरिया स्टेट मीडिया कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के मुताबिक कोरियाई वर्कर्स पार्टी के महासचिव और कोरियाई लोकतांत्रिक जनवादी गणराज्य के राज्य मामलों के अध्यक्ष किम जोंग उन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर विक्ट्री डे की 80वीं वर्षगांठ समारोह में भाग लेने के लिए 1 सितंबर को अपनी ट्रेन से प्योंगयांग से रवाना हुए। उनकी ट्रेन 2 सितंबर की सुबह सीमा पार कर गई। किम जोंग के साथ कोरियाई पीपुल्स पार्टी की केंद्रीय समिति और डीपीआरके सरकार के प्रमुख अधिकारी यात्रा कर रहे हैं। उनकी यात्रा में 24 घंटे तक का समय लग सकता है और वे मंगलवार को बीजिंग पहुंचेंगे।

उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन ने बीजिंग की यात्रा के लिए एक घंटे की उड़ान के विकल्प को छोड़कर प्योंगयांग से बीजिंग तक ट्रेन में लगभग 24 घंटे के सफर को चुना। किम जोंग उन की इस विशेष ट्रेन का आधिकारिक नाम- तायांग-हो- है। जिसमें अभेद्य सुरक्षा व्यवस्था के साथ शाही सुविधाएं हैं।

खास है किम जोंग उन की बख्तरबंद ट्रेन

दक्षिण कोरियाई खुफिया एजेंसियों का मानना है कि किम की निजी ट्रेन बुलेटप्रूफ खिड़कियों, अभेद्य आवरण, रडार से बचने के लिए डिजाइन किए गए विशेष जालीदार आवरण और मोर्टार से लैस है। कवच और उपकरणों से लदी, तायांग-हो लगभग 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से चलती है। शाही सुविधाएं और अभेद्य सुरक्षा व्यवस्था है। इसकी रफ्तार 50-60 किमी/घंटा तक है।

साल 2011 में उत्तर कोरिया की सत्ता पर काबिज हुए किम जोंग उन ने मार्च 2018 से सितंबर 2023 तक 8 विदेशी यात्राएं की (इनमें उनकी मौजूदा बीजिंग यात्रा शामिल नहीं है) किम ने इनमें से पाँच यात्राओं के लिए अपनी इस विशेष बख्तरबंद ट्रेन का इस्तेमाल किया है। इनमें मार्च 2018 और जनवरी 2019 में बीजिंग यात्रा और साल 2019 में हनोई, वियतनाम शिखर सम्मेलन की यात्रा शामिल है। केवल तीन विदेश यात्राओं में किम ने विमानों का इस्तेमाल किया।

न्यूज ब्रीफ

सैन्य परेड में शामिल होने बुलेट ट्रेन में बैठकर बीजिंग पहुंचे प्रधानमंत्री ओली

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली टियांजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) प्लस शिखर

सम्मेलन के बाद बीजिंग पहुंचे हैं। सैन्य परेड में शामिल होने के लिए नेपाली प्रतिनिधिमंडल ने बुलेट ट्रेन का सफर किया है। प्रधानमंत्री ओली ने अपने सोशल मीडिया साइट एक्स पर बुलेट ट्रेन के जरिए टियांजिन से बीजिंग की यात्रा करने की जानकारी दी है। बीजिंग पहुंचने पर चीनी अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री की मुलाकात चीनी उपराष्ट्रपति हान झेंग से होनी है। उपराष्ट्रपति की ओर से आयोजित राजकीय रात्रिभोज में भी नेपाली प्रतिनिधिमंडल हिस्सा लेगा। इससे पहले टियांजिन में प्रधानमंत्री ओली ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक की थी। अपनी यात्रा के अंतिम कार्यक्रम के रूप में नेपाली प्रतिनिधिमंडल 3 सितंबर को बीजिंग में फासीवाद और जापानी आक्रामकता के खिलाफ युद्ध में चीन की जीत के 80वीं वर्षगांठ समारोह में वैश्विक नेताओं के साथ शामिल होगा। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल उसी दिन नेपाल लौटेगा ।

कुदरत का कहर : कहीं भूकंप कहीं भूस्खलन, चली गई 2100 की जान

काबुल। अफगान से लेकर सुडान तक कुदरत ने ऐसा कहर बरपाया है कि यहां देखते ही देखते 2100 लोगों की जान चली गई। अफगानिस्तान में आए भूकंप में 11 सौ लोगों की मौत हो गई जबकि सुडान में भूस्खलन से 1 हजार लोगों ने जान गंवाई है। अफगानिस्तान और सुडान में आई तबाही को मिलाकर अब तक 2,100 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि हजारों घायल और बेघर हो गए हैं। यह कुदरत का कहर ऐसा है कि मानवता कराह रही है। अफगानिस्तान में 6.0 तीव्रता का भूकंप पूर्वी इलाके में काबुल के पास आया, जबकि सुडान के दारफुर क्षेत्र में भारी बारिश के बाद लैंडस्लाइड ने एक पूरा गांव ही मिटा दिया। इन आपदाओं ने न केवल जान-माल का नुकसान किया, बल्कि पहले से संकटग्रस्त क्षेत्रों में मानवीय संकट को और गहरा कर दिया है। सुडान में स्थिति और भी दिल दहला देने वाली है। सुडान लिबरेशन मूवमेंट/आर्मी ने सोमवार को एक बयान जारी कर बताया कि पश्चिमी सुडान के मार्रा माउंटेंस इलाके में एक गांव पर लैंडस्लाइड गिरा, जिसमें कम से कम 1,000 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में केवल एक व्यक्ति ही जिंदा बचा है। लैंडस्लाइड की घटना 31 अगस्त को हुई, जब लगातार कई दिनों की भारी बारिश के बाद पहाड़ी इलाके में मिट्टी खिसक गई। सुडानी आर्मी का कहना है कि पूरा गांव ही मिट्टी में दफन हो गया है, और अब वहां कुछ भी नहीं बचा। पुरुष, महिलाएं और बच्चे सभी इसकी चपेट में आए।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बाढ़ को आशीर्वाद बताया

इस्लामाबाद,02 सितंबर। पाकिस्तान का पंजाब प्रांत भीषण बाढ़ से जूझ रहा है और वहां के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ अजीबोगरीब बयान से चर्चा बटोर रहे हैं। पाकिस्तान में एक स्थानीय चैनल से बात करते हुए ख्वाजा आसिफ ने लोगों से कहा कि बाढ़ को एक आशीर्वाद के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले नागरिकों को सुझाव दिया कि बाढ़ के पानी को अपने घरों में बाल्टियों और टबों में भरकर रखना चाहिए।

रक्षा मंत्री आसिफ ने कहा, जिन लोगों ने सड़कें रोक कर दी हैं और बाढ़ जैसी स्थिति के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्हें बाढ़ का पानी अपने घर ले जाना चाहिए। उन्हें इस पानी को अपने घरों में, टबों में, झीलों में संग्रहित करना चाहिए। हमें इस जल को एक वरदान के रूप में देखना चाहिए और इसलिए इसे संग्रहित करना चाहिए। आसिफ के बयान की पाकिस्तान में आलोचना हो रही है, जबकि भारत में मजाक बन रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पंजाब प्रांत में बारिश के दौरान 33 लोगों की जान गई है। बाढ़ से 2,200 गांव प्रभावित हुए हैं और 7 लाख से अधिक निवासियों को घर खाली करने पर मजबूर होना पड़ा है। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण पंजाब के महानिदेशक इरफान अली काठिया ने बताया कि प्रांत अपने इतिहास की सबसे भीषण बाढ़ का सामना कर रहा है। सिंध के 1,657 गांवों के 16 लाख से अधिक लोग भी बाढ़ से प्रभावित हैं।

अफगानिस्तान के कुनार में विनाशकारी भूकंप से 800 से अधिक मौतें, राहत कार्य बाधित, भारत-चीन से मदद शुरू

काबुल,02 सितंबर (एजेंसियां)।

अफगानिस्तान के कुनार प्रांत में रविवार देर रात आए 6.0 तीव्रता के भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। अब तक मृतकों की संख्या 800 से अधिक हो गई है, जबकि 2800 से ज्यादा लोग घायल हैं। भूकंप का केंद्र जलालाबाद से करीब 27 किलोमीटर दूर था। इसके बाद 5.2 तीव्रता के दो झटके भी महसूस किए गए। सरकारी प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद के अनुसार, पूर्वी अफगानिस्तान में आए भूकंप में कम से कम 812 लोग मारे गए और 2,817 घायल हो गए।

पूरी बस्तियां हुईं तबाह, बचाव कार्य में मुश्किलें

तालिबान सरकार के अनुसार, नुर्गल, सावकी, वाटपुर, मनोगी, चौके और चापा दारा सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। कई गांव पूरी तरह मिट्टी में समा गए हैं। एक वरिष्ठ तालिबान अधिकारी ने बीबीसी को बताया, तबाही की कल्पना भी नहीं की जा सकती। हमारी प्राथमिकता मलबे से शव निकालना नहीं, बल्कि जिंदा बचे लोगों तक पहुंचना है। भूस्खलन और लगातार बारिश ने अधिकांश सड़कों को बंद कर दिया है, जिससे बचाव दलों को हवाई मार्ग पर निर्भर रहना पड़ रहा है। अब तक लगभग 420 घायलों और मृतकों को हेलीकॉप्टर से अस्पताल पहुंचाया गया है।

मानव संकट गहराया, अंतरराष्ट्रीय मदद धीमी

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक अफगानिस्तान पहले से ही गंभीर मानवीय संकट से जूझ रहा है, जहां आधी से ज्यादा आबादी को तुरंत मदद की जरूरत है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि अब तक किसी भी विदेशी सरकार ने सीधे तौर पर बड़ी मदद नहीं भेजी है। हालांकि, भारत ने 1,000 फैमिली टेंट काबुल भेज दिए हैं और 15 टन खाद्य सामग्री कुनार पहुंचाने की प्रक्रिया में है। साथ ही भारत ने कहा है कि मंगलवार से और अधिक राहत सामग्री भेजी जाएगी। जबकि चीन ने जरूरत के अनुसार मदद देने की घोषणा की है।

अफगान सरकार ने किया 14.6 लाख डॉलर देने का वादा

अफगान सरकार ने भूकंप से निपटने के लिए तत्काल 14.6 लाख डॉलर देने का वादा किया है। टोलोन्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, जन स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता शराफत जमान ने घोषणा की है कि सरकार ने भूकंप पीड़ितों की सहायता के लिए तत्काल सेवाओं हेतु 10 करोड़ अफगान डॉलर (14.6 लाख डॉलर) आवंटित किए हैं। अधिकारियों ने कहा कि जरूरत पड़ने पर यह राशि बढ़ाई जा सकती है। संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों ने अंतरराष्ट्रीय दानदाताओं से भूकंप से निपटने के लिए समर्थन बढ़ाने का आह्वान किया है।

दुर्गम इलाके में खतरा बढ़ा, महामारी की आशंका

यूएन के मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (यूएनओसीएचए) की अधिकारी केट कैरी ने बताया कि प्रभावित क्षेत्र पिछले 48 घंटों से भारी बारिश से जूझ रहा है, जिससे भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। मोबाइल नेटवर्क ठप होने और सड़कों के टूटने से दूरदराज के गांवों तक पहुंचना बेहद मुश्किल है।

गंजे हुए ट्रंप सोशल मीडिया पर अटकलों का दौर शुरू, लोग पूछ रहे मेडिकल ट्रीटमेंट या कुछ और

वाशिंगटन,02 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ नीति के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा चर्चित हो रहे हैं। इस बार टैरिफ के लिए नहीं बल्कि सुबह व्हाइट हाउस से बाहर निकलते वक्त उनकी कुछ नई तस्वीरें सामने आईं, जिनमें वे बेहद बदले-बदले नजर आए। सोशल मीडिया पर इन तस्वीरों ने बहस छेड़ दी है। कुछ लोग कह रहे हैं कि वे पहचान में नहीं आ रहे हैं तो कुछ ने दावा किया कि उनका सिर लगभग पूरी तरह गंजा दिख रहा है। कुछ दिनों पहले ट्रंप के हाथ पर एक काला धब्बा नजर आया था, जिसे लेकर भी ऐसे ही सवाल उठे थे। हालांकि, ट्रंप या व्हाइट हाउस की ओर से इस पर कुछ नहीं कहा गया।

पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर ट्रंप की सेहत को लेकर अटकलें लगती रही हैं। कुछ यूजर्स पहले ही अफवाह फैला चुके थे कि राष्ट्रपति का निधन हो चुका है। अब उनकी ताजा तस्वीरों ने इन चर्चाओं को और हवा दे दी है। एक्स और इंस्टाग्राम पर कई यूजर्स ने लिखा कि ट्रंप शायद किसी गंभीर बीमारी से गुजर रहे हैं और उनका इलाज चल रहा है। एक यूजर ने लिखा, वो बिल्कुल अलग इंसान लग रहे हैं। ये वही ट्रंप हैं या कोई और दूसरे ने कहा, उनके सारे बाल एक रात में कैसे चले गए यह सामान्य नहीं है।

कई राजनीतिक विश्लेषक और डॉक्टरों ने अनुमान जताया है कि बाल झड़ने, चेहरे में बदलाव और हाथ पर काले धब्बे जैसे लक्षण किसी मेडिकल ट्रीटमेंट जैसे कैंसर थेरैपी या अन्य गंभीर इलाज का नतीजा हो सकते हैं। हालांकि व्हाइट हाउस की ओर से अब तक राष्ट्रपति की सेहत पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है। गौर करने वाली बात यह भी है कि कुछ दिन पहले ही ट्रंप के हाथ पर एक काला धब्बा नजर आया था, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं। उस समय भी लोगों ने यह सवाल उठाया था कि कहीं यह किसी मेडिकल कंडीशन या इलाज का नतीजा तो नहीं। अब बालों के अचानक गायब होने और चेहरे में आए बदलाव ने इन दोनों घटनाओं को आपस में जोड़कर नई अटकलों को जन्म दे दिया है। खुद डोनाल्ड ट्रंप ने इन अटकलों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। न तो उन्होंने अपनी सेहत को लेकर कोई खुलासा किया और न ही अफवाहों का खंडन किया। इस खामोशी ने ही चर्चाओं को और तेज कर दिया है।

रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध को हुए 1286 दिन, फिलहाल नहीं दिख रहे शांति के आसार

तेल अवीव। रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध को 1286 दिन पूरे हो गए हैं। दुनिया के कई देशों ने शांति के प्रयास किए हैं लेकिन बात नहीं बन पा रही है। इसी बीच अमेरिका ने प्रतिबंध बढ़ाने की धमकी दी है। चीन में हुए एससीओ समिट में भी ये मुद्दा उठा और एक बार फिर रूस ने इसका जिम्मेदार पश्चिमी देशों को बताया, जिन्होंने यूक्रेन को उकसाकर ये यद्ध भड़काया। एक तरफ शांति को लेकर बातें हो रही थीं, वहीं दूसरी ओर फ्रंटलाइन पर दोनों देशों का बीच युद्ध जारी रहा। रूस ने यूक्रेन के कुछ इलाकों पर हमला किया तो यूक्रेन ने कुछ गांवों को रूस के कब्जे से छुड़ाने का दावा किया। यूक्रेन के सूमी इलाके को रूस ने अपना निशाना बनाया, जिसकी वजह से यहां पर पानी और बिजली की सप्लाई भी प्रभावित हुई। सूमी के गवर्नर ओले राइहोरोव ने इस बात की जानकारी दी कि रूसी सेनाएं बड़े हमले कर रही हैं। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने संकेत दिया कि रूस के यूक्रेन पर हालिया हमलों के बाद वाशिंगटन उस पर कड़े प्रतिबंध लगाने के सभी विकल्पों पर विचार कर रहा है। उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की कार्रवाई को घिनौना बताया।

नहीं रहे हॉलीवुड के मशहूर एक्टर ग्राहम ग्रीन

टोरंटो,02 सितंबर (एजेंसियां)।

हॉलीवुड से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। दिग्गज अभिनेता ग्राहम ग्रीन का 73 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। उनके एजेंट माइकल ग्रीन ने इस बात की पुष्टि की है। ग्राहम लंबे समय से उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे। बीते कुछ महीनों से उनकी तबीयत लगातार खराब चल रही थी और वह कनाडा के टोरंटो स्थित एक निजी अस्पताल में उपचाररत थे। तमाम कोशिशों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका और वहीं उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन से न केवल उनके परिवार और चाहने वाले बल्कि पूरा हॉलीवुड शोक की लहर में डूब गया है।

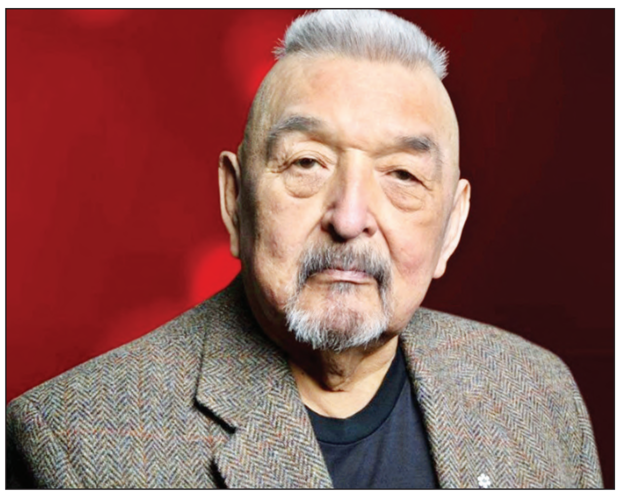

ग्राहम ग्रीन का फिल्मी करियर कई दशकों तक फैला रहा। हालांकि, उनके अभिनय को असली पहचान और वैश्विक स्तर पर उड़ान 1990 में मिली, जब उन्होंने केविन कॉस्टनर की बहुचर्चित फिल्म डांस विद वोल्व्स में किकिंग बर्ड का किरदार निभाया। इस फिल्म को कुल 12 ऑस्कर नामांकन मिले थे और ग्राहम को इसमें उनके दमदार अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता की श्रेणी में नामांकित किया गया था। यही वह फिल्म थी, जिसने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रियता दिलाई और दुनिया भर के दर्शकों के दिलों में जगह बनाई। इसके बाद ग्राहम ग्रीन ने कई यादगार फिल्मों में काम किया और अपने बहुमुखी अभिनय से खुद को साबित किया। उन्होंने मैवरिक, डाई हार्ड विद अ वेंजेंस और द ग्रीन माइल जैसी बड़ी फिल्मों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उनकी सधी हुई अदाकारी और स्क्रीन प्रेज़ेंस ने हर बार दर्शकों को प्रभावित किया। ग्राहम न केवल फिल्मों में बल्कि टेलीविजन और थिएटर में भी सक्रिय रहे। उनकी सरलता, मेहनत और अपने काम के प्रति समर्पण ने उन्हें इंडस्ट्री में एक खास पहचान दिलाई। जब वह इस दुनिया को छोड़कर चले गए हैं, तो उनके प्रशंसक और सहकर्मी उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी लोग उनके बेहतरीन किरदारों और फिल्मों को याद करते हुए शोक जता रहे हैं। ग्राहम ग्रीन का जाना हॉलीवुड के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने अपने शानदार अभिनय से जो छाप छोड़ी है, वह हमेशा कायम रहेगी। आने वाली पीढ़ियां उन्हें एक ऐसे अभिनेता के रूप में याद रखेंगी, जिन्होंने सिनेमा की दुनिया को अपनी अदाकारी से और भी समृद्ध बनाया।

टैरिफ पर टकरार के बीच भारतीय सेना के 450 जवानों ने दी अमेरिका में दस्तक

वाशिंगटन,02 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ को लेकर तनातनी चल रही है। दोनों देशों की तरफ से कूटनीतिक कदम उठाए जा रहे हैं। इसी बीच भारतीय सेना के 450 जवानों ने अमेरिका में दस्तक दे दी है। इस तनाव के बावजूद भारत और अमेरिका के बीच रक्षा सहयोग की डोर अब भी मजबूत बनी हुई है। इसी कड़ी में दोनों देशों ने सोमवार को अलास्का में अपने सबसे बड़े सैन्य अभ्यासों में से एक 'युद्ध अभ्यास' की शुरुआत की।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया, 'भारतीय सेना का एक दल युद्ध अभ्यास 2025 (01 - 14 सितंबर) के 21वें संस्करण के लिए फोर्ट वेनराइट, अलास्का पहुंच गया है। अमेरिकी 11वीं एयरबोर्न डिवीजन के सैनिकों के साथ, वे हेलीबोर्न ऑपरेशन,पर्वतीय युद्ध, यूएएस/ काउंटर-यूएएस और संयुक्त सामरिक अभ्यासों का प्रशिक्षण लेंगे-जिससे

संयुक्त राष्ट्र पीकेओ और बहु-क्षेत्रीय तत्परता को बढ़ावा मिलेगा। यह अभ्यास अलास्का के फोर्ट वैनराइट की बर्फीली जलवायु में किया जा रहा है, जहां मद्रास रेजीमेंट के 450 से अधिक भारतीय सैनिक अमेरिकी सेना की 11वीं एयरबोर्न डिविजन के आर्कटिक वोल्व्स ब्रिगेड कॉम्बैट टीम की 5वीं इन्फेंट्री रेजीमेंट 'बॉबकैट्स' के जवानों के साथ 14 सितंबर तक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में युद्धाभ्यास और सामरिक अभ्यास करेंगे।

हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि अगर मौजूदा हालात में भारत-अमेरिका रिश्तों की गिरावट जारी रही, तो आने वाले समय में रक्षा सौदों पर पुनर्विचार संभव है। फिलहाल भारत ने अपने रणनीतिक स्वायत्तता की नीति को जारी रखते हुए चीन के साथ भी संवाद बढ़ाया है और रूस के साथ पारंपरिक रक्षा संबंधों को मजबूती से निभा रहा है।

उधर रक्षा अधिकारियों का कहना है कि रणनीतिक साझेदारी पर फिलहाल कोई संकट नहीं है। एक अधिकारी ने कहा,भरोसा जरूर कमजोर हुआ है, लेकिन दांव पर इतना कुछ लगा है कि यह साझेदारी इतनी आसानी से नहीं टूट सकती। पिछले दो दशकों में अमेरिका ने भारत को 25 अरब डॉलर से ज्यादा के रक्षा सौदे दिए हैं। हाल ही में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को अमेरिका की कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक से 99 जीई-एफ404 टर्बोफैन इंजन की पहली खेप मिलनी शुरू हुई है। इन इंजनों को स्वदेशी तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमान में लगाया जाएगा। यह सौदा अगस्त 2021 में 716 मिलियन डॉलर का हुआ था। इसके अलावा भारत एक और समझौते के तहत 113 और इंजन खरीदने की तैयारी में है, जिसकी कीमत लगभग 1 अरब डॉलर होगी। सिर्फ इतना ही नहीं, भारत ने अमेरिका से 'प्रिडेटर' ड्रोन भी 3.8 अरब डॉलर में ऑर्डर किए हैं, जो 2029-30 के बीच मिलने शुरू होंगे। वहीं, समुद्री मोर्चे पर भी सहयोग जारी है। भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया नवंबर में पश्चिमी प्रशांत महासागर के गुआम तट पर होने वाले मालाबार नौसैनिक अभ्यास के लिए तैयारी कर रहे हैं। मालाबार अभ्यास की शुरुआत 1992 में भारत-अमेरिका के बीच हुई थी, लेकिन अब इसमें सभी क्वाड देश शामिल हैं।

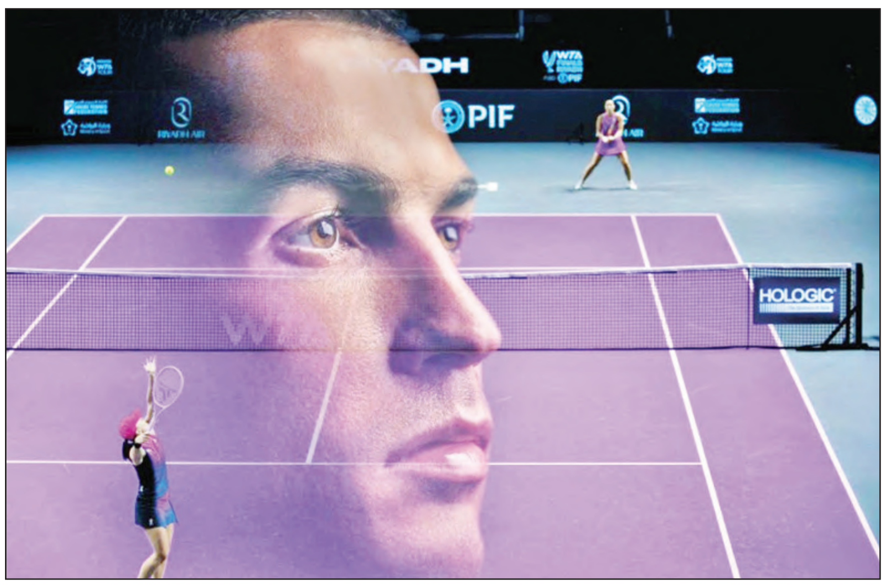

क्रिस्टियानो रोनाल्डो बने सऊदी टूरिज्म कैंपेन का चेहरा

रियाद,02 सितंबर (एजेंसियां)।
सऊदी टूरिज्म अथॉरिटी (एसटीए) के उपभोक्ता ब्रांड सऊदी, वेलकम टू अरेबिया ने अपना नया वैश्विक कैंपेन लॉन्च किया है, जिसमें दुनिया के फुटबॉल सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो नज़र आ रहे हैं। इस कैंपेन का नाम आई कम फॉर फुटबॉल, आई स्टेड फॉर मोर रखा गया है, जो यह संदेश देता है कि सऊदी अरब सिर्फ खेलों का नहीं बल्कि मनोरंजन, संस्कृति और फैशन का भी बड़ा केंद्र बन चुका है।

फिल्मी अंदाज़ में तैयार किए गए इस कैंपेन में रोनाल्डो को सऊदी अरब के अलग-अलग इवेंट्स का अनुभव करते दिखाया गया है। शुरुआत में वे स्टेडियम में बैठे अपने खेल से अन्य खेलों की तुलना करते दिखते हैं और फिर रंगीन दृश्यों के बीच दर्शकों के जुनून और जोश को महसूस करते हैं। यह दिखाता है कि सऊदी अब वैश्विक खेल और सांस्कृतिक मंच पर अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करवा रहा है।

यह कैंपेन सऊदी के सालभर चलने वाले विविध खेल और मनोरंजन कार्यक्रमों पर रोशनी डालता है, जो रियाद, जेद्दाह और अलउला में आयोजित होते हैं। इनमें फीफा वर्ल्ड कप 2034, एएफसी एशियन कप 2027, ई-स्पोर्ट्स ओलंपिक्स 2027 और एशियन विंटर गेम्स 2029 जैसे बड़े टूर्नामेंट शामिल हैं। साथ ही फॉर्मूला-1, ई-स्पोर्ट्स वर्ल्ड कप, गोल्फ, टेनिस और सऊदी प्रो लीग जैसे नियमित आयोजनों से यह देश खेलों का वैश्विक केंद्र बन रहा है।

सऊदी न केवल खेलों में बल्कि कला, फैशन और मनोरंजन में भी तेजी से उभर रहा है। रियाद फैशन वीक, रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, आर्ट्स बिएनाले और सीजन फेस्टिवल्स इसके कैलेंडर का अहम हिस्सा हैं, जिनमें अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय कलाकार मंच साझा करते हैं।

सऊदी के पर्यटन मंत्री अहमद अल खतीब ने कहा, सऊदी सांस्कृतिक असलियत, गर्मजोशी भरी मेहमाननवाज़ी और विश्वस्तरीय आयोजनों का अनोखा संगम बन चुका है। हम पर्यटकों को यादगार अनुभव देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वहीं, सऊदी टूरिज्म अथॉरिटी के सीईओ फहद हमीदअद्दीन ने बताया कि 2018 से अब तक सऊदी 100 से अधिक बड़े अंतरराष्ट्रीय इवेंट्स की मेज़बानी कर चुका है और 2030 तक 150 मिलियन पर्यटकों का लक्ष्य रखा गया है।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने भी सऊदी के इस सफर को खास बताते हुए कहा, यहां खेलों का भविष्य लिखा जा रहा है। मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित करता है कि सऊदी अपनी जड़ों को सम्मान देते हुए भविष्य का निर्माण कर रहा है। रेगिस्तान से स्टेडियम तक — यहां हर युवा खिलाड़ी बड़ा सपना देख सकता है।

सऊदी अरब ने पर्यटन क्षेत्र में 800 अरब डॉलर निवेश करने का ऐलान किया है, जिसका लक्ष्य 2030 तक 22.4 अरब डॉलर का बाजार मूल्य और 16.5 अरब डॉलर का जीडीपी योगदान हासिल करना है। खेल और मनोरंजन के बड़े आयोजनों से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा बल्कि नौकरियां, बुनियादी ढांचा और युवाओं की भागीदारी भी मजबूत होगी।

न्यूज ब्रीफ

यूएस ओपन 2025: सिनर ने बब्लिक को रौंदकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

न्यूयॉर्क। डिफेंडिंग चैंपियन जैनिक सिनर ने यूएस ओपन 2025 में अपनी शानदार लय बरकरार रखते हुए कजाकिस्तान के 23वीं वरीयता प्राप्त अलेक्ज़ेंडर बब्लिक को 6-1, 6-1, 6-1 से करारी शिकस्त दी और क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। लेबर डे पर आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में इटली के 24 वर्षीय स्टार ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और अपने पसंदीदा हार्ड कोर्ट ग्रैंड स्लैम पर लगातार 25वीं जीत दर्ज की। सिनर ने कहा, हम एक-दूसरे को अच्छी तरह जानते हैं। इस साल कुछ कड़े मुकाबले हुए हैं। पिछली बार उसका मैच लंबा चला था और वह अपनी सर्विस का पूरा इस्तेमाल नहीं कर पाया। मैंने हर सेट में उसे तोड़ा और इससे मुझे आत्मविश्वास मिला। पहली बार नाइट सेशन में खेलना एक खास अनुभव है। दर्शकों का शुक्रिया, यह हमारे लिए बहुत खास मौका है। पहले सेट में डबल ब्रेक से 4-0 की बढ़त बनाने वाले सिनर ने शानदार बैकहैंड विनर के साथ सेट समाप्त किया। सिनर ने लगातार आठवीं बार किसी ग्रैंड स्लैम का क्वार्टर फाइनल खेलना सुनिश्चित किया। अब क्वार्टर फाइनल में सिनर का सामना अपने ही हमवतन लोरेंजो मुसेटी से होगा। उन्होंने कहा, इटैलियन टेनिस शानदार दौर में है। हमारे पास कई खिलाड़ी और अलग-अलग स्टाइल हैं। लोरेंजो सबसे बड़े टैलेंट्स में से एक है। एक इटैलियन खिलाड़ी का सेमीफाइनल में होना तय है और यह हमारे लिए गर्व की बात है। यहां दर्शकों में भी कई इटैलियन फैंस हैं, जिससे यह और खास हो जाता है।

यूएस ओपन 2025: ओसाका ने गॉफ को हराकर क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

न्यूयॉर्क। नाओमी ओसाका ने सोमवार को दो पूर्व अमेरिकी ओपन चैंपियनों के बीच बहुप्रतीक्षित चौथे दौर के मुकाबले में तीसरी वरीयता प्राप्त कोको गॉफ को 6-3, 6-2 से हराकर अंतिम 8 में प्रवेश किया। चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन ओसाका ने अपनी पुरानी चमक दिखाते हुए शुरुआत से ही मैच पर नियंत्रण बनाए रखा, जबकि 2023 की चैंपियन गॉफ को अपने फोरहैंड और सर्विस में संघर्ष करना पड़ा। इस नतीजे के साथ ओसाका पांच साल में पहली बार यूएस ओपन के क्वार्टर फ़ाइनल में पहुंच गईं और अब उनका अगला मुकाबला चेक गणराज्य की 11वीं वरीयता प्राप्त कैरोलिना मुचोवा या यूक्रेन की 27वीं वरीयता प्राप्त मार्टा कोस्त्युक से होगा। 2018 और 2020 में न्यूयॉर्क में जीत हासिल करने वाली ओसाका ने कहा, यह वाकई खास है। मैं उनका बहुत सम्मान करती हूं। जिस तरह से वह खुद को पेश करती हैं, वह वाकई खास है। इतनी कम उम्र में इतनी आदर्श होने के नाते, मैं उनका सम्मान करती हूं। अनिसिमोवा ने हद्दाद माइया को हराया अमांडा अनिसिमोवा ने आर्थर ऐश स्टेडियम में दूधिया रोशनी में अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस प्रदर्शन किया और ब्राज़ील की बीट्रिज हद्दाद माइया को 6-0, 6-3 से हराकर क्वार्टर फ़ाइनल में जगह बनाई, जहां उनका सामना इगा स्वियाटेक से होगा। 24 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी ने कहा कि जुलाई में विंबलडन फ़ाइनल में दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी से 6-0, 6-0 से मिली करारी हार का बदला लेने का मौका पाकर वह खुश हैं। आठवीं वरीयता प्राप्त अनिसिमोवा ने कहा, किसने सोचा था कि हम इतनी जल्दी फिर मिलेंगे मैं बहुत उत्साहित हूँ। यह एक शानदार मैच होने वाला है... उम्मीद है, इस बार भी। अमेरिकी खिलाड़ी ने 18वीं वरीयता प्राप्त हद्दाद माइया की सर्विस तीन बार तोड़कर पहला सेट आधे घंटे से भी कम समय में जीत लिया। दूसरे सेट में उन्होंने शुरुआती गेम में सर्विस तोड़कर नियंत्रण हासिल कर लिया, लेकिन ब्राज़ीलियाई खिलाड़ी ने अमेरिकी खिलाड़ी की कुछ चूकों के बाद वापसी करके आखिरकार स्कोरबोर्ड पर जगह बना ली।

अरुणचल टी20 चैंपियनशिप 2025 का शुभारंभ, पहले दिन केआरए डॉमिनेटर्स और कामेंग किंग्स ने दर्ज की जीत

दरंग (असम)। अरुणाचल टी20 चैंपियनशिप 2025 की शुरुआत हो गई है। पहले दिन सोमवार को दो मैच खेले गए, जिसमें केआरए डॉमिनेटर्स और कामेंग किंग्स ने जीत दर्ज की। प्रतियोगिता का पहला मैच केआरए डॉमिनेटर्स और सियांग स्टॉर्म के बीच खेला गया। मंगलदोई के दरंग स्थित मंगलदोई स्पोर्ट्स एसोसिएशन ग्राउंड में खेले गए मैच में केआरए डॉमिनेटर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 146 रन बनाए। इसके जवाब में सियांग स्टॉर्म की टीम 20 ओवर में 3 विकेट पर 138 रन ही बना सकी। इस तरह मैच में केआरए डॉमिनेटर्स ने सियांग स्टॉर्म को 8 रनों से हरा दिया। दिन का दूसरा मैच कामेंग किंग्स और कुरुंग ब्लास्टर्स के बीच खेला गया। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए कामेंग किंग्स ने 20 ओवर में 3 विकेट पर 190 रनों का विशाल स्कोर बनाया। इसके जवाब में कुरुंग ब्लास्टर्स की टीम 20 ओवर में सात विकेट खोकर 156 रन ही बना सकी।

महाआर्यमन सिंधिया निर्विरोध चुने गए एमपीसीए के अध्यक्ष, पिता ज्योतिरादित्य से मिला आशीर्वाद

इंदौर,02 सितंबर (एजेंसियां)।
केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के पुत्र महाआर्यमन सिंधिया मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एमपीसीए) के निर्विरोध अध्यक्ष चुन लिए गए हैं। उनके साथ पूरी कार्यकारिणी का चुनाव भी निर्विरोध हुआ है। एमपीसीए की वार्षिक साधारण सभा (एजीएम) मंगलवार को इंदौर के होलकर स्टेडियम में हुई। इसमें नई कार्यकारिणी चुने जाने की घोषणा की गई। बैठक में ज्योतिरादित्य सिंधिया भी मौजूद रहे। 29 वर्षीय महाआर्यमन एमपीसीए के 68 साल के इतिहास में सबसे युवा अध्यक्ष हैं। एमपीसीए की कार्यकारिणी में विनीत सेठिया उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं, जबकि सुधीर असनानी को सचिव, संजय दुआ को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा संध्या अग्रवाल, राजीव शिरोडकर, प्रसुन कनमड़ीकर, विजेस राणा और अरुंधती किरकिरे को निर्विरोध सदस्य बनाया गया है।

अध्यक्ष पद पर चुने जाने पर महाआर्यमन ने कहा कि मैं मध्य प्रदेश क्रिकेट संगठन के सभी सदस्यों को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए मुझ पर भरोसा जताया। मेरे एमपीसीए अध्यक्ष बनने पर पिता के साथ मां भी बहुत खुश हैं। उन्होंने मुझे ग्राउंड लेवल पर लोगों के साथ जुड़कर काम करना और अकेले कभी भी निर्णय नहीं लेना सिखाया है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश क्रिकेट संगठन की पिछली कार्यकारिणी ने भी अच्छा कार्य किया और मेरा प्रयास होगा कि उन्हीं कार्यों को आगे ले जाते हुए मध्य प्रदेश क्रिकेट संगठन को नई ऊंचाइयों ले जाऊंगा। निर्विरोध निर्वाचन पर उन्होंने कहा कि यह इस बात का प्रमाण है कि मध्य प्रदेश क्रिकेट संगठन एक परिवार है।

महाआर्यमन ने भविष्य की योजनाओं के बारे में कहा कि हम मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन को आगे लेकर जाएंगे और देश में नंबर वन बनाएंगे। मेरे लिए यह बहुत भावुक समय है, क्योंकि इस पद पर मेरे दादाजी माधवराव सिंधिया, मेरे पिता ज्योतिरादित्य सिंधिया ने काम किया था और अब मुझे यह मौका मिल रहा है। ग्रामीण स्तर पर क्रिकेट को बढ़ावा देना और महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए उचित अवसर उपलब्ध कराना मेरी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि मेरे पास अभी अनुभव कम है लेकिन मेरे साथ अनुभवी टीम है। लेकिन नई टीम क्रिकेट को बहुत मजबूती से आगे ले जाएगी।

उन्होंने कहा कि इंदौर में विमेंस वर्ल्ड कप के पांच मैच होने जा रहे हैं। यह दिखाता है कि आईसीसी और बीसीसीआई को एमपीसीए में कितना विश्वास है। हम ग्रामीण क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए जिला और संभाग स्तरीय क्रिकेट की समीक्षा करेंगे। वहां के दौरे भी करेंगे। क्रिकेट में टेक्नोलॉजी का उपयोग करके स्किल डेवलप करने पर काम करेंगे।

गौरतलब है कि देश में सबसे युवा प्रदेश क्रिकेट संगठन अध्यक्ष वर्तमान केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर रहे हैं, जो 26 वर्ष की उम्र में हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ के अध्यक्ष बने थे। संभवत: महाआर्यमन वर्तमान में देश के सबसे युवा प्रदेश क्रिकेट अध्यक्ष होंगे। गोवा के वर्तमान अध्यक्ष विपुल फड़के फिलहाल 32 वर्ष के हैं। अब तक एमपीसीए के सबसे युवा अध्यक्ष का रिकार्ड ज्योतिरादित्य सिंधिया के नाम था, जो 35 वर्ष की आयु में अध्यक्ष बने थे।

महाआर्यमन पिछले तीन साल से क्रिकेट के लिए सक्रिय हैं। साल 2022 में ग्वालियर डिविजनल क्रिकेट एसोसिएशन (जीडीसीए) का उपाध्यक्ष नियुक्त करने के साथ ही उन्हें एमपीसीए का आजीवन सदस्य बनाया गया था। उन्होंने मध्य प्रदेश क्रिकेट लीग (एमपीएल) की शुरुआत की। वे पिछले दो साल से ग्वालियर में एमपीएल का सफल आयोजन करा रहे हैं।

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने टी20 अंतरराष्ट्रीय से लिया संन्यास

नई दिल्ली,02 सितंबर (एजेंसियां)।
अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने टेस्ट और एकदिवसीय प्रारूप में अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। ऑस्ट्रेलिया की लंबे समय से चली आ रही तेज गेंदबाजी तिकड़ी के दो सदस्य, स्टार्क और टेस्ट कप्तान पैट कमिंस, 1 अक्टूबर से न्यूजीलैंड में शुरू होने वाली तीन मैचों की श्रृंखला के लिए मंगलवार को घोषित राष्ट्रीय टी20 टीम में शामिल नहीं थे।

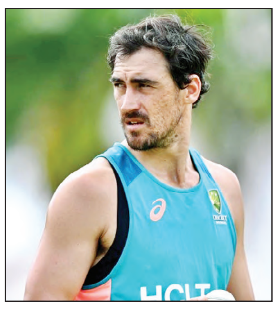

कमिंस को पिछले महीने कैरेबियाई दौरे के बाद से आराम दिया गया है और उन्हें पीठ के निचले हिस्से में दर्द की शिकायत है, जिससे नवंबर में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली एशेज श्रृंखला के लिए उनकी तैयारी प्रभावित हो रही है।

ऑस्ट्रेलिया के लिए 65 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 79 विकेट लेने वाले 35 वर्षीय स्टार्क ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट उनकी प्राथमिकता है और उन्हें अगले दो वर्षों में एक गहन अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए तैयारी करने की आवश्यकता है। स्टार्क अगले वर्ष भारत में होने वाली एशेज और टेस्ट श्रृंखला तथा 2027 में होने वाले अगले एकदिवसीय विश्व कप के लिए पूरी तरह से फिट होना चाहते हैं और उन्होंने निर्णय लिया कि उन्हें कुछ न कुछ करना ही होगा। स्टार्क ऑस्ट्रेलिया की सफलता में अहम भूमिका निभाते रहे हैं और टी20 प्रारूप में राष्ट्रीय टीम के लिए सर्वकालिक विकेट लेने वाले गेंदबाज़ों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। बाएं हाथ के इस तेज़ गेंदबाज़ की फुल-लेंथ गेंदों ने एक स्ट्राइक गेंदबाज़ के रूप में उनकी प्रतिष्ठा को मज़बूत किया है।

स्टार्क ने एक आधिकारिक बयान में कहा, ऑस्ट्रेलिया के लिए खेले गए हर टी20 मैच, खासकर 2021 विश्व कप, के हर मिनट का मैंने भरपूर आनंद लिया है - सिर्फ़ इसलिए नहीं कि हम जीते, बल्कि इसलिए भी कि हम एक बेहतरीन टीम थे और इस दौरान जो मज़ा आया, उससे भी ज़्यादा। उन्होंने आगे कहा, आगे की ओर देखना (टी20 से संन्यास लेना) मेरे लिए उन अभियानों के लिए तरोताज़ा, फिट और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का सबसे अच्छा तरीका है। इससे गेंदबाज़ी टीम को उस टूर्नामेंट से पहले के मैचों में टी20 विश्व कप की तैयारी के लिए भी समय मिल जाता है।

ऑस्ट्रेलिया के चयन अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा, मिच को ऑस्ट्रेलिया के लिए अपने टी20 करियर पर बेहद गर्व होना चाहिए। वह 2021 विश्व कप विजेता टीम का एक अभिन्न सदस्य थे और अपने पूरे क्रिकेट करियर की तरह, अपनी विकेट लेने की क्षमता से मैच पलटने का उनमें अद्भुत कौशल था। बेली ने कहा, हम सही समय पर उनके टी-20 करियर को स्वीकार करेंगे और उसका जश्न मनाएंगे, लेकिन खुशी की बात यह है कि वह यथासंभव लंबे समय तक टेस्ट और वनडे क्रिकेट खेलना जारी रखने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

अयोध्या में प्रदेश स्तरीय सीनियर महिला हॉकी प्रतियोगिता 8 से 17 सितंबर तक

मुरादाबाद। मुरादाबाद के जिला क्रीड़ा अधिकारी सुनील कुमार सिंह ने मंगलवार को बताया कि प्रदेश स्तरीय सीनियर महिला हॉकी प्रतियोगिता 8 सितंबर से 17 सितंबर तक अयोध्या में अयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता में शामिल होने वाली मुरादाबाद मंडल की टीम का चयन ट्रायल के माध्यम से होगा। जिला क्रीड़ा अधिकारी ने आगे बताया कि मुरादाबाद के रामगंगा विहार स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस सोनपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम में जिला स्तर पर ट्रायल 4 सितंबर को और मंडल स्तर के लिए ट्रायल 6 सितंबर को आयोजित होगा। दोनों ही ट्रायल सुबह 11 बजे से प्रारंभ होंगे। इसलिए खिलाड़ियों को समय से पहुंचना अनिवार्य है।

प्राइम वॉलीबॉल लीग ने सीजन 4 का शेड्यूल जारी किया, 26 अक्टूबर को होगा फाइनल मुकाबला

हैदराबाद,02 सितंबर (एजेंसियां)।
प्राइम वॉलीबॉल लीग ने मंगलवार को अपने सीजन 4 के मुकाबलों का शेड्यूल जारी कर दिया है। यह सीजन 2 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक खेला जाएगा। लीग की शुरुआत मेजबान टीम हैदराबाद ब्लैक हॉक्स और सीजन 3 की चैंपियन टीम कालीकट हीरोज के बीच होने वाले मुकाबले से होगी। 26 अक्टूबर को फाइनल मुकाबले के साथ सीजन का समापन होगा।

इस बार लीग में कुल 10 टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें नई टीम गोवा गार्डियन्स का भी नाम जुड़ गया है। यह अब तक लीग का सबसे बड़ा संस्करण होगा। टीमों को पांच-पांच के दो पूल में बांटा गया है। कुल 38 मैच खेले जाएंगे, जिनमें 35 लीग चरण के होंगे। प्रत्येक टीम अपने पूल की चार और दूसरे पूल की तीन टीमों के खिलाफ खेलेगी। लीग चरण के अंत में अंकों के आधार पर शीर्ष चार टीमें (पूल की परवाह किए बिना) सेमीफाइनल में पहुंचेंगी।

बेसलाइन वेंचर्स के प्रबंध निदेशक एवं सह-संस्थापक तुहिन मिश्रा ने कहा, सीजन 4 अब तक का हमारा सबसे बड़ा सीजन है। गोवा गार्डियन्स के जुड़ने से अब लीग में दस दमदार टीमें, अधिक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और बड़ा फैन बेस है। स्कैपिया के साथ साझेदारी में हम वॉलीबॉल के स्तर को भारत में और ऊपर ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

प्राइम वॉलीबॉल लीग के सीईओ जॉय भट्टाचार्य ने कहा, इस बार का शेड्यूल रोमांच से भरपूर है। डबल हेडर्स, पारंपरिक प्रतिद्वंद्विताएं और पूरी तरह पैक्ड प्लेऑफ विंडो सुनिश्चित करती है कि प्रशंसकों को हर रात भरपूर एक्शन मिलेगा। भारत में वॉलीबॉल हमेशा से गहरी लोकप्रियता रखता है और इस सीजन में हम उस जुनून को एक नए स्तर तक ले जाना चाहते हैं।

हॉकी हीरो एशिया कप में भारतीय टीम ने कजाकिस्तान को 15-0 से हराया, पूल ए में शीर्ष स्थान पर बनायी जगह

नालंदा बिहारशरीफ,02 सितंबर (एजेंसियां)।
बिहार के राजगीर में चल रहे हीरो एशिया कप हॉकी 2025 का रोमांच अब और भी बढ़ गया है। टूर्नामेंट के चौथे दिनभारतीय पुरुष हॉकी टीम ने कजाकिस्तान को करारी शिकस्त दी। इस दौरान तीन भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हैट्रिक लगाई है।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने हीरो एशिया कप के अपने अंतिम पूल ए मैच में गोलों की बरसात कर दी। भारतीय टीम ने कजाकिस्तान को 15-0 से हरा दिया। इस दौरान भारत के तीन खिलाड़ियों ने हैट्रिक जमाई।

राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में भारत की ओर से अभिषेक (5, 8, 20, 59), सुखजीत सिंह (15, 32, 38) और जगराज सिंह (24, 31, 47) ने हैट्रिक पूरी की। वहीं कप्तान हरमनप्रीत सिंह (26), अमित रोहिदास (29), संजय (54), दिलप्रीत सिंह (55) और राजिंदर सिंह (32) भी गोल करने में

सफल रहे। भारत पहले ही सुपर-4 चरण के लिए क्वालीफाई कर चुका था और तीनों मैच जीतकर पूल ए में शीर्ष स्थान पर रहा।

भारत की शुरुआत आक्रामक रही। कजाकिस्तान ने शुरुआती दबाव झेलने की कोशिश की, लेकिन 5वें मिनट में अभिषेक ने सर्कल के बाहर से जोरदार हिट लगाकर भारत को बढ़त दिला दी। 8वें मिनट में अभिषेक ने दूसरा गोल दागा। पहले क्वार्टर के अंत में कप्तान हरमनप्रीत का पेनल्टी कॉर्नर रोका गया, लेकिन तुरंत बाद अभिषेक ने सुखजीत (15) को असिस्ट किया और भारत 3-0 से आगे हो गया।

बात दूसरे क्वार्टर की करें, तो भारत का दबदबा दूसरे क्वार्टर में भी जारी रहा। 20वें मिनट में अभिषेक ने शानदार कौशल दिखाते हुए अपनी हैट्रिक पूरी की। कजाकिस्तान को पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन भारतीय डिफेंस ने उसे विफल किया और खेल के 24वें मिनट में जगराज ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला, फिर 26वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत ने भी स्कोर किया। 29वें मिनट में अमित रोहिदास ने गोल दागा।

भारत हाफ टाइम तक 7-0 से आगे था। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत भारत के लिए पेनल्टी स्ट्रोक से हुई, जिसे जगराज (31) ने गोल में बदल दिया।अगले ही पल मंदीप की शानदार रन ने राजिंदर सिंह (32) को गोल करने का मौका दिया। इसके बाद सुखजीत (32) ने स्कोर 10-0 कर दिया। 38वें मिनट में सुखजीत ने अपनी हैट्रिक पूरी की।

तीसरे क्वार्टर तक भारत 11-0 से आगे रहा।

चौथे क्वार्टर में जगराज (47) ने एक और पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल किया। अंतिम मिनटों में संजय (54), दिलप्रीत (55) और अभिषेक (59) ने भी गोल दागे और भारत ने 15-0 से शानदार जीत दर्ज की।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार अर्थव्यवस्था को खुला और पारदर्शी बनाएंगे : वित्त मंत्री

चेन्नई,02 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार पूरी तरह अर्थव्यवस्था को खुला और पारदर्शी बनाएंगे। इससे अनुपालन का बोझ और कम होगा और छोटे व्यवसायों को लाभ होगा।

केंद्रीय वित्त मंत्री तमिलनाडु स्थित सिटी यूनियन बैंक के 120वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रही थीं। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं। सीतारमण ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में, 56 करोड़ से ज्यादा जन-धन खाते खोले गए हैं, जिनमें कुल जमा राशि 2.68 लाख करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि इनमें से 67 फीसदी खाते ग्रामीण या अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खोले गए हैं, जिसमें 56 फीसदी खाते महिलाओं के पास हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि बैंक खाता सिर्फ एक पासबुक नहीं है, बल्कि ये अवसरों का पासपोर्ट है, जो ऋण, बचत, बीमा और सम्मान तक पहुंच को सक्षम बनाता है। सीतारमण ने कहा कि भारत के अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों ने अपनी परिसंपत्ति गुणवत्ता में भारी सुधार दर्ज किया है, जिसके परिणामस्वरूप एनपीए में कमी आई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों के लिए एक टास्क फोर्स के गठन की घोषणा की है, जिसका स्पष्ट उद्देश्य नियमों को सरल बनाना, अनुपालन लागत कम करना एवं स्टार्टअप्स, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और उद्यमियों के लिए एक अधिक सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि कल और परसों होने वाली जीएसटी परिषद की बैठक के साथ अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों की योजनाबद्ध शुरुआत आने वाले महीनों में एक पूरी तरह से खुली और पारदर्शी अर्थव्यवस्था स्थापित करेगी और अनुपालन बोझ में और कमी लाएगी, जिससे छोटे व्यवसायों के लिए फलने-फूलना आसान हो जाएगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पाकिस्तान में...

बोल्टन ने ट्रंप पर अपने आर्थिक दृष्टिकोण से रणनीतिक लाभ को खतरे में डालने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि टैरिफ नीति ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को पूर्व में भू-राजनीतिक परिदृश्य को नया रूप देने का अवसर दिया है। पश्चिम ने दशकों से भारत को रूस से दूर करने की कोशिश की है और चीन द्वारा उत्पन्न खतरे के प्रति भारत को आगाह किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी विनाशकारी टैरिफ नीति से दशकों के प्रयासों को ध्वस्त कर दिया है। बोल्टन ने कहा, डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कूटनीतिक कदमों को व्यापक रणनीतिक संदर्भ में देखने की अनिच्छा ने शी जिनपिंग को फिर से स्थापित होने का अवसर दे दिया है। जॉन बोल्टन एक पूर्व अमेरिकी सरकारी अधिकारी हैं। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के पहले कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (2018-19) के रूप में कार्य किया। बाद में उन्होंने विदेश नीति पर ट्रंप के साथ मतभेदों को लेकर अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

बोल्टन की टिप्पणी चीन के तियानजिन में 25वें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन के बाद आई है। जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। पुतिन के साथ अपनी बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और रूस के बीच मज़बूत संबंधों पर जोर दिया और कहा कि दोनों देश हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे हैं। वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए नई दिल्ली और मॉस्को के बीच सहयोग बेहद जरूरी है।

मेरी मां को गाली...

और अचानक अपनी स्वर्गीया मां हीराबेन का जिक्र छेड़ दिया। उन्होंने कहा, मैं भी इस माटी का बेटा हूं, मेरी मां ने मुझे मेहनत और ईमानदारी सिखाई। आज बिहार की मां-बहनों के लिए मैं जो कर रहा हूं, वो मेरी मां की सीख है। लेकिन मुझे गाली दी गई। पीएम मोदी ने कहा, मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि मेरी मां को गाली दी जाएगी। इस बात की जितनी पीड़ा मुझे है, उससे कहीं ज्यादा बिहार की जनता को है। यह कहते हुए उनकी आंखें नम हो गईं। यह पल कैमरों में कैद हुआ और सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। बिहार की भावुक जनता इस पल को भूल नहीं पाएगी। पीएम मोदी ने अपने भाषण में बिहार के लिए कई सौगातों का ऐलान भी किया। खासकर महिलाओं के लिए एक से बढ़कर एक घोषणा कर विपक्ष को न केवल धरती पर ला दिया बल्कि, अब पीएम मोदी की गाली वाला मुद्दा बिहार में सबसे बड़ा मुद्दा बन जाए तो हैरानी नहीं होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को बिहार में जीविका निधि साख सहकारी संघ का शुभारंभ किया और महिला स्वयं सहायता समूहों को 105 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए। उन्होंने कहा कि यह पहल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाएगी और डिजिटल व्यवस्था के जरिए उन्हें आसान ऋण सहायता मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने अपनी मां पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों को लेकर विपक्ष पर हमला बोला और भावुक होकर अपनी पीड़ा जनता से साझा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ लिमिटेड के उद्घाटन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने 105 करोड़ रुपए की राशि को जीविका निधि में ट्रांसफर किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज मंगलवार के दिन बहुत मंगल कार्य की शुरुआत हो रही है। बिहार की माताओं-बहनों को आज एक नई सुविधा मिलने जा रही है जीविका निधि साख सहकारी संघ। इससे गांव-गांव में आजीविका से जुड़ी बहनों को अब और आसानी से पैसा मिलेगा। उन्हें आर्थिक मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, मुझे ये देखकर खुशी हो रही है कि जीविका निधि की व्यवस्था पूरी तरह डिजिटल है। मैं बिहार की माताओं-बहनों को बहुत बधाई देता हूं और इस अद्भुत पहल के लिए मैं नीतीश कुमार और बिहार की एनडीए सरकार का भी अभिनंदन करता हूं।

पीएम मोदी ने कहा, विकसित भारत का बहुत बड़ा आधार है, भारत की सशक्त महिलाएं। महिलाओं को सशक्त करने के लिए बहुत जरूरी है कि उनकी जिंदगी से हर प्रकार की मुश्किलें कम हों। इसलिए हम माताओं-बहनों-बेटियों की जिंदगी को आसान बनाने के लिए अनेक काम कर रहे हैं। हमने महिलाओं के लिए करोड़ों शौचालय बनवाए, ताकि उन्हें खुले में शौच की मजबूरी से मुक्ति मिले। हमने पीएम आवास योजना के अंतर्गत पक्के घर बनवाए और इसमें ये भी ध्यान रखा कि वो घर हो सके तो महिलाओं के नाम पर हो। महिला जब घर की मालकिन होती है, तो उसकी आवाज का भी वजन बढ़ जाता है। प्रधानमंत्री ने कहा, केंद्र सरकार आज मुफ्त राशन की योजना भी चला रही है। इस योजना ने हर मां को, इस चिंता से मुक्ति दिलाई है कि आज घर में बच्चों का पेट कैसे भरेगा। महिलाओं की आमदनी बढ़ाने के लिए हम उन्हें लखपति दीदी, ड्रोन दीदी और बैंक सखी भी बना रहे हैं। ये सारी योजनाएं माताओं-बहनों की सेवा का एक बहुत बड़ा महायज्ञ है। आज इस कार्यक्रम में मैं आपको ये भरोसा देता हूं कि आने वाले महीनों में बिहार की एनडीए सरकार इस अभियान को और तेज करने जा रही है।

कुछ दिनों बाद नवरात्र का पावन पर्व शुरू होने वाला है। पूरे देश में नवदुर्गा की पूजा होगी, यानी मां के नौ रूपों की पूजा होगी। लेकिन, बिहार और पुरबिया इलाके में नवदुर्गा के साथ सतबहिनी पूजा की परंपरा भी पीढ़ियों से है। मां के रूप में सात बहनों की पूजा की परंपरा, मां के प्रति श्रद्धा और विश्वास, ये बिहार की पहचान है। प्रधानमंत्री ने कहा, हमारी सरकार के लिए मां की गरिमा, उसका सम्मान, उसका स्वाभिमान बहुत बड़ी प्राथमिकता है। मां ही तो हमारा संसार होती है, मां ही हमारा स्वाभिमान होती है। उन्होंने कहा, बिहार में कुछ दिनों पहले जो हुआ, उसकी मैंने कल्पना भी नहीं की थी। बिहार में राजद-कांग्रेस के मंच से मेरी मां को गालियां दी गईं। ये गालियां सिर्फ मेरी मां का अपमान नहीं है। ये देश की मां-बहन-बेटी का अपमान है।

पीएम मोदी ने कहा, मुझे पता है कि आप सबको भी ये देखकर और सुनकर कितना बुरा लगा है। मैं जानता हूं कि इसकी जितनी पीड़ा मेरे दिल में है, उतनी ही तकलीफ मेरे बिहार के लोगों को भी है। इसलिए, आज जब इतनी बड़ी तादाद में बिहार की लाखों माताओं-बहनों के दर्शन मैं कर रहा हूं, तो आज मेरा मन और मैं अपना दुख आपसे साझा कर रहा हूं। ताकि आप माताओं-बहनों के आशीर्वाद से मैं इसे झेल पाऊं। पीएम मोदी ने कहा, मैंने हर दिन, हर क्षण अपने देश के लिए पूरी मेहनत से काम किया है और इसमें मेरी मां की बहुत बड़ी भूमिका रही है। मुझे मां भारती की सेवा करनी थी। इसलिए मुझे जन्म देने वाली मेरी मां ने मुझे अपने दायित्वों से मुक्त कर दिया था। उस मां के ही आशीर्वाद से मैं चल पड़ा था। इसलिए, मुझे आज इस बात की पीड़ा है कि जिस मां ने मुझे देशसेवा का आशीर्वाद देकर भेजा, खुद से अलग करके मुझे जाने की इजाजत दी। उस मां के लिए अपशब्द असहनीय हैं।

मोदी ने कहा, आप सब जानते हैं कि अब मेरी मां का शरीर तो इस दुनिया में नहीं है। कुछ समय पहले 100 साल की उम्र पूरी करके, वो हम सबको छोड़कर चली गई। मेरी उस मां को जिसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है, जिसका शरीर भी अब नहीं है। मेरी उस मां को राजद-कांग्रेस के मंच से भद्दी-भद्दी गालियां दी गईं। यह बहुत ही दुख, कष्ट और पीड़ा देने वाला है। उस मां का क्या गुनाह है कि उसे भद्दी गालियां सुना दी गईं। यह कहते-कहते पीएम मोदी अत्यंत भावुक हो गए, उनकी आंखें नम हो गईं। पीएम मोदी ने कहा, मेरी मां ने काफी गरीबी में मुझे पाला और कई बलिदान दिए। मां ही तो हमारा संसार होती है, मां ही हमारा स्वाभिमान होती है।

उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी की अधिकार यात्रा के दरम्यान दरभंगा के सिमरी थाना क्षेत्र के बिठौली चौक पर कांग्रेस के मंच से पीएम मोदी और उनकी माता जी के खिलाफ गाली-गलौज की गई। आयोजनकर्ता मोहम्मद नौशाद ने विवाद के बाद सफाई दी थी कि अभद्र टिप्पणी एक बाहरी शख्स ने की थी। आज प्रधानमंत्री मोदी के भाषण के बाद एनडीए के सभी सहयोगियों ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बिहार बंद की घोषणा की। बिहार बंद के दौरान अस्पताल, एंबुलेंस जैसी इमरजेंसी सेवाएं चालू रहेंगी। एनडीए का कहना है कि यह विरोध लोकतंत्र की गरिमा बचाने के लिए है।

तेल है काला...

विकास की गति यही रही तो भारत का दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना तय है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच अप्रैल-जून में भारतीय अर्थव्यवस्था ने सभी उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन किया और 7.8 प्रतिशत की दर से वृद्धि की। तेल काला सोना था, लेकिन अब चिप्स (सेमीकंडक्टर) डिजिटल हीरे हैं। हमारी पिछली शताब्दी को तेल ने आकार दिया। दुनिया का भाग्य तेल के कुओं से तय होता था। लेकिन, 21वीं शताब्दी की शक्ति छोटी से चिप में सिमट कर रह गई है। यह चिप भले ही छोटी सी है, लेकिन इसमें दुनिया की प्रगति को बड़ी गति देने की ताकत हैं।

सेमीकॉन इंडिया 2025 के आयोजन का उद्देश्य भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को बेहतर बनाना है। 2 से 4 सितंबर तक चलने वाला यह तीन दिवसीय सम्मेलन भारत में एक मज़बूत, लचीला और टिकाऊ सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित करने पर केंद्रित होगा। इस कार्यक्रम में डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव योजना के तहत पहलों, स्टार्टअप इकोसिस्टम के विकास, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और भारत के सेमीकंडक्टर क्षेत्र के भविष्य के रोडमैप पर प्रकाश डाला जाएगा। इसमें 20750 से ज्यादा लोग हिस्सा लेंगे। इनमें 48 से ज्यादा देशों के 2500 से ज्यादा प्रतिनिधि, 50 से ज्यादा वैश्विक नेताओं सहित 150 से ज्यादा वक्ता और 350 से ज्यादा प्रदर्शक शामिल होंगे।

यशोभूमि में सेमीकॉन इंडिया 2025 को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, कुछ साल पहले ही, हम एक नई शुरुआत करने के लिए पहली बार मिले थे और भारत के सेमीकंडक्टर मिशन का शुभारंभ किया था। हमने क्रियान्वयन पर बेहद सटीक ध्यान केंद्रित करते हुए इस नई यात्रा की शुरुआत की। 3.5 साल की छोटी सी अवधि में, दुनिया भारत की ओर विश्वास से देख रही है। आज पांच सेमीकंडक्टर यूनिट का निर्माण का काम तेजी से चल रहा है। सेमीकॉन इंडिया 2025 के उद्घाटन और पीएम नरेंद्र मोदी के इस इवेंट में शिरकत करने के बाद सेमीकंडक्टर चिप को लेकर हलचल तेज हो गई है। पीएम मोदी का कहना है कि सरकार भारत सेमीकंडक्टर मिशन और उसको तैयार करने से जुड़ी प्रोत्साहन (डीएलआई) योजना के अगले फेज पर काम कर रही है। सेमीकॉन इंडिया 2025 के उद्घाटन के मौके पर पीएम मोदी ने कहा, हम भारत सेमीकंडक्टर मिशन के अगले चरण पर काम कर रहे हैं। वह दिन दूर नहीं जब भारत में बनी सबसे छोटी चिप दुनिया में सबसे बड़ा बदलाव लाएगी। सरकार नई डीएलआई (डिजाइन-लिंक्ड इंसेंटिव) योजना को आकार देने जा रही है। लेकिन बहुत सारे लोगों के मन में यह सवाल है कि सेमीकंडक्टर चिप क्या होती है? दुनिया में क्यों सेमीकंडक्टर चिप को लेकर लड़ाई छिड़ी है और भारत अब इस रेस में शामिल होने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहा है।

2 सितंबर 2025 को नई दिल्ली में सेमीकॉन इंडिया 2025 के उद्घाटन पर भारत ने इस दिशा में एक प्रतीकात्मक लेकिन बड़ी छलांग लगाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश में बनी पहली चिप/प्रोसेसर को तोहफे में दिया गया। कार्यक्रम में विक्रम नाम का 32-बिट देसी (इंडिजेनस) माइक्रोप्रोसेसर भी प्रदर्शित किया गया जिसे खुद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रधानमंत्री को दिखाया।

आसान भाषा में समझें तो चिप पतली सिलिकॉन वेफर पर बने लाखों-करोड़ों ट्रांजिस्टरों का जाल है। यही कम्प्यूट करती है, मेमोरी मैनेज करती है, सिग्नल प्रोसेस करती है और डिवाइस को स्मार्ट बनाती है। अलग-अलग कामों के लिए अलग-अलग तरह की चिप्स जैसे सीपीयू/जीपीयू (प्रोसेसिंग), एमसीयू (कंट्रोल), मेमोरी (डीरैम/नंद), आरएफ/एनालॉग (नेटवर्किंग/सेंसर) वगैरह इस्तेमाल होती हैं। सेमीकॉन इंडिया 2025 के मंच से सरकार ने कहा कि भारत का सेमीकंडक्टर सफर निर्णायक मोड़ पर है। बड़े-बड़े कारोबारियों की मौजूदगी में पीएम को देश में बने चिप/टेस्ट-चिप्स का प्रदर्शन किया गया। इसमें इसरो की सेमी-कंडक्टर लैबोरेट्री द्वारा विकसित विक्रम 32-बिट प्रोसेसर प्रमुख था। इसे स्पेस लॉन्च व्हीकल जैसे हाई-रिलायबिलिटी इस्तेमाल के लिए डिजाइन किया गया है।

कार्यक्रम में यह भी जानकारी दी गई कि देश में अभी पांच सेमीकंडक्टर यूनिट्स का निर्माण तेजी से चल रहा है और सरकार का लक्ष्य स्वदेशी चिप्स को बाजार में 2025 के आखिर तक लाना है। विक्रम भारत का पूरी तरह स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर बताया जा रहा है। इसकी डिजाइन से लेकर वेरिफिकेशन तक सब कुछ देश में ही हुआ है। यह हाई-रिलायबिलिटी/स्पेस-ग्रेड इस्तेमाल के लिए बनाया गया है। जहां कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स की तुलना में गलती न होना और लॉन्ग-लाइफ सबसे जरूरी होती है।

भारत नहीं आ पाएंगे...

नए इमिग्रेशन और फॉरेनर्स एक्ट, 2025 के तहत हर राज्य सरकार और केंद्र शासित प्रदेश को डिटेंशन कैंप बनाना होगा। इन कैंपों में पकड़े गए अवैध प्रवासियों को रखा जाएगा और उनकी आवाजाही सीमित रहेगी, जब तक कि उन्हें वापस उनके देश नहीं भेज दिया जाता। अब हर विदेशी नागरिक को किसी भी श्रेणी का वीजा लेने या ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) कार्ड के लिए आवेदन करते समय अपनी बायोमेट्रिक जानकारी देना जरूरी होगा। यही जानकारी केंद्रीय सरकार के पोर्टल पर सुरक्षित रखी जाएगी। इसके साथ ही सीमा सुरक्षा बल और कोस्ट गार्ड को आदेश दिया गया है कि भारत में अवैध तरीके से प्रवेश करने वालों को पकड़कर उनकी बायोमेट्रिक व डेमोग्राफिक जानकारी दर्ज करें और फिर उन्हें वापस भेज दें।

गृह मंत्रालय ने साफ कहा है कि विदेशी नागरिक को भारत में आने या रुकने की अनुमति नहीं दी जाएगी अगर वह राष्ट्रविरोधी गतिविधियों, आतंकवाद या जासूसी में शामिल हो, दुष्कर्म, हत्या, बाल शोषण जैसे अपराधों में दोषी हो या नशीली दवाओं की तस्करी, मानव तस्करी, नकली दस्तावेज या मुद्रा (क्रिप्टो करेंसी समेत) की तस्करी करता हो और साइबर अपराध या मनी लॉन्ड्रिंग जैसी गतिविधियों में शामिल हो। भारत में वैध वीजा पर आने वाला कोई भी विदेशी नागरिक बिजली, पानी या पेट्रोलियम क्षेत्र की निजी कंपनियों में काम नहीं कर सकेगा, जब तक कि उसे सिविल अथॉरिटी से खास अनुमति न मिले। विदेशी नागरिक अगर फिल्म, डॉक्यूमेंट्री, टीवी सीरियल, वेब सीरीज या रियलिटी शो बनाना चाहते हैं तो इसके लिए उन्हें केंद्र सरकार से लिखित अनुमति लेनी होगी।

विदेशी नागरिक बिना अनुमति के भारत के किसी भी पहाड़ पर चढ़ाई नहीं कर पाएंगे। उन्हें रूट बताना होगा, सरकार द्वारा तय किए गए संपर्क अधिकारी को साथ रखना होगा और कैमरा व वायरलेस उपकरण के इस्तेमाल की जानकारी देनी होगी। साथ ही, भारत के संरक्षित और प्रतिबंधित क्षेत्रों में प्रवेश के लिए अलग से परमिट लेना अनिवार्य होगा। वहीं अफगानिस्तान, चीन और पाकिस्तान मूल के विदेशी नागरिकों को ऐसे क्षेत्रों में जाने की अनुमति बिल्कुल नहीं मिलेगी। प्रतिबंधित क्षेत्रों में अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान के कुछ हिस्से शामिल हैं।

इसके साथ ही समुद्री जहाज के नाविक या विमान चालक दल के विदेशी सदस्यों को भारत में उतरने के लिए लैंडिंग परमिट या शोर लीव पास लेना होगा, अगर उनके पास वैध भारतीय वीजा नहीं है। गृह मंत्रालय ने यह भी कहा है कि किसी व्यक्ति को भारत छोड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी अगर उसकी मौजूदगी किसी अदालत के मामले के लिए जरूरी है या वह ऐसी बीमारी से पीड़ित है जो सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा है। इसके साथ ही उसके जाने से भारत के किसी देश के साथ संबंध प्रभावित हो सकते हैं या फिर उस पर केंद्रीय सरकार या किसी जांच एजेंसी का प्रतिबंध लागू है। इस पूरी व्यवस्था पर नजर रखने और रिकॉर्ड बनाए रखने का जिम्मा ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन को सौंपा गया है।

अल्पसंख्यक संस्थाओं पर...

तय करें कि क्या प्रमाती वाले फैसले पर बड़ी बेंच द्वारा दोबारा विचार होना चाहिए? जस्टिस दत्ता ने कहा, हमारी राय में आरटीई एक्ट सभी अल्पसंख्यक संस्थानों पर लागू होना चाहिए, चाहे वे सहायता प्राप्त हों या न हों। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस कानून के लागू होने से अनुच्छेद 30 (1) के तहत सुरक्षित अल्पसंख्यक चरित्र पर कोई आंच नहीं आती। उल्टा, आरटीई एक्ट लागू करना अनुच्छेद 30 (1) की सार्थक व्याख्या के अनुरूप है। अनुच्छेद 21 ए (शिक्षा का अधिकार) और अनुच्छेद 30 (1) के बीच कोई टकराव नहीं है; दोनों एक साथ और सामंजस्य के साथ चल सकते हैं।

बेंच ने कहा कि एक्ट की धारा 12 (1) (सी) जिसमें प्रवेश स्तर पर वंचित वर्गों और कमजोर तबकों के बच्चों के लिए 25 प्रतिशत आरक्षण अनिवार्य किया गया है, का उद्देश्य सामाजिक समावेश और प्राथमिक शिक्षा का सार्वभौमिकरण है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, यह सच है कि इस तरह का प्रावधान कुछ हद तक संस्थानों की स्वायत्तता को प्रभावित करता है। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या इससे ऐसे संस्थानों के अल्पसंख्यक चरित्र का पूरी तरह नाश हो जाता है। इस पर खुली छूट देने के बजाय हर मामले में अलग-अलग स्थिति देखकर फैसला करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि धारा 12 (1) (सी) से स्कूल की जनसांख्यिकी में ऐसा बदलाव नहीं होता जिससे अल्पसंख्यक स्कूलों की पहचान पर असर पड़े। अल्पसंख्यक संस्थान पहले से ही अपनी समुदाय से बाहर के छात्रों को प्रवेश देते हैं; अगर यह काम एक पारदर्शी और राज्य द्वारा तय ढांचे के तहत किया जाए तो इससे उनके किसी अधिकार पर असर नहीं पड़ता। इसके अलावा, धारा 12 (1) (सी) के साथ प्रतिपूर्ति (रीइंबर्समेंट) की व्यवस्था भी है, जिससे वित्तीय बोझ नहीं पड़ता।

एमएलसी के कविता...

पार्टी अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव ने कविता को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया है। कविता के करीबियों का कहना है कि अनुशासनिक कार्रवाई के बाद वह पार्टी की सदस्यता और एमएलसी पद से इस्तीफा दे सकती हैं। यह नोटिस अनुशासन समिति के नेताओं ने हस्ताक्षर कर जारी किया है, न कि केसीआर या बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामा राव ने। बीआरएस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, जब से कविता ने पार्टी के दो वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ बयान दिया है, तब से बीआरएस यह सोच रही थी कि आगे क्या किया जाए। सोमवार और मंगलवार को पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने चर्चा की और पार्टी अध्यक्ष केसीआर की सहमति से फैसला लिया।

बीआरएस का यह बड़ा ड्रामा उस वक्त सामने आया है जब ठीक एक दिन पहले मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना विधानसभा में ऐलान किया कि कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना की जांच अब सीबीआई को सौंपी जाएगी। कविता ने दावा किया कि हरीश राव ही केसीआर के खिलाफ सीबीआई जांच के जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा, यह कैसे हो सकता है कि वही लोग अब भी पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं? हरीश राव, जो पांच साल तक सिंचाई मंत्री रहे, क्या उनकी इसमें कोई भूमिका नहीं है? आज केसीआर पर जो आरोप लग रहे हैं, उसके जिम्मेदार वही हैं।कविता ने आरोप लगाया, ऐसा ही एक और व्यक्ति है मेधा कृष्णा राव (बिल्डर और उद्योगपति) और पूर्व राज्यसभा सांसद संतोष कुमार। जब केसीआर तेलंगाना के लोगों के लिए काम कर रहे थे, तब ये लोग सिर्फ अपने फायदे और धन इकट्ठा करने में लगे हुए थे। बीआरएस सूत्रों ने बताया कि जैसे ही कविता के बयान न्यूज चैनलों पर दिखाए गए, बीआरएस का शीर्ष नेतृत्व हैदराबाद के बाहरी इलाके में स्थित केसीआर के घर पर इकट्ठा हो गया।

शिक्षकों के नौकरी...

से पहले नियुक्त शिक्षकों के लिए दिशा-निर्देश भी जारी किए।

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की पीठ ने संवैधानिक संदर्भ के साथ अंजुमन इशात-ए-तालीम ट्रस्ट बनाम महाराष्ट्र राज्य एवं अन्य समेत कई दीवानी अपीलों में शिक्षक पात्रता के मुद्दों पर भी विचार किया। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) ने 29 जुलाई, 2011 से टीईटी अनिवार्य कर दी थी।

मुख्य प्रश्न यह था कि ऐसे में क्या इससे पहले नियुक्त शिक्षकों को सेवा में बने रहने या पदोन्नति के लिए टीईटी उत्तीर्ण करना जरूरी है? यह प्रश्न विशेष रूप से अल्पसंख्यक संस्थानों में शिक्षकों के लिए उठाया गया।

शीर्ष कोर्ट ने निर्देश जारी किया कि जिन शिक्षकों की सेवा अवधि पांच वर्ष से कम शेष है, उन्हें टीईटी उत्तीर्ण किए बिना सेवा जारी रखने की अनुमति दी जाएगी। हालांकि, प्रोन्नति के लिए उन्हें टीईटी उत्तीर्ण करना होगा। पीठ ने यह भी कहा कि अधिनियम लागू होने से पूर्व भर्ती सेवारत शिक्षक, जिनकी सेवानिवृत्ति में 5 वर्ष से अधिक का समय बचा है, उन्हें दो वर्षों में टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। विफल रहने पर सेवा छोड़नी होगी या अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त होना होगा व सेवांत लाभ का भुगतान करना होगा।

सेवानिवृत्ति लाभ के मकसद से अर्हता हासिल करने के लिए ऐसे शिक्षकों को नियमानुसार अर्हक (क्वालीफाइंग) सेवा पूरी करनी होगी। यदि किसी शिक्षक ने अर्हक सेवा पूरी नहीं की या उसमें कोई कमी है, तो इस मामले पर संबंधित विभाग विचार कर सकता है। बता दें कि एनसीटीई ने 2010 में कक्षा 1 से 8 तक की शिक्षक नियुक्ति के लिए कुछ न्यूनतम योग्यताएं निर्धारित की थीं। इसके बाद एनसीटीई ने टीईटी की शुरुआत की थी।

रूस से कच्चा ...

यह कदम अमेरिकी नीति का हिस्सा था, ताकि भारत रूस से तेल खरीदना कम करे और मास्को को यूक्रेन युद्ध में दबाव में लाया जा सके।

भारत ने इस दबाव के आगे झुकने का कोई संकेत नहीं दिया। भारत सरकार ने स्पष्ट किया कि देश अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखेगा और अमेरिका यह तय नहीं करेगा कि भारत किस देश से व्यापार करे। भारतीय रिफाइनरी कंपनियों ने कहा कि वे रूसी तेल खरीदना जारी रखेंगे। रूस के लिए भारत का महत्व भी लगातार बढ़ा है। फरवरी 2022 में, जब रूस ने यूक्रेन पर आक्रमण किया, भारत के कुल तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी 2 प्रतिशत से भी कम थी। पश्चिमी देशों ने रूसी तेल से दूरी बनानी शुरू की और रूस ने इच्छुक खरीदारों को छूट देना शुरू कर दी।

भारतीय रिफाइनरियों ने इस मौके का तुरंत लाभ उठाया और रूस कुछ ही महीनों में भारत के लिए कच्चे तेल का सबसे बड़ा स्रोत बन गया। पारंपरिक पश्चिम एशियाई आपूर्तिकर्ताओं भी इस दौर में पीछे छूट गए। अब भारत के कुल तेल आयात में रूस का हिस्सा एक तिहाई से अधिक है और यह दुनिया में रूस का दूसरा सबसे बड़ा ग्राहक बन गया है। इसके अलावा, रूसी तेल मास्को के लिए राजस्व का सबसे बड़ा स्रोत है और भारत की लगातार बढ़ती खरीद ने क्रेमलिन को वित्तीय मदद भी दी।

रूसी तेल खरीद में समय के साथ छूट घटने के पीछे कई कारण हैं। इसमें मुख्य रूप से अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों में सामान्य गिरावट और माल ढुलाई और बीमा लागत में वृद्धि शामिल है। पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण रूसी तेल की ढुलाई और बीमा महंगा हुआ है, जिससे वास्तविक लैंडेड कीमत पर छूट कम हो गई है। भारत के लिए लैंडेड मूल्य ही मायने रखता है, क्योंकि यही वह राशि है जो रिफाइनिंग कंपनियां वास्तव में चुकाती हैं। व्यापारियों के अनुसार, रूस से तेल की बढ़ती खरीद ने न केवल भारतीय रिफाइनरियों को सस्ता तेल उपलब्ध कराया, बल्कि वैश्विक आपूर्ति को स्थिर रखने में भी मदद की, जिससे भारत को अन्य स्रोतों से महंगा तेल खरीदने की जरूरत नहीं पड़ी।

सप्लाई की स्थिति और भविष्य की संभावनाओं की बात करें, तो सितंबर में भारत की रूसी तेल की खरीद अगस्त से 10-20 प्रतिशत बढ़ने की संभावना है, यानी प्रतिदिन लगभग 1.5 लाख से 3 लाख बैरल तक। रूस ने यूरोप और अमेरिका की खरीद सीमित होने के कारण अपनी आपूर्ति बढ़ाई है। हाल ही में यूक्रेन ने रूसी रिफाइनरियों पर हमला किया, जिससे देश की रिफाइनिंग क्षमता का 17 प्रतिशत हिस्सा बंद हो गया है। इसके बावजूद रूस के पास अगले महीने निर्यात करने के लिए पर्याप्त तेल हैं। भारत की दो सबसे बड़ी रिफाइनरियां, रिलायंस और नायरा एनर्जी ने संकेत दिया है कि वे तेल खरीदना जारी रखेंगी। ये कंपनियां मुख्य रूप से रूसी तेल पर निर्भर हैं।

वैश्विक बाजार पर इसका असर भी महत्वपूर्ण है। अगर भारत ने रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया होता, तो वैश्विक आपूर्ति में लगभग दस लाख बैरल प्रतिदिन की कमी होती और कीमतें अल्पकालिक रूप से लगभग 100 डॉलर प्रति बैरल तक बढ़ सकती थीं। इसके अलावा, भारत रूस का सबसे बड़ा खरीदार बनकर वैश्विक तेल बाजार में संतुलन बनाए रखने में भी योगदान दे रहा है। अमेरिका और यूरोप के प्रतिबंधों के बावजूद भारत की मांग रूस को अपनी आपूर्ति बनाए रखने में मदद कर रही है।

हाल के वर्षों में भारत द्वारा रूसी तेल की बढ़ती खरीद ने देश को सस्ते कच्चे तेल का लाभ दिया है। 2024 में ओपेक का हिस्सा बढ़ा और पेट्रोलियम निर्यातक देशों से महंगी आपूर्ति के कारण भारत की रणनीति और महत्वपूर्ण हो गई। सितंबर में रूस ने यूराल क्रूड को ब्रेंट के मुकाबले 2-3 डॉलर प्रति बैरल की छूट पर बेचा, जो अगस्त के 1.50 डॉलर से सस्ता था। इसका मतलब है कि भारत आर्थिक रूप से लाभ उठा रहा है और अमेरिकी टैरिफ के बावजूद अपने तेल मिश्रण में रूसी तेल को प्रमुख बनाए रखेगा। अगले कुछ महीनों में भारत का रूसी तेल आयात बढ़ते रह सकता है, क्योंकि न केवल यह सस्ता है, बल्कि वैश्विक तेल बाजार में स्थिरता बनाए रखने में भी मदद करता है। भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि तेल पर प्रतिबंध नहीं होने तक वह जहां से सबसे अच्छा सौदा मिलेगा, वहां से तेल खरीदेगा। अमेरिकी टैरिफ और दबाव के बावजूद, देश ने अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखी है और रूसी तेल की खरीद को प्राथमिकता दी है। इस वजह से भारतीय रिफाइनरियों को आर्थिक लाभ मिला है और वैश्विक तेल बाजार में भारत का प्रभाव भी मजबूत हुआ है।

एसआईआर पर...

साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश दिया कि सभी जिलों में पैरा-लीगल वालंटियर तैनात किए जाएं, जो मतदाताओं और राजनीतिक दलों को ऑनलाइन दावे और आपत्तियां दर्ज करने में मदद करेंगे।

चुनाव आयोग ने कहा कि राजनीतिक दल सूची से नाम हटाने की आपत्तियां दर्ज कर रहे हैं, न कि नए नाम जोड़ने के दावे। 7.24 करोड़ मतदाताओं में से 99.5 प्रतिशत ने फॉर्म जमा कर दिए हैं, जबकि 65 लाख बहिष्कृत मतदाताओं में से अब तक केवल कुछ हजार दावे ही आए हैं। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 8 सितंबर को तय की है।

दूसरी तरफ चुनाव आयोग ने कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा के दो पहचान पत्र नंबर को लेकर नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा है। नई दिल्ली के जिला निर्वाचन कार्यालय ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची में अपना पंजीकरण कराने के लिए नोटिस भेजा है। पवन खेड़ा ने दो निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची में अपना पंजीकृत करा रखा है। इनमें एक नंबर जंगपुरा विधानसभा क्षेत्र में है और दूसरा नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में, जो क्रमशः पूर्वी दिल्ली और नई दिल्ली लोकसभा क्षेत्रों के अंतर्गत आते हैं।

पितृपक्ष आने से पहले घर से बाहर कर दें ये पांच वस्तुएं

पितृपक्ष का हिंदू धर्म में बहुत खास महत्व होता है। इस दौरान लोगों द्वारा अपने पूर्वजों को याद किया जाता है और विधि-विधान से पूजा की जाती है। इस साल पितृपक्ष का आरंभ 7 सितंबर, रविवार के दिन हो रहा है। मान्यता है कि इस अवधि में पितर स्वर्ग लोक से धरती पर आते हैं और अपने परिवार के सदस्यों को आशीर्वाद देते हैं। ऐसे में पितृपक्ष के दौरान भूलकर भी घर में कुछ चीजें नहीं रखनी चाहिए। ऐसा करने से व्यक्ति का बुरा समय शुरू हो सकता है। इसलिए आज ही अपने घर से इन वस्तुओं को जरूर हटा लें।

पितृ पक्ष से पहले जरूर हटा लें ऐसे बर्तन

अगर आपके घर में ऐसे बर्तन रखे हैं, जो टूट या चटक चुके हैं तो उन्हें पितृ पक्ष से पहले अपने घर से जरूर निकाल लें। मान्यता है कि ऐसे बर्तन घर सुख-समृद्धि में बाधा डालते हैं और जातक को समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में अपने घर में हमेशा सुख-समृद्धि और खुशहाली बनाए रखने के लिए टूटे हुए बर्तन पितृ पक्ष से पहले जरूर हटा दें।

घर में खंडित मूर्तियां रखना होता है अशुभ

भूलकर भी घर में खंडित मूर्तियां नहीं रखनी चाहिए। ऐसा करना बेहद अशुभ माना गया है। अगर आप खंडित मूर्तियों की पूजा करते हैं, तो इससे भगवान रुष्ट हो सकते हैं और आपको जीवन में कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में गलती से भी यह काम नहीं करना चाहिए। मान्यता है कि घर में खंडित मूर्ति रखने से वास्तु दोष उत्पन्न हो सकता है। ऐसे में पितृपक्ष आने से पहले ये काम जरूर कर लें, अन्यथा आपके जीवन में परेशानियां आ सकती हैं।

घर में नकारात्मकता फैलाता है यह सामान

पितृपक्ष शुरू होने में बस कुछ ही दिन बचे हैं। ऐसे में अपने घर का कबाड़ जरूर निकाल लें। मान्यता है कि पितृपक्ष के दौरान घर को एकदम साफ-सुथरा

रखना चाहिए। ऐसा करने से पूर्वज प्रसन्न होते हैं और उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है। लेकिन अगर पितृपक्ष के दौरान घर में कबाड़ फैला रहे, तो इससे सकारात्मक की बजाए नकारात्मक ऊर्जा का संचार होने लगता है।

इस वस्तु की मौजूदगी से घर में आ सकती है दरिद्रता

अगर आपके घर में ऐसे पौधे रखे हैं जो खरा ब हो गए हैं या पूरी तरह से सूख गए हैं, तो उन्हें तुरंत वहां से हटा दें। मान्यता है कि घर में सूखे पौधे रखने से आसपास के वातावरण में नकारात्मकता फैलने लगती है। घर में विशेष रूप से सूखी तुलसी नहीं रखनी चाहिए। ऐसे में पितृपक्ष शुरू होने से इस काम को जरूर कर लें, अन्यथा घर में दरिद्रता आ सकती है।

मुख्य द्वार पर बिल्कुल भी न हो गंदगी

पितृपक्ष के दौरान घर के सामने बिल्कुल भी गंदगी नहीं रखनी चाहिए। घर के मुख्य द्वार पर गंदगी रखने से देवी-देवता और पूर्वज नाराज हो सकते हैं। ऐसे में अगर आपने कोई भी ऐसा सामान घर के सामने रखा है जो उपयोगी नहीं है और खराब पड़ा है, तो उसे तुरंत हटा दें और पितृपक्ष के दौरान अपने घर के आंगन और मुख्य द्वार पर साफ-सफाई बनाए रखें।

चंद्रग्रहण पर राहु चंद्रमा की युति से बनेगा ग्रहण योग

जानें किन-किन राशियों की खुशियों पर लगेगा ग्रहण का साया

साल का अंतिम चंद्रग्रहण 7 सितंबर को लग रहा है। यह चंद्रग्रहण पूर्ण चंद्रग्रहण होगा यानी चंद्रमा इस समय पूरी तरह से ढक जाएगा। यह ग्रहण ज्योतिषीय दृष्टि से भी कई मायनों में खास होने जा रहा है। दरअसल, इस चंद्रग्रहण के दौरान ग्रहों के बहुत ही विचित्र संयोग बन रहा है। सूर्य और केतु की युति सिंह राशि में रहेगी। वहीं, राहु और चंद्रमा की युति इस दिन कुंभ राशि में होगा। ऐसे में राहु और चंद्रमा की युति होने से ग्रहण योग बनेगा। वहीं, सूर्य और केतु की युति से भी ग्रहण योग बना है। ऐसे में डबल ग्रहण योग का प्रतिकूल प्रभाव देश, दुनिया और राशियों पर दिखाई देगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, ग्रहों की ऐसी स्थिति के बीच पहाड़ी क्षेत्रों में इस दौरान भारी बारिश और प्राकृतिक आपदाएं घटित हो सकती हैं। वहीं, वृषभ सहित 5 राशियों पर भी चंद्रग्रहण का प्रतिकूल प्रभाव देखने को मिलेगा।

वृषभ राशि के बढ़ेंगे कष्ट

चंद्रग्रहण का असर वृषभ राशिवालों की सेहत और धन पर दिखाई देने वाला है। चंद्रग्रहण के दौरान वृषभ राशि के जातकों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही इस दौरान आपके खर्चे भी काफी ज्यादा रहने वाले हैं। ऐसे में आप काफी परेशान हो सकते हैं। कोई पुरानी बीमारी फिर से घर कर सकती हैं। साथ ही आपको बेफिजूल के खर्च भी काफी ज्यादा करने पड़ेंगे जिनपर आपका कोई कंट्रोल नहीं होगा। ऐसे में आप मानसिक रूप से काफी परेशान हो सकते हैं। आपको इस अवधि में कामकाज की भी काफी परेशानी रहेगी।

मिथुन राशि को सताएंगी गुप्त चिंताएं

चंद्रग्रहण के प्रभाव से मिथुन राशि के जातकों को संतान संबंधी गुप्त चिंताएं सता सकती हैं। संतान के कारण आप बहुत ज्यादा परेशान होंगे जिसका असर आपके स्वास्थ्य पर भी पड़ेगा। साथ ही घर परिवार के लोगों के साथ भी आपके संबंध कुछ अच्छे नहीं रहने वाले हैं। परिवार के साथ आप भावनात्मक रूप से खुद को कनेक्ट नहीं कर पाएंगे। बात करें आपके करियर की तो इस समय आप पर काम का अधिक बोझ रहने वाला है। ऐसे में आपको काफी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आपके अधिकारी आपके कामकाज के तरीके से खुश नहीं नजर आएंगे।

सिंह राशि वैवाहिक जीवन में होगी परेशानी

चंद्रग्रहण के बाद सिंह राशि के लोगों के पारिवारिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। सिंह राशि के जातकों को अपने पार्टनर के कारण काफी दिक्कतें हो सकती है। इस दौरान आपका अपने पार्टनर के साथ आपके रिश्ते अच्छे नहीं रहेंगे। वैवाहिक जीवन में काफी परेशानियां रहने वाली हैं। पार्टनर और पूरा समय नहीं दे पाएंगे जिस वजह से आपके काफी लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। परिवार वालों के साथ भी सामंजस्य बैठाने में काफी परेशानी रहेगी। भाई बहनों के साथ रिश्तों में भी दूरियां आ सकती है। आपको इस दौरान बहुत ही धैर्य से काम करने की जरूरत है।

तुला राशिवाले उलझा महसूस करेंगे

तुला राशि के लोगों के खर्चों में काफी बढ़ोतरी होने वाली है। तुला राशि के लोगों के कामकाज में भी काफी देरी हो सकती है। साथ ही एक नहीं बल्कि एक साथ कई कार्य रहने वाले हैं। आपके कामकाज के कारण आप काफी उलझे हुए महसूस करेंगे। जो लोग आपके व्यापार करते हैं उन्हें सलाह है कि दूसरों पर भरोसा न करें आपके करीबी लोग ही आपको नुकसान पहुंचाने की साजिश कर सकते हैं। अपनी योजनाओं को भी गुप्त रखें वरना लोग आपका फायदा उठा सकते हैं।

कुंभ राशि को होगा शारीरिक कष्ट

कुंभ राशि में ही ग्रहण लगने जा रहा है। ऐसे में कुंभ राशि के जातकों को बहुत सचेत रहने की जरूरत है। आपको दुर्घटना का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही आपके शत्रु भी आप पर हावी रहेंगे वह आपके खिलाफ मिलकर षडयंत्र रच सकते हैं जिस वजह से करियर में काफी उठापटक रहने वाली हैं। नौकरीपेशा लोगों के लिए समय थोड़ा कष्टकारी साबित होगा। आपको सलाह है कि इस अवधि में अपनी वाणी पर थोड़े कंट्रोल करें और अपना आसपास की चीजों पर थोड़ा गौर करें। वरना भारी नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

श्राद्ध क्यों है पितरों की तृप्ति और पितृ दोष निवारण का सबसे सरल उपाय

श्राद्ध की मूलभूत परिभाषा यह है कि दिवंगत पूर्वजों यानी पितरों के निमित्त, उनकी आत्मा की तृप्ति के लिए श्रद्धा पूर्वक जो अर्पित किया जाता है, वह श्राद्ध है। श्राद्ध पितरों की तृप्ति हेतु श्रद्धा पूर्वक अर्पण किया गया अनुष्ठान स्वरूप है, जिसमें पिंडदान, तर्पण और ब्राह्मण भोजन प्रमुख हैं। पितृ पक्ष में किए गए श्राद्ध से पितृ दोष निवारण होता है, श्राद्ध करने हेतु विधि, संयम का पालन अनिवार्य है। श्राद्ध प्रकाश के अनुसार पकाए हुए शुद्ध पकवान व दूध, दही, घी आदि को देश काल, पात्र के अनुसार तिल, कुश, जल के साथ दिया हुआ दान श्राद्ध है।

श्राद्ध का पितरों के साथ अटूट संबंध – दक्षिण दिशा की ओर पितरों को याद करके दान देने से जन्मकुण्डली में विद्यमान पितृ दोष का निवारण होता है। इसके तहत श्रद्धा पूर्वक ब्राह्मणों को भोजन कराना, वस्त्र, दक्षिणा सहित वह सभी वस्तुएं भी दान देनी चाहिए जो आपके पूर्वजों, पितरों को प्रिय थी। प्रचलित मान्यताओं के अनुसार श्राद्ध पितरों को आहार पहुंचाने का माध्यम है। पितृ पक्ष के दिनों में दिया गया दान पितरों को प्राप्त होता है।

श्राद्धपक्ष में क्या करें, क्या न करें – श्राद्ध कर्ता को ब्रह्मचर्य का पालन अवश्य करना चाहिए, दूसरे के घर का अन्न श्राद्धकाल में ग्रहण नहीं करना चाहिए तथा श्राद्ध कर्म वाले दिन यात्रा को भी वर्जित बताया गया है। इसी प्रकार मांसभक्षण, धूम्रपान, लोहे व मिट्टी के बर्तनों का प्रयोग न करें। श्राद्ध के दिन जिन कार्यों की मनाही है, उनका ध्यान रखना भी जरूरी है अन्यथा विफलता का भय रहता है।

श्राद्ध विधि-विधान – साधारण गृहस्थ श्राद्ध कर्म की विधि अनुसार तीन प्रमुख कार्य कर पितरों को संतुष्ट कर सकते हैं, पहला पिंडदान, दूसरा तर्पण और तीसरा ब्राह्मण भोजन। सुबह उठकर स्नान कर देव स्थान व पितृस्थान को साफ-सुथराकर, गंगाजल से पवित्र करें, महिलाऐं शुद्ध होकर पितरों के निमित्त भोजन बनाडु। दक्षिणमुख होकर आचमन एवं मार्जन कर जनेउ को दाएं कंधे पर रखकर चावल (भात), गाय का दूध, घी, शक्कर एवं शहद को मिलाकर बने पिण्डों को श्रद्धाभाव के साथ अपने पितरों को अर्पित करना चाहिए। जल में काले तिल, जौ, कुशा, सफेद फूल मिलाकर उस जल से विधिपूर्वक तर्पण करें। श्राद्ध के अधिकारी श्रेष्ठ ब्राह्मण तथा कुल के अधिकारी जैसे जमाई, भतीजे आदि को न्यौता देकर बुलाएं। पितरों के निमित्त अग्नि में गाय का दूध, दही, घी एवं खीर अर्पित करें। गाय, कुत्ता, कौआ व अतिथि के लिए भोजन से चार ग्रास निकालें। ब्राह्मणों को आदरपूर्वक भोजन कराएं, वस्त्र, दक्षिणा आदि से सम्मान कर आशीर्वाद प्राप्त करें।

गजकेसरी योग में इन राशियों को मिलेगा लाभ

गणपति बप्पा व्यापार में दिलाएंगे सफलता

3 सितंबर, बुधवार के दिन चंद्रमा पर गुरु की पूर्ण सप्तम दृष्टि होगी। मिथुन राशि में गुरु और चंद्रमा धनु राशि में होंगे, जिससे गजकेसरी योग का प्रभावशाली संयोग बन रहा है। इस योग में भगवान गणेश मेष, कन्या, वृश्चिक और तुला राशि की किस्मत चमका सकते हैं। कारोबार में सफलता हासिल होगी और भाग्य का भी पूरा साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में किए गए प्रयासों का उत्तम फल प्राप्त होगा और लाभ कमाने के नए अवसर सामने आते जाएंगे। कार्यस्थल पर हर चुनौती का समाधान निकलेगा और आर्थिक मामलों में लाभ होगा। जीवन में नई शुरुआत हो सकती है और कारोबार का विस्तार होगा। परिवार का माहौल खुशनुमा रहने से मन प्रसन्न रहेगा।

मेष : कारोबार में मिलेगी सफलता

कारोबार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है और आपको सफलता प्राप्त होगी। सौभाग्य का साथ मिलने से आप खरीदारी भी कर सकते हैं और कार्यक्षेत्र में ईमानदारी से काम करने का फल प्राप्त होगा। व्यापार के मामले में भी दिन अच्छा रहने वाला है और आपको लाभ कमाने के मौके मिलेंगे। निजी संबंध प्रेमपूर्ण रहेंगे और परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।

वृषभ : भाग्य का मिलेगा साथ

आर्थिक मामलों में यह समय अनुकूल रहने वाला है वाला है और आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। कारोबार का विस्तार होने से मन प्रसन्न रहेगा और त्रिपक्षीय साझेदारी करने की स्थिति भी बन सकती है। कुछ महत्वपूर्ण मामलों में आपके लिए सोच-समझकर फैसला लेना बेहद जरूरी होगा। निजी संबंधों में आपको रिश्ते मजबूत बनाने का प्रयास करना होगा।

मिथुन : खट्टे-मीठे रहेंगे अनुभव

नौकरी की तलाश करने वाले लोगों को कोई ऑफर या अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है और आप कुछ चीजों की खरीदारी करने भी जा सकते हैं। वहीं, कार्यक्षेत्र में जरूरत पड़ने पर सहकर्मियों की मदद न मिलने से मन निराश हो सकता है। व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की संभावना भी बनी हुई है। लेकिन परिवार के मामले में आपसी मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं।

कर्क : सोच-समझकर लें फैसले

कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव बढ़ सकता है और आप युवा वर्ग को प्रोत्साहित करने में भी सफलता हासिल करेंगे। लेकिन कोई भी महत्वपूर्ण फैसला सोच-समझकर लेना जरूरी होगा, अन्यथा नुकसान उठाना पड़ सकता है। आपकी संतान अपने करियर के बारे में कोई फैसला ले सकती है। व्यापार के मामले में दिन सामान्य से मध्यम रह सकता है।

सिंह : कार्यक्षेत्र में प्रयासों से होगा लाभ

कार्यस्थल पर आपको किसी भी व्यक्ति से ज्यादा अपेक्षाएं या उम्मीदें रखने से बचना होगा। ऐसा करने से आपको नुकसान हो सकता है और संघर्ष का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक मामलों में कोई भी फैसला लेते समय जल्दबाजी न करें। सोच-समझकर ही निर्णय लेना ज्यादा बेहतर होगा। आप कार्यक्षेत्र में सहजता के साथ कई समस्याओं का समाधान आसानी से निकाल लेंगे।

कन्या : लाभ कमाने के मिलेंगे नए अवसर

आपको अपने आसपास तेजी से बदलाव देखने को मिल सकते हैं और लाभ कमाने के नए अवसर सामने आते जाएंगे। लेकिन आपको सफलता प्राप्त करने के प्रयास करने होंगे। कार्यक्षेत्र में आपको अपने विचारों को सभी के सामने खुलकर रखना होगा और जरूरत पड़ने पर सही निर्णय लेना जरूरी होगा। वहीं, निजी जीवन में आपको अपनी भावनाओं को समझना होगा।

तुला : कार्यक्षेत्र में नई सोच से होगा लाभ

आपके जीवन में एक नई शुरुआत हो सकती है। व्यवसाय के क्षेत्र में योजनाओं को पूरा कर लेने से आपका तनाव कम होगा और सुकून महसूस करेंगे। इसी के चलते आपको कई नए अवसर भी प्राप्त हो सकते हैं, जिसके लिए आपको तैयार रहना होगा। कुछ संभावनाएं आपको खुद भी देखनी होंगी। कार्यक्षेत्र में नई सोच और नजरिये से रचनात्मक क्षमता में वृद्धि होगी।

वृश्चिक : हर चुनौती का निकलेगा समाधान

व्यवसाय के क्षेत्र में आप ऊर्जावान रहकर साहसिक निर्णय ले सकते हैं। आपके सामने कुछ संभव दिखने वाले कार्य और चुनौतियां आ सकती हैं। लेकिन अपनी समझदारी और सही निर्णय से आप इनका आसानी से समाधान निकाल लेंगे। लेकिन अपने आसपास आपको सही और गलत लोगों की पहचान करनी होगी। आर्थिक मामलों में कोई भी खर्चा अपने बजट के अनुसार ही करना बेहतर होगा।

धनु : जोखिम भरे फैसले व कार्यों से बचें

आपको किसी भी मामले में नकारात्मक विचारों से दूरी बनाए रखने की कोशिश करनी होगी। कार्यक्षेत्र में कोई भी फैसला भावुक होकर न लें, अन्यथा नुकसान हो सकता है। लेकिन किसी व्यक्ति की मदद से आपके जीवन में खुशी दस्तक दे सकती है। व्यापार के मामले में इस समय कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना बेहतर होगा और जोखिम भरे कार्यों से भी बचें।

मकर : चुनौतियों का करेंगे सामना

कार्यक्षेत्र में आपको नए विचारों के साथ आगे बढ़ना होगा। इससे सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। सोच-समझकर और धैर्य के साथ निर्णय लेना आपके लिए बेहतर होगा। कुछ पुरानी बातों को भूलकर आगे बढ़ें और गलतियों से सीख लेने का मौका भी मिल सकता है। स्वास्थ्य के चलते भी आप थोड़ा परेशान रह सकते हैं, जिसका प्रभाव कामकाज पर भी पड़ेगा।

कुंभ : व्यापार में नए अवसरों को पहचानें

व्यापार के मामले में आपको नए अवसरों को पहचानना होगा। सचेत न रहने से कोई सुनहरा मौका हाथ से निकल सकता है या आप किसी शानदार अनुभव से वंचित भी रह सकते हैं। आप कामकाज के सिलसिले में कुछ बदलाव भी कर सकते हैं और अध्यात्म के प्रति रुचि बढ़ेगी। नौकरी करने वालों के लिए दिन सामान्य रहने वाला है।

मीन : विवादों से रहें दूर

व्यावसायिक मामलों में आपको रचनात्मक कार्य करने की जरूरत हो सकती है। विपरीत परिस्थिति उत्पन्न होने पर सोच-समझकर फैसले लें और कटु वाणी का प्रयोग करने से बचें। आपको विवादों से भी दूरी बनाए रखनी होगी और कार्यक्षेत्र में अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अधिक मेहनत करने पर ध्यान देना पड़ सकता है। परिवार के मामले में आपको शांति बनाए रखनी होगी।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

ऐश्वर्या राय से ज्यादा सुंदर हूं, 12वीं पास तान्या मित्तल का दो करोड़ का सालाना बिजनेस, कहा- अच्छी बहू बनना था

रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' में एक कंटेस्टेंट, जिसकी चर्चा न सिर्फ घर में, बल्कि बाहरी दुनिया में भी हो रही है, वह हैं तान्या मित्तल। पेशे से एक मॉडल और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। खुद को बिजनेसवुमन बताती हैं। उनका तीन साल पुराना एक इंटरव्यू वायरल हो रहा है, जिसमें वह अपने सफर के बारे में बता रही हैं कि कैसे यहां तक पहुंचीं। वह कहां से हैं और कहां तक पढ़ी लिखी हैं। साथ ही उन्होंने अपने अजीबो-गरीब सपने के बारे में भी बताया, जिस पर यकीन करना शायद थोड़ा मुश्किल भी होगा।

तान्या मित्तल ने साल 2022 में 'जोश टॉक्स' के यूट्यूब चैनल पर अपनी जर्नी के बारे में खुलकर बात की थी। वह 29 साल की हैं और मध्य प्रदेश के ग्वालियर की रहने वाली हैं। उन्होंने वीडियो में बताया था, 'आज मैं मिलेनियर ऑफ इंडिया हूं, मैं अपनी कंपनी चलाती हूं, जिसमें 350 से ज्यादा लोग काम कर रहे हैं। 400 से ऊपर अवॉर्ड्स जीत चुकी हूं। और आगे बढ़ती ही जा रही हूं। आज जहां हूं, वहां तक पहुंचने के लिए मैंने बहुत मेहनत की। और एक भी दिन मैंने छुट्टी नहीं ली। कोई संडे भी नहीं।'

तान्या मित्तल ने कहा- ऐश्वर्या राय से ज्यादा सुंदर मैं हूं!

तान्या मित्तल ने बताया कि उनको अजीब सपने आते थे, 'मुझे अजीब से सपने आते थे। जैसे मैंने अंबानी का बिजनेस टेकओवर कर लिया हो। सुष्मिता सेन ने अपना क्राउन मुझे दे दिया। ऐश्वर्या राय से ज्यादा सुंदर मैं हूं। लेकिन ऐसा कैसे हो सकता था। अजीब सा सवाल था लेकिन लोगों को बताती थी। मम्मी-पापा के पास जाती थी। तो मम्मी श्योर थीं कि कुछ तो प्रॉब्लम है दिमाग में। मेरा मन था पापा की तरह बिजनेस करने का और उनसे जैसे बिजनेसवुमन बनने का। लेकिन बनिया फैमिली में लड़कियां कहां बिजनेस कर सकती थी। 13-14 भाई थे मेरे। सारे कजिन्स और उन सबमें मैं इकलौती हूं। तो और ज्यादा प्रेशर था। वो सारे सबकुछ कर सकते थे लेकिन मुझे सिर्फ अच्छी बहू बनना था।

तान्या मित्तल हैं 12वीं पास, नहीं किया ग्रेजुएशन

तान्या ने आगे अपनी पढ़ाई और बिजनेस के बारे में बताया, 'जबरदस्ती झउच् (फिजिक्स, केमेस्ट्री और मैथ्स) करा दिया, स्कूल तो जैसे तैसे घिस पिट कर पास किया। और कॉलेज छोड़ा है। कॉलेज के गेट पर हॉस्टल का वह दिन था, बाहर खड़ी थी और पापा ने कहा कि या तो अंदर चली जाओ या फिर सड़क पर रहना। उस वक्त कोई चॉइस नहीं थी। अंदर गई। दो साल आर्किटेक्चर में बहुत स्ट्रगल किया। वहां भी मुझे अजीब सपने आते थे कि मैं अपने चांसलर से पूरी यूनिवर्सिटी खरीदने जा रही हूं। मम्मी को रोज फोन करके कहती कि यहां से ले जाओ। लेकिन किसी ने नहीं सुनी। एक दिन भगवान से इतनी दुआ की कि मेरी जान ले लो। लेकिन किस्मत खराब थी कि जिंदगी जा नहीं रही थी। फिर बैग पैक करके घर गई और वहां एक थप्पड़ पड़ा और पापा ने कहा कि 6 महीने में खाना बनाना सीख लो फिर तुम्हारी शादी कर देंगे। इसके बाद कमरे में बंद किया खुद को और इंस्टाग्राम पर पेज बनाया। 50-50 रुपये के काड्र्स बेचती थी मैं। और रात में 3 साल छोटे भाई के साथ रात के 12 से 4 बजे तक, लोगों को फॉलो रिक्वेस्ट भेजते थे। मैंने पैसे कमाने शुरू कर दिया था। खाना भी बनाना सीख रही थी क्योंकि लगा कि फेल हो गई तो शादी तो पक्का है हो ही जाएगी।

तान्या मित्तल ने सीखी इंग्लिश

तान्या ने बताया कि वह मां से झूठ बोलकर ग्वालियर से दिल्ली आतीं और सदर बाजार से क्राफ्ट का सामान खरीदती थीं। फिर शाम को घर वापस जाती थीं। फिर इंस्टाग्राम पर उन सामानों की फोटो डालकर उसे बेचती थीं। 'तब भी मेरी इंग्लिश अच्छी नहीं थी। कॉन्फिडेंस नहीं था लोगों से बात करने का। लेकिन घसीटामारकर जिंदगी चल रही थी। उस वक्त 20-21 साल की थी।'

तान्या मित्तल का है 2 करोड़ का बिजनेस

तान्या ने बताया कि उन्होंने घर बैठकर यूट्यूब से इंग्लिश सीखी। अपने स्कूल की किताबें पढ़ीं। इसके बाद खुद को सुंदर भी बनाया। अपना 18-20 किलो वजन कम किया और इंडिया को रिप्रेजेंट किया। 'मिस एशिया' का खिताब अपने नाम किया, जो भारत को 12 सालों से नहीं मिला था। 'मैं 12वीं पास हूं। मैंने ग्रेजुएशन नहीं किया है और मुझे इस बात पर गर्व है। मेरा बिजनेस 1.5 से 2 करोड़ साल के कमाता है। साथ ही 26,000 स्क्वेयर फीट की फैक्ट्री भी खरीदी है। 300 से ऊपर कर्मचारी हैं और 200 से ऊपर बच्चों की एजुकेशन मैं खुद स्पॉन्सर करती हूं।

डिजाइनर साड़ी पहने लालबागचा राजा के दर्शन के लिए पहुंची जान्हवी कपूर

बॉलीवुड में भी गणपति बप्पा की धूम चारों ओर छाई हुई है। हर साल की तरह इस बार भी सितारे बप्पा के दर्शन के लिए अलग-अलग मंदिरों में पहुंच रहे हैं। बड़े-बड़े सेलेब्स लालबागचा राजा के दरबार में दर्शन के लिए आ रहे हैं, और अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स की सफलता के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

इसी बीच गुरुवार को एक खास नजारा देखने को मिला, जब बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा जान्हवी कपूर और एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा ने लालबागचा राजा के दरबार में हाजिरी लगाई। दोनों ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'परम सुंदरी' की सफलता की कामना करते हुए गणपति बप्पा से आशीर्वाद लिया। इस मौके पर जान्हवी कपूर के लुक ने सबका ध्यान खींचा।

जान्हवी कपूर ने इस खास मौके की तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर भी साझा की हैं। इन तस्वीरों में जान्हवी बेहद खूबसूरत रेड कलर की साड़ी में नजर आ रही हैं। इस साड़ी का चौड़ा गोल्डन बॉर्डर और उस पर बने सुंदर फूलों के प्रिंट उनकी खूबसूरती को और निखार रहे हैं। यह खास साड़ी किसी और ने नहीं बल्कि बॉलीवुड के फेमस फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने डिजाइन की है। जान्हवी ने इस साड़ी के साथ डीप राउंड नेक वाला ट्रेडिशनल ब्लाउज पहना हुआ है, जो उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है।

उन्होंने अपने लुक को पूरा करने के लिए नगों से जड़े ईयररिंग्स पहने, साथ ही मराठी स्टाइल की नथ भी पहनी। माथे पर लाल रंग की बिंदी और हाथों में सजे कंगनों के साथ उन्होंने पारंपरिक अंदाज में बालों की मोटी चोटी बनाई। इन तस्वीरों में जान्हवी सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ लालबागचा राजा की मूर्ति के सामने हाथ जोड़कर खड़ी नजर आ रही हैं। उन्होंने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, 'गणपति बप्पा मोरया।'₹उनके पोस्ट पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं। कोई उन्हें 'देवी जान्हवी' कह रहा है, तो कोई उनके साड़ी लुक की तारीफ करते हुए लिख रहा है कि आप साड़ी में बहुत सुंदर लगती हो। वहीं, कुछ फैंस ने लिखा कि बप्पा का आशीर्वाद है, अब फिल्म जरूर हिट होगी।

दीपिका कक्कड़ का बुरा हाल, ट्यूमर के इलाज के बाद अब वायरल इंफेक्शन, कहा- इम्युनिटी घट गई

दीपिका कक्कड़ को पिछले काफी लंबे समय से बहुत ही मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। लिवर कैंसर का पता चलने के बाद से दीपिका एक तरफ साइड इफेक्ट्स से जूझ रही हैं, और अब उन्हें वायरल इंफेक्शन भी हो गया है। दीपिका कक्कड़ ने अपने नए व्लॉग में इसकी जानकारी दी। साथ ही बताया कि वह बहुत ही कमजोर हो गई हैं। उनकी इम्युनिटी भी बहुत कम हो गई है। दीपिका कक्कड़ की जून 2025 में लिवर कैंसर की सर्जरी हुई थी। इसके बाद जुलाई से उनकी टारगेटेड थैरेपी शुरू हो गई थी। दीपिका ने अपने एक व्लॉग में बताया था कि इस थैरेपी के कारण वह साइड इफेक्ट्स से जूझ रही हैं। और अब उन्हें वायरल इंफेक्शन भी हो गया है। इसे कारण उनकी हालत बहुत बुरी हो गई है। दीपिका कक्कड़ ने व्लॉग में कहा, 'मेरी हालत काफी खराब है। मुझे भी रुहान जैसा वायरल इंफेक्शन हो गया है। और मेरे मामले में यह ज्यादा गंभीर हो गया है। वो इसलिए क्योंकि मेरा ट्रीटमेंट चल रहा है, जिससे मेरी इम्युनिटी काफी कम हो गई है।'

दीपिका ने आगे कहा, डॉक्टर सोमनाथ ने हमें पहले ही बता दिया था कि अगर मुझे कोई वायरल इंफेक्शन या बुखार हो जाए, तो उनसे संपर्क करना जरूरी है। मुझे एंटीबायोटिक्स और एंटी-एलर्जी दवाओं का हेवी डोज दिया जा रहा है, जिसका मुझ पर असर हो रहा है। उम्मीद है मैं जल्द ही ठीक हो जाऊंगी। कल मुझे बहुत कमजोरी महसूस हुई थी।

इससे पहले दीपिका ने बताया था कि उन्हें टारगेटेड थेरेपी की गोलियां लेते हुए एक महीने से ज्यादा हो गया है। इसके कारण उन्हें अल्सर, हथेली पर चकते, नाक और गले में दिक्कतें होने लगीं। उनके बाल भी काफी झड़ रहे हैं। दीपिका कक्कड़ ने मई 2025 में ने सोशल मीडिया पर बताया था कि उन्हें स्टेज 2 लिवर कैंसर है। वह 'सिलेब्रिटी मास्टरशेफ' का हिस्सा थीं। शो में तबीयत बिगड़ने पर उन्हें बीच में ही क्विट करना पड़ा था। इसके बाद डॉक्टर से चेकअप करवाया तो लिवर कैंसर डिटेक्ट हुआ।

ओणम के खास मौके पर श्रेनु पारिख का साउथ इंडियन अवतार, फैंस बोले- याद आ गईं साई पल्लवी

हर साल आने वाला ओणम का त्यौहार न सिर्फ केरल की संस्कृति का प्रतीक होता है, बल्कि इसकी रौनक देशभर में दिखाई देती है। इस बीच टीवी अभिनेत्री श्रेनु पारिख ने सोशल मीडिया पर ओणम के खास मौके पर एक साउथ इंडियन अवतार में अपनी झलक दिखाई, तो फैंस उनकी सादगी और खूबसूरती पर फिदा हो गए। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह केरल की पारंपरिक साड़ी में नजर आ रही हैं।

वीडियो की शुरुआत में श्रेनु एक सुंदर सी नाव पर बैठी दिखाई देती हैं, जो पानी के ऊपर तैर रही है। उन्होंने सफेद रंग की केरल की पारंपरिक साड़ी कसावु पहनी है, जिसमें सुनहरे बॉर्डर का सुंदर काम किया गया है। साथ ही उन्होंने गहरे हरे रंग का सिंपल ब्लाउज पहना हुआ है। बाल खुले हैं और कानों में छोटे-से झुमके उनकी खूबसूरती को और बढ़ा रहे हैं।वीडियो में कभी वह नाव पर हवा के साथ अपना पल्लू को लहराती नजर आ रही हैं, तो कभी फूलों की खूशबू को

महसूस करते हुए अपने चेहरे पर हल्की सी मुस्कान बिखेर रही हैं। बैकग्राउंड में नीला आसमान और पानी में झलकता सूरज का अक्स, इस पूरे वीडियो को किसी फिल्म के सीन जैसा बना रहा है।वीडियो के साथ श्रेनु पारिख ने जो कैप्शन लिखा, वो भी लोगों को काफी पसंद आया। उन्होंने लिखा, ओणम मेरे लिए आ गया है!! सभी को हैप्पी ओणम! मुझे केरल की साड़ी पहननी पड़ी... मुझे मल्लारिक्कल कुमुदिनी तालाब देखने का मौका मिला क्योंकि यही उनका खिलने का मौसम था! तो फिर क्या था, सुबह पांच बजे पूरी साई पल्लवी मोड में साड़ी पहनकर निकल गए। यह कुमुदिनी तालाब अब धान के खेतों में बदल जाएगा, हम भाग्यशाली हैं कि हमें उनका खिलने का यह मौसम देखने को मिला!

मुंजया 2 में अभय वर्मा के साथ लापता लेडीज की प्रतिभा रांटा करेंगी रोमांस?

अभय वर्मा और शरवरी वाघ स्टारर 'मुंजया' सुपरहिट हुई थी। अब इसका सीक्वल आने वाला है। मेकर्स ने इस पर काम भी शुरू कर दिया है। फैंस भी इस मूवी को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। लेकिन उड़ती-उड़ती खबरें आ रही हैं कि इस बार 'मुंजया 2' में शरवरी नजर नहीं आएंगी। वह इसका हिस्सा नहीं होंगी। उनकी जगह प्रतिभा रांटा लेंगी। अब इसमें कितनी सच्चाई है, आइए बताते हैं।

प्रतिभा रांटा को 'लापता लेडीज' में देखआ गया था। इसमें उन्होंने अपने करिदार से सबका दिल जीत लिया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक्ट्रेस ही 'मुंजया 2' का हिस्सा होंगी। वह लीड रोल प्ले करेंगी। 'बॉक्स ऑफिस वर्ल्डवाइड' के मुताबिक, प्रतिभा रांटा फिल्म में एक अहम किरदार निभाएंगी। हालांकि इसका मतलब ये नहीं है कि वह शरवरी की जगह ले रही हैं।

प्रतिभा रांटा का 'मुंजया 2' में होने की वजह

'मुंजया 2' की कहानी को और बेहतर बनाने के लिए प्रतिभा रांटा के किरदार को जोड़ा गया है। फिलहाल इस बारे में और डिटेल नहीं दी गई है। मगर बताया यही जा रहा है कि उनका पहले पार्ट से कुछ कनेक्शन हो सकता है। मेकर्स ने कुछ भी इस बारे में ऑफिशियली कंफर्मेशन नहीं दी है। मगर शरवरी और अभय दोनों ही दूसरे पार्ट का हिस्सा होंगे और अपने किरदार में नजर आएंगे।

'मुंजया' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

बता दें कि 'मुंजया' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म किया था। इसमें मोना सिंह, भाग्यश्री लिमये, सुहास जोशी और अन्य कलाकार नजर आए थे। मूवी ने 100 करोड़ से ज्यादा की कमाई की थी। अब फैंस इस हॉरर-कॉमेडी मूवी के आगे की कहानी देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका प्रबल आत्मविश्वास और आज के दिन का आसान कामकाज मिलकर आपको आराम के लिए काफ़ी वक़्त देंगे। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें। उन्हें महसूस होने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। आज आप अपने जी–वनसाथी को सरप्राइज दे सकते हैं, अपने सारे कामों को छोड़कर आज आप उनके साथ वक्त बिता सकते हैं। शादीशुदा ज़िन्दगी के मोर्चे पर हालात वाक़ई थोड़े मुश्किल रहे हैं, लेकिन अब आप सुधरते हालात महसूस कर सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का दबाव और घर में अनबन के चलते आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है आज अगर आप दूसरों की बात मानकर निवेश करेंगे, तो आर्थिक नुक़सान तक़रीबन पक्का है। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। करिअर में तरक़्क़ी के लिए नयी क्षमताएँ विकसित करना और नयी तकनीकें सीखना महत्वपूर्ण रहेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

भागमभाग भरे दिन के बावजूद आपकी सेहत पूरी तरह दुरुस्त रहेगी। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, अपने प्रिय के बिना समय बिताने में दिक़्क़त महसूस करेंगे। आपको ऐसी परियोजनाओं पर काम करना चाहिए, जो आगे चलकर मुनाफ़ा दें। किसी पार्क में घूमते समय आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जिससे अतीत में आपके मतभेद थे। जीवनसाथी के साथ कुछ तनातनी मुमकिन है, लेकिन शाम के खाने के साथ चीज़ें भी सुलझ जाएंगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपका दानशीलता का व्यवहार आपके लिए छुपे हुए आशीर्वाद की तरह सिद्ध होगा, क्योंकि यह आपको शक, अनास्था, लालच और आसक्ति जैसी ख़राबियों से बचाएगा। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे– आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। घर में किसी भी तरह का बदलाव करने से पहले अपने बड़ों की राय लें, नहीं तो वे आपसे नाख़ुश और नाराज़ हो सकते हैं। आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता–पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ध्यान से सुकून मिलेगा। आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। आज आपको दूसरों की ज़रूरतों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। हालाँकि बच्चों को ज़्यादा छूट देना आपके लिए समस्या खड़ी कर सकता है। दूसरे आपसे काफ़ी ज़्यादा समय की मांग कर सकते हैं। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन आपके लिए ऊर्जा से भरा दिन नहीं है और आप छोटी–छोटी बातों पर झुंझलाएंगे। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। दोस्त मददगार और सहयोगी रहेंगे। नई परियोजनाओं को आरम्भ करने के लिए शुभ दिन है। अपनी बातचीत में मौलिकता रखें, क्योंकि किसी भी तरह का बनावटीपन आपको फ़ायदा नहीं पहुँचाएगा। आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई बाहरी व्यक्ति दूरी पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप दोनों चीज़ें संभाल लेंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। यदि कोई समस्या है तो उसे टालें नहीं, बल्कि जल्दी–से–जल्दी उसका समाधान ढूंढने की कोशिश करें। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

कोई आपका मूड ख़राब कर सकता है, लेकिन ऐसी चीज़ों को ख़ुद को क़ाबू न करने दें। त्वचा से जुड़ी समस्याएँ पैदा हो सकती हैं। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें आपको उनकी सलाह पर ध्यान देने की ज़रूरत है। सकारात्मक बातों पर विचार करने में कोई बुराई नहीं है। साझीदार से संवाद क़ायम करना बहुत कठिन सिद्ध होगा। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता–पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। कुछ लोगों के लिए– परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। अगर आप जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर–ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफ़ी निराशाजनक हो सकता है। आज के दिन आपका वैवाहिक जीवन एक ख़ूबसूरत बदलाव से गुज़रेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

काम का बोझ आज कुछ तनाव और खीज की वजह बन सकता है। पैसा अचानक आपके पास आएगा यह न केवल आपका मन हल्का करेगा, बल्कि आप दोनों के बीच मतभेद दूर करने में भी मदद करेगा। भावनात्मक उथल–पुथल आपको परेशान कर सकती है। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बेकार की बात पर बहस करके अपकी ऊर्जा ज़ाया न करें। याद रखें कि वाद–विवाद से कुछ भी हासिल नहीं होता, लेकिन खोता ज़रूर है। संदिग्ध आर्थिक लेन–देन में फँसने से सावधान रहें। आज भाग्य आपका साथ ज़रूर देगा, क्योंकि यह आपका दिन है। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। छात्र–छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें। ऐसा करना आपके लिए हितकारी है

आज का पंचांग

दिनांक : 03 सितंबर 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी रात्रि 04:23 तक
नक्षत्र : पूर्वाषाढ़ा रात्रि 11:09 तक
योग : आयुष्मान सायं 04:17 तक
करण : वणिज सायं 04:14 तक
चन्द्रराशि : धनु रात्रि 05:22 तक
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:28 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:29 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:22 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:19 (विजयवाडा

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पद्मा जलझूलनी एकादशी व्रत , भद्रा सायं 04:13 से रात्रि 04:22 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हरियाणा में सिंचाई व्यवस्था होगी सुदृढ़: नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, 02 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने प्रदेश में सिंचाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं कारगर बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज यहां हुई सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की एक अहम बैठक में राज्य में माइनर्स के व्यापक रीमॉडलिंग (पुनर्निर्माण एवं सुधार) कार्य योजना को मंज़ूरी प्रदान की गई है। इसके तहत लगभग 54 अलग – अलग परियोजनाओं को क्रियान्वित किया जाएगा और इस पूरी परियोजना पर लगभग 315 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस महत्त्वाकांक्षी योजना के तहत नहरों की गहराई, चौड़ाई एवं ढांचे को आधुनिक तकनीक से सुदृढ़ किया जाएगा, ताकि सिंचाई जल की आपूर्ति समय पर और पर्याप्त रूप से किसानों तक पहुँच सके। इस पूरी परियोजना के तहत विभिन्न नहरी सर्कलों के तहत 30 कैनाल का पुनर्वास तथा 24 कैनाल की रिमॉडलिंग की जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे किसानों की फसलों को पर्याप्त सिंचाई जल मिलेगा, भूमिगत जल स्तर पर दबाव कम होगा और प्रदेश में कृषि उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी। ग्रामीण क्षेत्रों में जलजमाव की समस्या पर भी काबू पाया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण सामग्री की गुणवत्ता और माइनरों के लेवल में किसी प्रकार की गड़बड़ी नहीं होनी चाहिए।

बैठक में जानकारी दी गई कि यमुना वाटर सर्विस सर्कल, भिवानी के तहत 41 परियोजनाओं, यमुना वाटर सर्विस सर्कल, करनाल के तहत 1 तथा यमुना वाटर सर्विस सर्कल, रोहतक के तहत 2 परियोजनाओं पर कार्य किया जाएगा। इसी प्रकार लोहारू वाटर सर्विस सर्कल भिवानी के अंतर्गत 7 परियोजनाओं और जवाहर लाल नेहरू सर्कल रेवाड़ी के तहत 3 परियोजनाओं को शामिल किया गया है। इन कार्यों को नाबार्ड की सहायता से क्रियान्वित किया जाएगा।

इन परियोजनाओं के तहत माइनरों के किनारों को मज़बूत और ऊँचा करना, लाइनिंग की मरम्मत व पुनर्वास, पाइपलाइन बिछाना, हेड रेगुलेटर, साइफन, पुलिया और आउटलेट की मरम्मत इत्यादि कार्यों को किया जाएगा, जिससे लीकेज खत्म होगी और पानी की बचत भी होगी तथा संभावित क्षेत्रों तक पानी की आपूर्ति सुनिश्चित होगी। इनसे भिवानी, रोहतक, जींद, चरखी दादरी, रेवाड़ी, सोनीपत और करनाल जिलों को लाभ मिलेगा। बैठक में मुख्य सचिव अन–ुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के आयुक्त एवं सचिव मोहम्मद शाइन, वित्त विभाग के आयुक्त एवं सचिव सी.जी. रजीनीकांथन, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के इंजीनियर–इन–चीफ सतबीर कादियान सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

गुरुग्राम में भारी बारिश के बाद जलभराव

स्कूलों में ऑनलाइन क्लास और दफ्तरों में वर्क फ्रॉम होम लागू

गुरुग्राम, 02 सितंबर (एजेंसियां)। साइबर सिटी गुरुग्राम में सोमवार को हुई भारी बारिश के बाद मंगलवार को जलभराव की समस्या देखने को मिली। भारी बारिश के बाद शहर के कई हिस्सों में जलभराव हो गया, जिस कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ।

गुरुग्राम के सेक्टर–10 इलाके की सड़कों पर मंगलवार सुबह जलभराव हो गया, जिसके कारण लोग अपने घरों में कैद होने को मजबूर हो गए। इतना ही नहीं, जलभराव के कारण सड़क से गुजर रही गाड़ियों को भी परेशानी उठानी पड़ी। जिला प्रशासन ने गुरुग्राम में भारी बारिश के बाद की स्थिति के मद्देनजर स्कूलों में ऑनलाइन क्लासेज आयोजित करने का आदेश जारी किया है। इसके साथ ही, कॉरप–ोरेट कार्यालयों और निजी संस्थानों को अपने कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम की सुविधा देने के निर्देश दिए गए हैं ताकि सड़कों पर यातायात की भीड़ से बचा जा सके।

बताया जा रहा है कि शहर में जलभराव के कारण कई प्रमुख मार्गों पर जाम की स्थिति बनी हुई है। गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस और नगर निगम की टीमें जल निकासी के लिए कार्य कर रही हैं, लेकिन अपर्याप्त ड्रेनेज सिस्टम और नालों की समय पर सफाई न होने के कारण समस्या बनी हुई है। इस बीच, स्थानीय नागरिक सोशल मीडिया पर जलभराव की तस्वीरें और वीडियो शेयर करते हुए प्रशासन पर सवाल उठा रहे हैं। बता दें कि सोमवार को दिल्ली–एनसीआर में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई, जिससे तापमान में तेजी से गिरावट आई। गुरुग्राम में बारिश के चलते कई किलोमीटर तक लंबा जाम लग गया।

कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने सोमवार को गुरुग्राम में जलभराव और नाले की समस्याओं को लेकर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पर निशाना साधा। उन्होंने जाम का वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 2 घंटे की बारिश– 20 किमी का गुरुग्राम जाम। मुख्यमंत्री नायब सैनी केवल 'राज्य हेलीकॉप्टर' में उड़ते हैं और सड़कों पर नहीं चलते, यह गुरुग्राम के हाइवे का 'हेलीकॉप्टर शॉट' है। बारिश की तैयारी और नालों, सीवेज और ट्रैफिक जाम को कम करने के लिए खर्च किए गए करोड़ों रुपए का यही हाल है। यह भाजपा का 'ट्रिपल इंजन मॉडल' है।

बाढ़ पीड़ितों की मदद करे सरकार, तुरंत राहत कार्य करे शुरू : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

चंडीगढ़, 02 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि हरियाणा के आधे से ज्यादा जिले बाढ़ की चपेट में आ चुके हैं। आने वाले दिनों में बारिश के चलते हालात और बिगड़ने की आशंका है। इसलिए सरकार को हाथ पर हाथ रखकर बैठने की बजाय सक्रिय होकर राहत कार्य शुरू कर देना चाहिए। जल निकासी और बाढ़ प्रभावित इलाकों में सहायता पहुंचाने के लिए सरकारी अमले को मुस्तैद करने की सख्त आवश्यकता है।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि मानसून से पहले ही कांग्रेस ने सरकार को बार–बार चेताया था और ऐसे हालात के लिए पहले से ही तैयार रहने की नसीहत दी थी। लेकिन सत्ता के नशे में मदमस्त बीजेपी ने सुनवाई नहीं की, जिसका खामियाजा आज आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। उन्हें खेती और जान माल का नुकसान झेलना पड़ रहा है।

सरकार ने 2 साल पहले आई बाढ़ से भी कोई सबक नहीं लिया। कांग्रेस ने बार–बार सरकार से वक्त रहते नालियां, नहरें और सीवरेज की सफाई की मांग करी थी। लेकिन ऐसा नहीं होने के चलते अंबाला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, कैथल, जींद, रोहतक, सोनीपत, सिरसा से लेकर पलवल, फरीदाबाद तक के तमाम क्षेत्रों को बाढ़ का सामना करना पड़ा था। मैंने खुद पूरे हरियाणा का दौरा किया और सरकार से मुआवजे की मांग की थी। लेकिन सरकार ने ना पूरी तरह लोगों के नुकसान का मुआयना किया, ना ही गिरदावरी करवाई और ना ही मुआवजा दिया। इतना ही नहीं, सरकार ने बाढ़ से सबक लेकर किसी तरह के मुस्तैदी कदम भी नहीं उठाए। लगातार सरकार द्वारा अमृत योजना, साफ–,सफाई और सीवरेज व्यवस्था के मामलों में घोटाले किए जाते रहे। यही वजह है कि अब तमाम गांव से लेकर शहर तक, जल भराव व बाढ़ का सामना कर रहे हैं। गुरुग्राम जैसे शहर की सड़कें भी तालाब बन चुकी हैं। लोगों को कई–कई घंटों लंबे जाम का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस ने जिस गुरुग्राम को मिलिनियम सिटी बनाया था, उसे बीजेपी ने समंद्र बनाकर रख दिया है।

कांग्रेस मांग करती है कि सरकार बाढ़ प्रभावित इलाकों में सभी जरूरी व्यवस्थाएं पहुंचाएं, जल निकासी के लिए वाटर पंप, मोटर और जनरेटर की व्यवस्था करे, लोगों के लिए खाने व पीने के पानी की सप्लाई सुनिश्चित करे और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने के लिए तमाम इंतजाम किए जाएं।

इमीग्रेशन एंड फॉरेनर्स ऐक्ट लागू होने से देश में अवैध घुसपैठियों पर शिकंजा कसने में आसानी होगी: डॉ. प्रेम चंद बैरवा

जयपुर, 02 सितंबर (एजेंसियां)। देश में भारत में इमीग्रेशन एंड फॉरेनर्स ऐक्ट, 2025 1 सितंबर से लागू हो गया है। राजस्थान के उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने सरकार के इस फैसले को स्वागत योग्य बताया, उन्होंने कहा कि अब देश में अवैध घुसपैठियों पर शिकंजा कसने में आसानी होगी।

बैरवा ने आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा कि पहले हमारे राज्य में कई लोग अवैध रूप से रहते थे। हाल के दिनों में ऐसे कई लोगों को हटाया गया, लेकिन इसके लिए हमें अनुमति लेनी पड़ती थी। हालांकि, अब जब यह अधिनियम पारित हो गया है, तो हमारे लिए यह बहुत आसान हो जाएगा।

राजस्थान के डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा ने धर्मांतरण कानून को लेकर कहा कि राजस्थान में धर्मांतरण कानून की सख्त आवश्यकता थी, जिस तरह से राजस्थान में धर्मांतरण के केस बढ़े और धर्मांतरण करने वालों की संख्या बढ़ी, उसके बाद इस कानून को लाना जरूरी था। यह कानू सख्त है और इस कानून में सख्त दंडात्मक प्रक्रियाएं हैं। एसआईआर की आपत्तियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने समय सीमा बढ़ाने को लेकर विपक्ष को मना किया है। उसको लेकर डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा ने कहा जब सुप्रीम कोर्ट ने ही आपत्तियां की समय सीमा बढ़ाने से मना कर दिया तो सुप्रीम कोर्ट से बड़ा तो कोई हो ही नहीं सकता। विपक्ष के लोगों को देश के विकास में भागीदारी को लेकर बात करनी चाहिए। जबकि वह जनता के बीच भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं।

प्रेम चंद बैरवा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर होने वाले सेवा पखवाड़े वाले कार्यक्रम को लेकर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन सेवा कार्यों में गिना जाता है। इसीलिए हम अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ आमजन के साथ मिलकर अलग–अलग कार्यों को करते हैं और इस बार भी हमने इसकी प्लानिंग कर ली है।

औद्योगिक प्रदूषण नियंत्रण के लिए केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने की समीक्षा बैठक

कोटपूतली–बहरोड़, 02 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के सोतानाला, केशवाना और बहरोड़ औद्योगिक एवं आसपास के क्षेत्रों में औद्योगिक प्रदूषण से संबंधित समस्याओं के निवारण के उद्देश्य से केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने एक विशेष समीक्षा बैठक बुलाई। इस बैठक में केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु मंत्रालय, राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, जिला प्रशासन और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सोतानाला, केशवाना और बहरोड़ औद्योगिक एसोसिएशन के प्रतिनिधि एवं निकटवर्ती गाँवों के प्रतिनिधि भी बैठक में उपस्थित रहे। अपशिष्ट एवं जल प्रदूषण से संबंधित स्थानीय समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए मंत्री भूपेन्द्र यादव ने अधिकारियों को एक विस्तृत योजना तैयार करने के निर्देश दिए। यह भी उल्लेख किया कि विस्तृत योजना भविष्य में होने वाले औद्योगिक विकास को ध्यान में रखते हुए तैयार की जाए, जिसमें उन्नत तकनीकों के माध्यम से ठोस अपशिष्ट एवं उद्योगों के प्रदूषित जल को कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट आदि के माध्यम से उपचारित कर अधिकतम पुनः उपयोग में लाया जाए। औद्योगिक इकाइयों को नियमों और प्रावधानों के सख्ती से अनुपालन पर जोर देते हुए, मंत्री जी ने नियामक एजेंसियों को निर्देश दिया कि उल्लंघन करने वाली इकाइयों पर सख्त कार्यवाही की जाए। बैठक के दौरान केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से औद्योगिक क्षेत्रों के त्वरित मूल्यांकन के आधार पर समस्याओं एवं उनके तकनीकी समाधान पर उपाय सुझाए गए।

18 सितम्बर से गांव चलो अभियान, लंबित राजस्व प्रकरणों का होगा निस्तारण: भजनलाल

जयपुर, 02 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार गुड गवर्नेन्स के मानकों पर खरा उतरते हुए आमजन के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने के लिए अधिकारी उनकी नियमित मॉनिटरिंग करें। साथ ही, संबंधित विभागों से समन्वय कर भूमि आवंटन, डीपीआर, टेंडर प्रक्रिया को जल्द पूरा किया जाए, जिससे विकास कार्यों का लाभ लोगों को समय पर मिल सके।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राजस्व एवं उपनिवेशन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग, तकनीक एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से काश्तकारों को सुविधाएं उपलब्ध कराने में नवाचार कर रहा है। इसी क्रम में किसानों को स्वयं फसल गिरदा–वरी की सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए एग्रीस्टेक मोबाईल ऐप विकसित किया गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिक से अधिक किसानों को जोड़ने के लिए इस ऐप का व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाए।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 18 सितम्बर से प्रदेशभर में सप्ताह में तीन दिन 'गांव चलो अभियान' संचालित किया जाएगा, जिसमें ग्रामीणों तक सरकारी सेवाओं की सुलभ पहुंच सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस अभियान के तहत ग्रामीणों के सीमाज्ञान, सहमति विभाजन, नामांतरण आदि लंबित प्रकरणों को निस्तारित किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी व्यक्ति अभियान के लाभों से वंचित ना रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी गत दो वर्ष के बजट में घोषित भवन निर्माण के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए तय समय में पूरा करें। साथ ही नियमित निगरानी कर इनकी गुणवत्ता पर भी ध्यान रखा जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुराने भवनों का भी आवश्यकतानुसार पुनर्निर्माण एवं मरम्मत की जाए, ताकि सरकारी संसाधनों का अधिकतम उपयोग हो सके।

शर्मा ने कहा कि जैसलमेर जिले के सामान्य आवंटन के लंबित आवेदनपत्रों के निस्तारण के लिए योजना बनाई जाए, साथ ही 15 दिन का अभियान चलाकर लंबित प्रकरणों को निस्तारित किया जाए। उन्होंने विभाग की कार्यप्रणाली को और बेहतर बनाने के लिए वर्तमान नियमों में यथासंभव संशोधन कर नियमों के सरलीकरण के निर्देश भी दिए। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि फार्मर रजिस्ट्री योजना के माध्यम से किसानों के आधार नम्बर को राजस्व रिकॉर्ड के साथ मेपिंग का कार्य समस्त जिलों में प्रारम्भ कर दिया गया है। अब तक 87 प्रतिशत किसानों की फार्मर आईडी जनरेट की जा चुकी है। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में राज्य के 48 हजार 463 गांवों की जिओ रेफरेंस शीट फाइल भू–नक्शा पोर्टल पर अपलोड कर 4.49 करोड़ यूनिक लैंड पार्सल आइडेंटिफिकेशन नम्बर जारी किए जा चुके हैं। बैठक में राजस्व न्यायालयों के लिए रेवेन्यू कोर्ट मॉर्डनाइजेशन सिस्टम, राजस्व इकाइयों का पुर्नगठन, पूर्णकालिक सरकारी अधिवक्ताओं को रिटेनर शुल्क, उपनिवेशन क्षेत्र में भूमि आवंटन की दर में परिवर्तन, ग्राम दान एवं भूदान अधिनियम सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

पितृपक्ष मेला की तैयारियां अंतिम चरण में आज सीएम नीतीश कुमार करेंगे समीक्षा

गया जी (एजेंसियां)।

मोक्षधाम नगरी गया जी में 6 सितंबर से 21 सितंबर तक आयोजित होने वाले राजकीय पितृपक्ष मेला की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। पेयजल, आवासन, सफाई और बिजली सहित बुनियादी सुविधाओं को दुरुस्त करने का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। बुधवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गया समाहरणालय के सभाकक्ष में अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा करेंगे।

डीएम शशांक शुभंकर ने बताया कि देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इसके लिए कुल 55 पिंडवेदी और तर्पण स्थल तैयार किए गए हैं, जिनमें 45 पिंडवेदी और 9 तर्पण स्थल गया जी में तथा एक पिंडवेदी पटना जिले के पुनपुन घाट में है। पितरों की मुक्ति के लिए गया जी में ब्रह्म सरोवर, रामशिला, वैतरणी, सूर्यकुंड सरोवर, प्रेतशिला, देवघाट, गजाधर घाट, अक्षयवट, सीताकुंड, गयासिर वेदी, फल्गु नदी, गया कूप वेदी और ब्राह्मणी घाट वेदी प्रमुख स्थल हैं।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 64 सरकारी आवासन स्थल बनाए गए हैं, जिनमें 18 हजार तीर्थयात्रियों को निःशुल्क ठहरने की व्यवस्था है। पर्यटन विभाग ने गया जी के गांधी मैदान में टेंट सिटी का निर्माण कराया है, जहां 2500 श्रद्धालुओं के ठहरने और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की व्यवस्था की गई है। साथ ही कम कीमत पर भोजन उपलब्ध कराने के लिए जीविका दीदी भोजनालय शुरू किया जा रहा है।

गया जंक्शन पर यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए कंट्रोल रूम बनाया गया है। विभिन्न शिफ्टों में पुलिस अधिकारियों और जवानों की तैनाती की गई है ताकि श्रद्धालुओं को हर संभव सहयोग मिल सके। पितृपक्ष मेला का उद्घाटन 6 सितंबर को शाम 4 बजे होगा। उद्घाटन समारोह में केंद्रीय मंत्री व पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, विधान परिषद सभापति अवधेश नारायण सिंह, जिला प्रभारी मंत्री डॉ. सुनील कुमार, राजस्व भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी, सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार, लघु जल संसाधन मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन, पर्यटन मंत्री राजू कुमार सिंह समेत कई सांसद, विधायक और जनप्रतिनिधि शामिल होंगे।

कटिहार में अनोखा क्लासरूम, ट्रेन जैसी रंगीन कक्षाओं ने बच्चों को बनाया पढ़ाई का दीवाना

पूर्णिया (एजेंसियां)।

कटिहार के सुधानी मध्य विद्यालय ने ग्रामीण शिक्षा को मज़ेदार बनाने के लिए कक्षाओं को ट्रेन की बोगियों जैसा रंगीन रूप दिया है। इस रचनात्मक पहल से बच्चों की स्कूल में उपस्थिति बढ़ी है और पढ़ाई के प्रति उनकी रुचि भी दोगुनी हो गई है। ग्रामीण शिक्षा व्यवस्था को नया आयाम देने के लिए कटिहार के सुधानी मध्य विद्यालय ने एक अनोखा प्रयोग किया है। यहां कक्षाओं की दीवारों को ट्रेन की बोगियों की तरह रंग-बिरंगे पेंट से सजाया गया है। इस रचनात्मक पहल ने बच्चों के बीच पढ़ाई को मज़ेदार बना दिया है और अब स्कूल जाना उनके लिए एक रोमांचक सफर बन गया है।

पहले जहां किताबों से ऊबकर बच्चे खेतों और घर के कामों में लग जाते थे, वहीं अब स्थिति पूरी तरह बदल गई है। छात्र-छात्राओं का कहना है कि उन्हें अब लगता है जैसे वे किसी चलती ट्रेन की बोगी में बैठकर पढ़ रहे हों। छुट्टी के दिनों में भी वे स्कूल को मिस करने लगे हैं। शिक्षकों के मुताबिक, इस पहल से बच्चों की उपस्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। शिक्षक सपना सिंह और अमित पांडे बताते हैं कि पहले कक्षाएं खाली रहती थीं, लेकिन अब छात्र समय पर पहुंचते हैं और पढ़ाई को मज़ेदार मानते हैं।

स्कूल प्रिंसिपल मोहम्मद अंसार का मानना है कि शिक्षा को खेल और कल्पना से जोड़कर बच्चों में सीखने की ललक पैदा की जा सकती है। उन्होंने कहा कि सुधानी मध्य विद्यालय का यह प्रयोग इस बात का प्रमाण है कि थोड़ी रचनात्मकता से ग्रामीण शिक्षा व्यवस्था में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। कटिहार का यह 'क्लासरूम ट्रेन' मॉडल अब अन्य स्कूलों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रहा है। यह साबित करता है कि यदि पढ़ाई को बच्चों की रुचि और कल्पना से जोड़ा जाए तो शिक्षा बोझ नहीं, बल्कि एक मज़ेदार और रोमांचक सफर बन सकती है।

मेंगलूरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोना चोरी के आरोप में चार कर्मचारी हिरासत में

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर चोरी के एक मामले में, बाजपे पुलिस ने एक यात्री के ट्रॉली बैग से सोने के आभूषण चुराने के आरोप में चार बैगेज हैंडलिंग कर्मचारियों को हिरासत में लिया है। पुलिस के अनुसार, चारों व्यक्ति हवाई अड्डे पर सामान चढ़ाने और उतारने का काम करते थे। यह घटना तब सामने आई जब सीआरपीएफ जवान हरिकेश की पत्नी राजेश्वरी पद्मशाली 30 अगस्त की सुबह 9:30 बजे एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान से बेंगलूरु से मेंगलूरु पहुँचीं। वह एक रिश्तेदार की शादी में शामिल होने जा रही थीं। टर्मिनल के बाहर अपना सामान लेने के बाद, उन्होंने देखा कि उनके ट्रॉली बैग का ताला टूटा हुआ था। जाँच करने पर, उन्होंने पाया कि लगभग 4.5 लाख रुपये मूल्य का 56 ग्राम सोने का हार गायब था। उन्होंने तुरंत बाजपे पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने मामला दर्ज किया और पूछताछ के लिए हवाई अड्डे के चार लोडिंग कर्मचारियों को हिरासत में ले लिया। सूत्रों ने पुष्टि की है कि उनमें से दो को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया है। हवाई अड्डे पर अवैध रूप से सामान खोले जाने और सोने के आभूषण व मोबाइल फोन जैसे कीमती सामान चोरी होने की कई शिकायतें पहले भी मिल चुकी हैं। यात्रियों ने हवाई अड्डा अधिकारियों के समक्ष बार-बार अपना रोष व्यक्त किया है, जबकि कुछ ने पुलिस में औपचारिक शिकायत भी दर्ज कराई है।

फिलहाल, पुलिस ने मेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यात्रियों के बैग से कीमती सामान चोरी करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

वोटर लिस्ट की सफाई नहीं, उसमें हेरफेर करना चाहता है चुनाव आयोग: तृणमूल कांग्रेस

पटना (एजेंसियां)।

तृणमूल कांग्रेस ने बिहार में वोटर लिस्ट में गड़बड़ियों को लेकर चुनाव आयोग पर निशाना साधा है। पार्टी का कहना है कि वोटर लिस्ट में डुप्लीकेट एपिक कार्ड पाए गए हैं। टीएमसी के मुताबिक, इससे पता चलता है कि बिहार में वोटर लिस्ट को अपडेट करने का काम सही तरीके से नहीं किया गया। टीएमसी ने यह भी कहा कि चुनाव आयोग ने पहले डुप्लीकेट एपिक कार्ड को हटाने का वादा किया था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पार्टी ने इस मामले में आयोग की भूमिका पर सवाल उठाए हैं और इसे बीजेपी के साथ मिलीभगत का नतीजा बताया है।

टीएमसी ने आरोप लगाया है कि बिहार में वोटर लिस्ट को अपडेट करने का काम जल्दबाजी में और बिना सोचे-समझे किया गया। इससे वोटर लिस्ट में गड़बड़ियां हो गईं। टीएमसी नेता चंद्रिमा भट्टाचार्य ने कहा कि बिहार में मतदाताओं के दोहरे नाम होने से पता चलता है कि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन जल्दबाजी में और अवैज्ञानिक तरीके से किया गया है।

इसका मकसद वोटर लिस्ट को साफ करना नहीं, बल्कि उसमें हेरफेर करना है।

चंद्रिमा भट्टाचार्य ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी बंगाल में भी इसी तरह के काम का विरोध करेगी। उन्होंने कहा कि अगर एक राज्य में यह हाल है, तो पूरे भारत में हेरफेर का अंदाजा लगाया जा सकता है। टीएमसी ने आयोग पर बीजेपी के साथ मिलकर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया है।

टीएमसी प्रवक्ता कुणाल घोष ने पूछा कि एसआईआर का क्या मतलब है, अगर इतनी बड़ी संख्या में डुप्लीकेट वोटर मौजूद हैं। उन्होंने सवाल किया कि बिहार और पूरे भारत में ऐसे कितने मामले हैं? और इन फर्जी मतदाताओं से किसे फायदा हो रहा है? कुणाल घोष ने यह भी कहा कि अगर आयोग अपना वादा पूरा नहीं कर पाया और इस गड़बड़ी को होने दिया, तो क्या जवाबदेही तय नहीं होनी चाहिए? क्या पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कर्तव्य में लापरवाही के लिए एफआईआर दर्ज नहीं होनी चाहिए?

चंद्रिमा भट्टाचार्य ने आयोग पर आरोप लगाया कि उसने डुप्लीकेशन को रोकने के लिए अपनी प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया। उन्होंने कहा कि आयोग ने गलतियों से भरी वोटर लिस्ट जारी की। चुनाव आयोग का यह लापरवाह रवैया लोगों के भरोसे को कमजोर करता है। इससे पता चलता है कि यह काम सिर्फ बीजेपी के राजनीतिक फायदे के लिए किया गया है। उन्होंने कहा कि बंगाल में भी इसी तरह से वोटर लिस्ट में हेरफेर किया जा सकता है।

कुणाल घोष ने कहा कि बीजेपी ने 2024 का लोकसभा चुनाव इसी वोटर लिस्ट के आधार पर जीता था। तब रोहिंग्या और बांग्लादेशी प्रवासियों को लेकर चिंता क्यों नहीं थी? अब राज्य चुनावों से पहले ही यह मुद्दा क्यों उठाया जा रहा है? अगर नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के लिए वोटर लिस्ट ठीक थी, तो अब इस पर सवाल क्यों उठाए जा रहे हैं? क्या यह पाखंड नहीं है?

टीएमसी नेता युसूफ पठान और लालतेश त्रिपाठी ने पटना में वोटर अधिकार यात्रा में हिस्सा लिया। इसके बाद टीएमसी ने चुनाव आयोग पर यह आरोप लगाया है। टीएमसी का कहना है कि वोटर लिस्ट में गड़बड़ियों की वजह से चुनाव में हेरफेर हो सकता है। पार्टी ने आयोग से इस मामले में कार्रवाई करने की मांग की है।

टीएमसी ने चुनाव आयोग से यह भी पूछा है कि वह बताए कि वोटर लिस्ट में इतनी गड़बड़ियां कैसे हुईं। पार्टी ने यह भी मांग की है कि आयोग उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई करे, जो वोटर लिस्ट में गड़बड़ियों के लिए जिम्मेदार हैं। टीएमसी का कहना है कि वह वोटर लिस्ट में गड़बड़ियों को लेकर चुप नहीं बैठेगी, वह इस मुद्दे को जनता के बीच उठाएगी।

मुंगेर में पिकअप और ऑटो की आमने-सामने टक्कर, एक की मौत, चार गंभीर घायल

मुंगेर (एजेंसियां)।

मुंगेर में मंगलवार सुबह लगभग 5 बजे मुंगेर-लखीसराय राष्ट्रीय राजमार्ग-80 पर सुंदरपुर के पास पिकअप और सीएनजी ऑटो की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में ऑटो सवार सात लोगों में से एक की मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद पिकअप चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही हेमजापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों को जब्त कर थाने ले आई।

घायलों को इलाज के लिए मुंगेर सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने लखीसराय जिले के सूर्यगढ़ा थाना क्षेत्र के हुसैना निवासी अंजनी झा को मृत घोषित कर दिया। वहीं, ऑटो चालक भोला झा, सुलो पासवान, विनोद पासवान और गणेश यादव को गंभीर चोटें आई हैं। डॉक्टरों के मुताबिक, सुलो पासवान की हालत सबसे नाजुक बनी हुई है।

घटना के संबंध में घायल गणेश यादव ने बताया कि वे सभी लोग कीर्तन मंडली से जुड़े हुए हैं। सोमवार को कीर्तन गाने के लिए बेगूसराय जिले के साहेबपुर कमाल गए थे। मंगलवार सुबह कार्यक्रम समाप्त कर वापस लौटने के दौरान यह हादसा हुआ। पुलिस के अनुसार, हादसा तेज रफ्तार के कारण हुआ, जिसमें एक व्यक्ति की जान गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

लखीसराय में मानवता हुई शर्मसार! 4 साल के बच्चे से अननेचुरल सेक्स

लखीसराय (एजेंसियां)।

जिले के बड़हिया थाना क्षेत्र से सटे पचमहला से मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। जहां महज़ 4 साल के एक छोटे बच्चे के साथ पड़ोस के ही चचेरे भाई ने समलैंगिक यौनाचार (अननेचुरल सेक्स) की वारदात को अंजाम दिया है।

मामला तब उजागर हुआ जब उक्त बच्चे के परिजनों ने सूचना पुलिस को दी। जहां पहुंची पुलिस ने उक्त बच्चे को इलाज के लिए रेफरल अस्पताल बड़हिया लाया और उसका इलाज कराया। इस संदर्भ में बच्चे के पिता ने बताया कि मैं हर दिन की तरह मजदूरी करने गया हुआ था।

बच्चे की मां बैंक के काम से बाजार गई थी। बच्चे को अकेला देख चचेरे भाई ने उसे बहला फुसलाकर अपने घर ले गया। उसके बाद वारदात को अंजाम दिया। परिजन घर पहुंचे तो दर्द से पीड़ित डरा सहमा बच्चा घटना की पूरी जानकारी अपने माता-पिता को सुनाया। जहां परिजन पुलिस से संपर्क स्थापित कर मामले से उन्हें अवगत कराया।

फिलहाल उक्त बच्चे का इलाज रेफरल अस्पताल बड़हिया में किया जा रहा है। लेकिन सवाल है कि समाज के ऐसे दरिंदों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। तभी भोले भाले बच्चे सुरक्षित रह पाएंगे। पुलिस घटना को लेकर काफ़ी सक्रिय है और घटना में शामिल आरोपी की तलाश शुरू कर दिया है।

नीतीश सरकार ने दी खुशखबरी : जीविका निधि से 1.40 करोड़ महिलाओं को मिलेगा सस्ता कर्ज

पटना (एजेंसियां)।

बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ की स्थापना 105 करोड़ रुपये की राशि से हुई है। इस आधार पर मंगलवार को उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दावा किया कि इससे राज्य की 1.40 करोड़ से अधिक महिलाओं को प्रत्यक्ष लाभ होगा। जीविका निधि से लघु एवं छोटे उद्योग से जुड़ी महिलाओं को कम ब्याज पर ऋण मिलेगा।

बिहार में 1.40 करोड़ महिलाएं जीविका समूह से जुड़कर कुटीर उद्योग चला रही हैं। उनका कारोबार लगभग 56 हजार करोड़ रुपये का है। उनकी उद्यमिता से राज्य के जीएसटी संग्रह में भी महत्वपूर्ण योगदान हो रहा है।

कारोबार को बढ़ाने के लिए उन्हें अब तक दूसरे वित्तीय संस्थानों पर निर्भर रहना पड़ता था, जो ऊंची ब्याज दर पर ऋण देते थे। सरकार की पहल से अब उन्हें इससे मुक्ति मिल गई है।

सम्राट ने कहा कि जब महिलाएं मजबूत होंगी तो पूरा परिवार और समाज मजबूत होगा। जीविका निधि के माध्यम से महिलाओं को सस्ता ऋण उपलब्ध कराना न केवल उनकी आर्थिक आजादी को सुनिश्चित करेगा, बल्कि उन्हें गांव-गांव में उद्यमिता और नेतृत्व की नई पहचान भी देगा।

वोटर अधिकार यात्रा के दौरान शख्स की चोरी हुई थी बाइक बदले में राहुल गांधी ने दिलवाई नई मोटरसाइकिल

दरभंगा (एजेंसियां)।

दरभंगा के शुभम सौरभ की बाइक वोटर अधिकार यात्रा के दौरान चोरी हो गई थी। मामला मीडिया और सोशल मीडिया में सामने आने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसे संज्ञान में लिया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दरभंगा के शुभम सौरभ को नई पल्सर 220 बाइक भेंट की है। दरअसल, वोटर अधिकार यात्रा के दौरान शुभम की बाइक चोरी हो गई थी। मामला मीडिया और सोशल मीडिया में सामने आने के बाद राहुल गांधी ने खुद इसे संज्ञान में लिया और पटना में आयोजित वोटर अधिकार यात्रा के दौरान शुभम को नई बाइक दी।

27 अगस्त को दरभंगा के जीवछघाट से राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने वोटर अधिकार यात्रा के तहत बाइक रैली निकाली थी। इसी दौरान मा दुर्गा लाइन होटल के मालिक शुभम सौरभ की बाइक कथित तौर पर एसपीजी के लोग लेकर चले गए थे। बाइक न मिलने पर शुभम ने कई जिलों में यात्रा के दौरान तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। शुभम की परेशानी मीडिया रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया के जरिए राहुल गांधी तक पहुंची। इसके बाद उन्होंने पटना में यात्रा के दौरान शुभम को बुलाया और नई पल्सर 220 बाइक खरीदकर भेंट की। नई बाइक मिलने के बाद शुभम ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा कर राहुल गांधी के प्रति आभार जताया। वहीं, बाइक खरीदने और देने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com